हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,बुधवार 02 अक्टुबर 2024 वर्ष : 02 अंक :140 पृष्ठ -14 PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 मूल्य - ₹ 3 पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

हरियाणा में ये उम्मीदवार हैं सबसे अमीर, संपत्ति जानकर हो जाएंगे हैरान

एजेंसी

हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रचार जोर शोर से किया जा रहा है। चुनाव को देखते हुए सभी दलों ने अपनी ताकत पूरी तरह से झोंक दी है। राज्य में मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस के बीच होने जा रहा है। इस चुनाव में भी करोड़पति उम्मीदवार हैं, जो मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे है।राज्य में पांच अक्टूबर को वोटिंग होनी है। हरियाणा में 90 सीटों पर वोटिंग की जाएगी। इस बार कई ऐसे उम्मीदवार भी हैं जो अपनी वित्तीय प्रोफाइल के कारण काफी चर्चा में है। हरियाणा में कई ऐसे अमीर उम्मीदवार हैं जो चर्चा में बने हुए है। इस बार सबसे अमीर उम्मीदवार कैप्टन अभिमन्यु हैं, जिनकी कुल संपत्ति 417 करोड़ रुपये की है। उनके अलावा सावित्री जिंदल का भी नाम है, जो सबसे अमीर उम्मीदवार है। हिसार से चुनाव मैदान में उतरी सावित्री जिदंल ने 270 करोड़ रुपये की संपत्ति की घोषणा की है। वो जिंदल परिवार की राजनीतिक और औद्योगिक विरासत की प्रमुख उम्मीदवार है। उनके अलावा भूपिंदर सिंह हुड्डा (पूर्व मुख्यमंत्री) और अभय सिंह चौटाला शामिल हैं,

जमैका के किसी प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा,

कई समझौता ज्ञापनों पर हुए हस्ताक्षर, पीएम मोदी बोले- भारतविश्वसनीय और प्रतिबद्ध भागीदार

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जमैका के संबंध हमारे साझा इतिहास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं। चार सी हमारे संबंधों की विशेषता हैं, संस्कृति, क्रिकेट, राष्ट्रमंडल और कैरीकॉम(कैरेबियन समुदाय)।

एजेंसी

नई दिल्ली:पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जमैका के संबंध हमारे साझा इतिहास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं। चार सी हमारे संबंधों की विशेषता हैं, संस्कृति, क्रिकेट, राष्ट्रमंडल और कैरीकॉम(कैरेबियन समुदाय)। भारत और जमैका के बीच व्यापार और निवेश बढ़ रहा है। भारत हमेशा जमैका की विकास यात्रा में एक विश्वसनीय और प्रतिबद्ध विकास भागीदार रहा है।

जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में भारत और जमैका के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं जमैका के प्रधानमंत्री होलनेस और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करता हूं... प्रधानमंत्री होलनेस भारत के लंबे समय से मित्र रहे हैं। मुझे उनसे कई बार मिलने का अवसर मिला है और हर बार मैंने भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को महसूस किया है। मुझे विश्वास है कि उनकी यात्रा हमारे द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ पूरे कैरेबियाई क्षेत्र के साथ हमारे जुड़ाव को नई ऊर्जा देगी।पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जमैका के संबंध हमारे साझा इतिहास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं। चार सी हमारे संबंधों की विशेषता हैं, संस्कृति, क्रिकेट, राष्ट्रमंडल और कैरीकॉम(कैरेबियन समुदाय)। भारत और जमैका के बीच व्यापार और निवेश बढ़ रहा है। भारत हमेशा जमैका की विकास यात्रा में एक विश्वसनीय और प्रतिबद्ध विकास भागीदार रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जमैका एकमत हैं कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित सभी वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है। इन्हें समकालीन रूप देने के लिए हम साथ मिलकर काम करते रहेंगे। भारत और जमैका के संबंध हमारे साझा इतिहास, हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों से लोगों के बीच मजबूत संबंधों का प्रमाण हैं। हमारा संबंध 4सी संस्कृति, क्रिकेट, राष्ट्रमंडल, कैरिकॉम द्वारा चिह्नित है। पीएम ने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में भारत जमैका सेना के साथ प्रशिक्षण लेगा। संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद कुछ चुनौतियाँ हैं जो हमारे सामने हैं और हम इनके खिलाफ मिलकर काम करने को तैयार हैं। मैं जमैका में भारतीय प्रवासियों का ख्याल रखने के लिए पीएम होल्नेस को धन्यवाद देता हूं। जमैका ने जिस तरह से बॉलीवुड और लोक संगीत के माध्यम से भारतीय संस्कृति को स्वीकार किया है और उसकी सराहना की है, मैं उसकी सराहना करता हूं। आज का सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम हमारे व्यक्तिगत संबंधों को भी बढ़ाएगा।

हरियाणा को किसी दामाद का दहेज नहीं बनने देंगे, शिवराज बोले- मोदी-विरोध में झूठ बोलते रहते है राहुल गांधी

एजेंसी

हरियाणा:हरियाणा चुनाव को लेकर बहादुरगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा है। शिवराज ने अपना हमला करते हुए कहा कि राहुल गांधी 'मोदी-विरोध' पर इतना पागल हो गए हैं कि झूठ बोलते रहते हैं। उनका जन्म तब हुआ होगा जब धरती पर सारे झूठ बोलने वाले मरे होंगे उन्हें शर्म भी नहीं आती। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर भी वार किया। उन्होंने कहा कि वे कहते है कि वह नहीं मरेंगे जब तक उन्होंने पीएम मोदी को नहीं हटाएगी, 'दादा' कृपया 1000 साल तक जीवित रहें। क्या राजनीति में इतना घिनौना होना चाहिए?'शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बीजेपी को हर जगह से आशीर्वाद मिल रहा है। मुझे पूरा भरोसा है कि हरियाणा और बहादुरगढ़ की जनता बीजेपी की सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि हम हरियाणा को किसी दामाद का दहेज नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आरक्षण विरोधी, दलित विरोधी, ड्डउविरोधी है। जब-जब कांग्रेस ने हरियाणा में सरकार बनाई, यहां क्राइम, कमीशन और करप्शन बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अजीब पार्टी है, दिल्ली में अअढ के साथ दोस्ती करती है और हरियाणा में कुश्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार ने बीते 10 वर्षों में जनकल्याण और सुशासन के नये मानदंड स्थापित किये हैं। हरियाणा वासी एक बार फिर कमल खिलाने तैयार हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस की हरियाणा इकाई में कलह होने का दावा करते हुए कहा कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी से सबसे अधिक नाराजगी राज्य के दलित, पिछड़े और वंचित समाज की है और वे ह्यबापू-बेटेह्न (हुड्डा परिवार) की राजनीति को चमकाने का मोहरा नहीं बनेंगे। मोदी ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए यह आरोप भी लगाया।

'स्थिति स्थिर, लेकिन तनावपूर्ण', मणिपुर को लेकर बोले सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी भरोसा

एजेंसी

मणिपुर:सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने मंगलवार को उत्तर में शांति बहाल करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को सूचीबद्ध करते हुए कहा कि मणिपुर संघर्ष समय के साथ कहानियों की लड़ाई बन गया है और हिंसाग्रस्त राज्य में स्थिति भले ही स्थिर हो, लेकिन तनावपूर्ण बनी हुई है। चाणक्य रक्षा संवाद, 2024 में बोलते हुए जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि हल्के-फुल्के अंदाज में कहें तो 'एक के साथ एक आजाद' क्योंकि मणिपुर एक समस्या थी और अब आपके सामने म्यांमार की समस्या भी आ रही है। आज स्थिति स्थिर हो सकती है,

लेकिन तनावपूर्ण है। सबसे पहले, हमें बहुत स्पष्ट होना चाहिए। यह संपूर्ण राष्ट्र का दृष्टिकोण होना चाहिए। हम विश्वास बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं। हम बड़ी संख्या में हथियार बरामद करने में सफल रहे हैं।

जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने आगे कहा कि अगर मैं कहता हूं कि लगभग 25% हथियार पहले ही बरामद किए जा चुके हैं और स्थानीय किस्म के दोगुने हथियार भी बरामद किए जा चुके हैं। हमें झूठी कहानियों की अनुमति नहीं देनी चाहिए। उदाहरण के लिए, बम ड्रोन की कहानी थी। हमने जमीन पर जाकर जांच की और वहां कोई बम ड्रोन नहीं थे। उन्होंने कहा कि एक और झूठी कहानी यह थी कि 900 राष्ट्र-विरोधी तत्वों ने घुसपैठ की थी। हमने चेक किया, ऐसा कुछ नहीं है। जहां तक ??बाहरी समर्थन का सवाल है, म्यांमार की अपनी समस्या है। उनके भी कुछ लोग हैं जो विस्थापित हो रहे हैं।

लड्डू में मिलावट नहीं हुई है, ऐसा सुप्रीम कोर्ट ने नहीं कहा, तिरुपति प्रसाद विवाद पर बोले पवन कल्याण

एजेंसी

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कभी नहीं कहा कि तिरुपति मंदिर के प्रसाद में मिलावट नहीं हुई है। उनकी यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को तिरूपति के लड्डू के बारे में सार्वजनिक तौर पर आरोप लगाने के लिए फटकार लगाने के एक दिन बाद आई है। कल्याण ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार पिछली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) शासन के दौरान हुए उल्लंघनों की जांच करेगी।

उपमुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई का जिक्र करते हुए कहा कि न्यायाधीशों ने स्पष्ट रूप से यह नहीं कहा कि लड्डू बिना मिलावट के थे। उन्होंने तारीख के संबंध में कुछ भ्रम पर प्रकाश डाला, जिसे संबोधित किया जाएगा।

दुष्यंत चौटाला के काफिले पर हमला, गाड़ी में तोड़फोड़, सांसद चन्द्रशेखर आजाद भी थे मौजूद

एजेंसी

हरियाणा:जननायक जनता पार्टी के प्रमुख और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के काफिले पर सोमवार देर रात उचाना में हमला किया गया। चौटाला एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे इसी दौरान उपद्रवियों ने हंगामा किया और काफिले पर हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक, कुछ अज्ञात लोगों ने काफिले की गाड़ी को पत्थरों से निशाना बनाया और एक गाड़ी तोड़ दी। हमले के तुरंत बाद भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटना का जायजा लिया। सोमवार को चौटाला जींद के उचाना में थे जहां से वह विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। उनके साथ उनके गठबंधन सहयोगी आजाद

समाज पार्टी के प्रमुख और सांसद चन्द्रशेखर आजाद भी थे। दोनों नेताओं ने उचाना में मेगा रोड शो किया।

इस हमले से हरियाणा की राजनीति को तंज कर दिया है। मामला हाई-प्रोफाइल होने के कारण पुलिस हाई अलर्ट पर है और घटना की जांच कर रही है। गौरतलब है कि उचाना कलां विधानसभा क्षेत्र हरियाणा विधानसभा की 90 सीटों में से एक है।

राहुल गांधी के नाच-गाने वाले बयान पर योगी का पलटवार, बोले- राम और रोम की संस्कृति में बहुत अंतर, आपका परिवार...

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा के भिवानी जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए प्रचार करते हुए गांधी-नेहरू परिवार की तीन पीढ़ियों पर हमला किया। इस साल की शुरूआत में 22 जनवरी को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन का जिक्र करते हुए, आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि दुर्भाग्यपूर्ण कांग्रेसी इससे नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि 500साल के इंतजार के बाद पूरा देश और दुनिया अभिभूत और खुश है। लेकिन इन बदनसीब

कांग्रेसियों को इससे नफरत है। योगी ने आगे कहा कि कहा कि एक तरफ वे लोग हैं जो भगवान राम की संस्कृति में पले-बढ़े हैं... और दूसरी तरफ वे लोग हैं जो रोमन संस्कृति में पले-बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि वे बदनसीब जो दुर्भाग्य से खुद को एक्सीडेंटल हिंदू कहते हैं, वे इसे कैसे बर्दाश्त करेंगे? उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि अयोध्या में जब राम लला के मंदिर का उदघाटन हो रहा था तब वहां नाच गाना चल रहा था। अरे जिंदगी भर तुम्हारा परिवार यही करता रहा है इससे पहले कांग्रेस के राहुल गांधी ने कथित तौर पर 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर की 'प्राण प्रतिष्ठा' को "नाच-गाना" कार्यक्रम के रूप में संदर्भित करने के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था। हरियाणा के हिसार में एक सार्वजनिक सभा में बोलते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने भाजपा पर हमला बोलते हुए दावा किया।

'दिल्ली और लद्दाख से खत्म हो LG राज', बवाना थाने पहुंचीं आतिशी का आरोप, मुझे सोनम वांगचुक से मिलने तक नहीं दिया

एजेंसी

दिल्ली :दिल्ली की सीएम आतिशी एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से मिलने बवाना पुलिस स्टेशन पहुंचीं। हालांकि, आतिशी का दावा है कि सोनम वांगचुक से उन्हें मिलने नहीं दिया गया है। आतिशी ने कहा कि लद्दाख के लोग राज्य का दर्जा चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बापू की समाधि के दर्शन करने जा रहे सोनम वांगचुक और लद्दाख के लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने मुझे सोनम वांगचुक से मिलने नहीं दिया। ये बीजेपी की तानाशाही है। हम सोनम वांगचुक का पूरा समर्थन

करते हैं। आप नेता ने साफ तौर पर कहा कि लद्दाख में एलजी शासन खत्म होना चाहिए और उसी तरह दिल्ली में भी एलजी शासन खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इन पुलिस अधिकारियों को एलजी साहब का फोन आया होगा कि चुनी हुई सरकार के प्रतिनिधि, दिल्ली के सीएम को सोनम वांगचुक से मिलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए और दिल्ली को भी पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए और दिल्ली को भी पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। दिल्ली सीएम ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार लोकतंत्र की हत्या करने, वोट देने का अधिकार छीनने में कोई कसर नहीं छोड़ती।

दिल्ली में धारा 163 लगाए जाने पर भड़की AAP सरकार, बताया उपराज्यपाल का तुगलकी फरमान

एजेंसी

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को नवरात्रि उत्सव के दौरान दिल्ली पुलिस के निषेधाज्ञा आदेश की आलोचना की। सौरभ भारद्वाज ने इसे तुगलकी फरमान करार दिया और इसे तत्काल वापस लेने का आह्वान किया। सोमवार को जारी आदेश में सार्वजनिक व्यवस्था पर चिंताओं का हवाला देते हुए, छह दिनों के लिए दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों में पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगाता है। यह निर्देश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (सीआरपीसी की पिछली धारा 144 की जगह) के अंतर्गत आता है।सी आदेश को लेकर आम आदमी पार्टी उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर हमलावर है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के लोगों को त्यौहार मनाने से रोकने के लिए एलजी ने तुगलकी आदेश दिया है। पूरी दिल्ली में एक मैसेज तेजी से फैल रहा है कि एलजी की दिल्ली पुलिस ने 5 लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी है। पूरी दिल्ली में दुर्गा पूजा की जाती है, राम लीला होती है, भंडारे लगाये जाते हैं। क्या एलजी हिंदुओं को उनके त्यौहार मनाने से रोकना चाहते हैं? मैं, एलजी को कहना चाहता हूँ कि ऐसा होने वाला नहीं है।दिल्ली सरकार के मंत्री ने कहा कि एलजी साहब भाजपा और कांग्रेस के नेताओं से छुप-छुपकर मिल रहे हैं। लेकिन वहीं जब दिल्ली के विधायक दिल्ली की बिगड़ी कानून व्यवस्था के विषय पर एलजी साहब से मिलना चाहते हैं तो उनके पास समय नहीं है। दिल्ली के गैंगस्टर अब तो भाजपा के नेताओं पर भी गोलियाँ चला रहे हैं। जहां पहले भाजपा वाले हर मुद्दे पर एलजी साहब को सुरक्षा देते थे, वही एलजी अब बीजेपी नेताओं की सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं।सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में कर्फ्यू लगाने का यह तुगलकी फरमान बेहद ही हास्यास्पद है।

हरियाणा में बोले राहुल गांधी, संविधान खत्म करना चाहती है भाजपा, कुछ चुनिंदा अरबपतियों के पास जा रहा सारा पैसा

एजेंसी

नई दिल्ली :कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हरियाणा के बहादुरगढ़ में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि हर कोई जानता है कि यहां ड्रग्स का मुद्दा है। मैं मोदी जी से पूछता हूं कि जब अडानी के मुद्रा पोर्ट पर हजारों किलो ड्रग्स पकड़ी गई, तो आपने क्या कार्रवाई की? उन्होंने दावा किया कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो 1200 रुपये में बिकने वाला (एलपीजी) गैस सिलेंडर अब 500 रुपये प्रति सिलेंडर पर उपलब्ध होगा। हम हरियाणा के किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य भी देंगे। राहुल ने कहा कि हरियाणा के लोग सेना में जाते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी ने 'अग्निवीर योजना' लाकर इस रास्ते को भी बंद कर दिया है। अग्निवीर

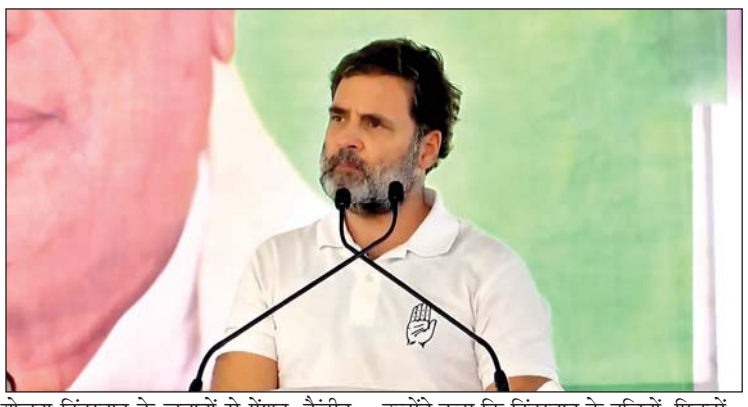

योजना हिंदुस्तान के जवानों से पेंशन, कैंटीन और शहीद का दर्जा चोरी करने का तरीका है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के दलितों, पिछड़ों, गरीबों को जो भी मिला है, वो सभी संविधान की देन है। लेकिन भाजपा हमेशा संविधान पर आक्रमण करती रहती है। उन्होंने कहा कि जब आरएसएस के लोग देश के संस्थानों में अपने लोगों को भरते हैं और गरीबों, वंचितों को जगह नहीं देते- वो संविधान पर आक्रमण करते हैं। जब नरेंद्र मोदी, अडानी-अंबानी की मदद करते हैं और हिंदुस्तान में रोजगार का सिस्टम खत्म करते हैं- वो संविधान पर आक्रमण करते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा संविधान को खत्म करती है, हम संविधान की रक्षा करते हैं। उन्होंने दावा किया कि आज के हिंदुस्तान में कुछ चुनिंदा अरबपतियों के पास सारा पैसा जा रहा है। वहीं पेट्रोल-डीजल, प्याज जैसी चीजों के दाम बढ़ाकर आपकी जेब से लगातार पैसा निकाला जा रहा है। सच्चाई यही है-

केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री चिराग पासवान जी ने बाढ़ग्रस्त इलाके का दौरा किये

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक 01 अक्टूबर, 2024आज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री आदरणीय श्री चिराग पासवान जी ने बाढ़ग्रस्त इलाके का दौरा किये। श्री चिराग सहरसा में स्थानीय जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के साथ बैठक कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी ली साथ ही बाढ़ प्रभावित जनमानस के बीच मदद के लिए प्रशासन की ओर से चलाई जा रही कम्युनिटी किचन समेत सभी व्यवस्था की जानकारी ली। आगे श्री चिराग ने सहरसा जिला के नौहटा प्रखंड अंतर्गत केदाली पंचायत तथा बराही बांध के सैकड़ो गांव जाकर बाढ़ पीड़ित से मुलाकात कर खाद्य सामग्री का वितरण किये ।श्री चिराग ने कहा नेपाल में भारी बारिश की वजह से कोसी बराज से पानी छोड़ने के बाद कोसी और मिथिलांचल क्षेत्र में स्थिति बहुत भयावह है, हम सबको राजनीतिक मतभेद मिटाकर एकजुट होकर बिहारियों की समस्या का समाधान निकालना होगा। आज सहरसा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। वहां के ग्रामीणों को राहत सामग्री वितरण किया साथ ही स्थानीय प्रशासन को भी निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की कोई समस्या न उत्पन्न हो, इसका ख्याल रखा जाए। बड़े स्तर पर सामूहिक किचन की भी व्यवस्था की गई है। आगे भी जो आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए, उठाए जायेंगे। मैं प्रधानमंत्री जी को भी वर्तमान स्थिति से अवगत करवाऊंगा और बिहारियों की हर संभव मदद के लिए प्रयास करूंगा ।इस आशय की जानकारी प्रदेश मीडिया प्रभारी निशांत मिश्रा ने दी।

सेवा पखवाड़ा के तहत आर. बालासुब्रमण्यम की पुस्तक पावर विदिनः द लीडरशिप लेगेसी ऑफ नरेंद्र मोदी का विमोचन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज के सभी वर्गों का विकास तुस्टीकरण की नीति से नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण के माध्यम से किया –डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 1 अक्टूबर 2024: भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज आर. बालासुब्रमण्यम द्वारा लिखित पुस्तक "पावर विदिनः द लीडरशिप लेगेसी ऑफ नरेंद्र मोदी" का भव्य विमोचन किया गया ।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज के सभी वर्गों का विकास किसी विभाजनकारी या टकराव की नीति से नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण के माध्यम से किया है। इसका अर्थ है कि उन्होंने समाज के सभी तबकों को साथ लेकर, उनकी आवश्यकताओं को समझते हुए, एक समावेशी विकास की नीति अपनाई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज की परिस्थिति में मोदी जी देश को मजबूती से आगे ले जा रहे हैं।

डॉ. जायसवाल ने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता के लोभ में आज कुछ लोग देशविरोधी ताकतों से भी हाथ मिला रहे हैं, जो देशहित में नहीं है। उन्होंने इस पुस्तक की तारीफ करते हुए इसे सभी के लिए पठनीय बताया।इस अवसर पर विधायक अरुण कुमार सिन्हा, राजू कुमार सिंह, रामचंद्र प्रसाद, सेवा पखवाड़ा प्रमुख एवं पूर्व विधायक प्रेम रंजन पटेल, प्रदेश मंत्री संजय गुप्ता, त्रिविक्रम नारायण सिंह, प्रेम रंजन चतुर्वेदी सहित सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उर्दू विश्वविद्यालय में नामांकन की तिथि विस्तारित

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी : मौलाना आजाद नैशनल उर्दू विश्वविद्यालय ने दूरस्थ शिक्षा के कोर्सों के लिए नामांकन की तिथि 10 नवंबर तक बढ़ा दी है। पहले यह तिथि 30 सितंबर थी। इच्छुक छात्र अब ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और कोर्स...

सीतामढ़ी:मौलाना आजाद नैशनल उर्दू विश्वविद्यालय की दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न कोर्सों में नामांकन की तिथि 10 नंबर तक विस्तारित कर दी गई है। उर्दू विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा निदेशक डॉ रजाउल्लाह खान ने एक पत्र के माध्यम से उक्त सूचना दी है। श्री राधा कृष्ण गोयनका महाविद्यालय में स्थित मानू अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रो मो सनाउल्लाह ने बताया कि सत्र 2024-25 में नामांकन का अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित था, लेकिन शिक्षार्थिओं, कार्यरत शिक्षकों, सामजिक कार्यकताओं के अनुरोध पर उर्दू विश्वविद्यालय ने एक बार फिर से नामांकन तिथि को विस्तारित किया है। अब इच्छुक छात्र 10 नवंबर तक नया नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन और 14 नवंबर तक कोर्स फीस जमा कर सकते है। ज्ञात हो कि उर्दू विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से एमए उर्दू, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, अरबी और इस्लामीक हिस्ट्री के साथ बीए, बीएससी और बी कॉम की शिक्षा प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त डिप्लोमा और सर्टिफिकेट के कई कोर्स भी उर्दू विश्वविद्यालय द्वार दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कराई जाती है। अधिक जानकारी मानू की वेबसाइट https://manuuadmission.samarth.edu.in/ से प्राप्त की जा सकती है।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ राजद ने दिया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.एजाज

मधुबनी जिला के हरलाखी प्रखंड कार्यालय परिसर में स्मार्ट मीटर के खिलाफ राजद कार्यकताओं ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया. जिसकी अध्यक्षता व संचालन प्रखंड अध्यक्ष रामचंद्र साह ने किया. इस दौरान केन्द्र व राज्य सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की गयी. धरना को संबोधित करते हुए राजद नेता निशांत शेखर ने कहा कि पार्टी के आह्वान पर बिहार में स्मार्ट मीटर द्वारा हो रहे अत्याचार के खिलाफ आज एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया है. क्योंकि यह स्मार्ट मीटर नही यह जनता का चीटर है. स्मार्ट मीटर के प्रीपेड रिचार्ज की प्रकिया से गरीबों का शोषण हो रहा है. बिजली उपयोग से पहले हर महीने रिचार्ज करना गरीबों के लिए एक जटिल समस्या है. गरीबों के पास समय पर पैसे नहीं होंगे तो रिचार्ज के बिना अंधेरे में रहने की मजबूरी हो जाएगी और अगले रिचार्ज पर फाइन में ही पैसे कट जाएंगे. इससे गरीब उपभोक्ताओं का शोषण हो रहा है. कहा कि सूबे में डबल इंजन की सरकार आमजन पहले से ही मंहगाई व बेरोजगारी का मार झेल रही है. यह पूंजी पतियों की सरकार स्मार्ट मीटर में जिओ का चिप लगाकर गरीबों के जेब का पैसा से पूजी पतियों को बनाना चाहती है जो हमारे नेता तेजस्वी यादव कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे. उन्होंने कहा कि हमलोग स्मार्ट मीटर हर हाल में नही लगने देंगे. कहा कि गरीब विरोधी इस सरकार को स्मार्ट मीटर लगाने से पहले स्मार्ट गांव बनाना चाहिए. गरीबों के लिए यह स्मार्ट मीटर नही स्मार्ट चीटर है. गरीबो को घर देने में विफल यह सरकार उनके ऊपर स्मार्ट मीटर थोपने का काम कर रही है, जो यहां की जनता कतई बर्दाश्त नही करेगी. इस बार के विधानसभा चुनाव में जनता इसका मुहतोड़ जवाब देगी. कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक रामाशीष यादव, युवा नेता निशांत शेखर, प्रिया राज, मो आलम शेख, धनिक लाल यादव, धनराज यादव, नवल किशोर यादव, दानिश एकबाल, विमल मंडल, बबलू यादव आदि ने अपने संबोधन में स्मार्ट मीटर का विरोध किया. मौके पर राजदेव महतो, मिथिलेश यादव, राजेन्द्र यादव, व डॉ प्रकाश साह समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे

विधायक के पहल से सिवान जिले के मूल भूत सुबिधा से वंचित दो गांव को मिलेगा नगर विकास विभाग का लाभ

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज 1अक्टूबर मंगलवार। सिवान जिले के अन्तर्गत महाराजगंज प्रखण्ड स्थित गांव धनछूहा और जगदीशपुर ये दो गांव ऐसा है जो आज चालीस वर्षों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। बता दे की जब महाराजगंज प्रखण्ड के अधीन ये दो गांव पंचायत पसनौली का हिस्सा था लेकिन जब महाराजगंज को नगर पंचायत का दर्जा मिला तो इन दो गांवों को अधिकारियों के लापरवाही से नगर पंचायत में शामिल नही किया गया। और न ही किसी पंचायत मे जोड़ना मुनासिब समझा गया। जब से ये गवां नन पंचायत के नाम से इतिहास के पन्नो में दर्ज होने लगा। उक्त गांव के ग्रामीणों द्वारा राज नेताओ से लेकर अधिकारियों तक गुहार लगाया गया लेकिन कुछ नही हासिल हुआ। ग्रामीणों द्वारा वोट का बहिष्कार भी किया गया ।ऊंच न्यायालय पटना मे परिवाद भी दायर इस ग्राम के दिवंगत पूर्व सरपंच जगदीश सिंह के द्वारा किया गया जिसमे उन्हें डबल बेंच से उक्त ग्राम को नजदीक के पंचायत तेवथा और टेघरा मे शामिल करने का आदेश पारित हुआ फिर भी शामिल नही किया गया।और कई राज नेताओ ने भी इस गांव के जनता जनार्दन के साथ वादा खिलाफी की मुझे वोट दो मैं करवा दूंगा लेकिन हुआ कुछ नही। लेकिन महाराजगंज के विकाश पुरुष विधायक सह पूर्व मंत्री श्री विजय शंकर दुबे महाराजगंज विधान सभा क्षेत्र से विधायक बने तो नन पंचायत धनछुहा और जगदीशपुर का नाम सुनकर देखने चले दोनो गांव को नन पंचायत गांव कैसा होता है। और देखने के ही क्रम मे ग्रामीणों संग बैठक कर उक्त गावो को नगर पंचायत मे शामिल करनेका वादा कर बिहार विधान सभा मे भी आवाज उठाया जो आज बिहार सरकार के नगर विकास सह आवास विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने एक प्रेस नोट जारी कर आदेश निर्गत किया है की नगर विकास विभाग में शामिल करने के पश्चात उक्त दोनो गांव को नगर और आवास विभाग से मिलने वाला मूलभूत सुविधाएं मिलती रहेगी। जैसे ही ये खबर उक्त गांव के लोगो को मिली लोग खुशियां मना कर एक दूसरे को बधाई दी।

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के संचालन समिति की बैठक

सारण जिला क्षेत्र के सभी माननीय सदस्य विधान परिषद एवं विधान सभा से शहरी निकाय क्षेत्र के समग्र विकास से संबंधित योजनाओं की प्राथमिकता सूची पर हुई चर्चा

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- सूची के आधार पर शहरी विकास से संबंधित योजनाओं का प्राक्कलन तैयार कर प्रशासनिक स्वीकृति के उपरांत नगर विकास एवं आवास विभाग को अग्रेतर कार्रवाई हेतु भेजा जायेगा प्रस्ताव

सारण, छपरा 1 अक्टूबर, 2024

मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के माध्यम से शहरी क्षेत्रों के विकास से संबंधित योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से शहरी क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु आवश्यक सड़क, नाला, पार्क , पार्किंग स्थल, स्ट्रीट लाइटिंग, हाई मास्ट लाइट, जल निकायों का जीर्णोद्धार, घाट का निर्माण आदि से संबंधित योजनाओं का क्रियान्वयन किया जायेगा। आज माननीय मंत्री विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार - सह- प्रभारी मंत्री सारण जिला श्री सुमित कुमार सिंह की अध्यक्षता में संचालन समिति की बैठक आहुत की गई। सारण जिला क्षेत्र के सभी माननीय सदस्य बिहार विधान परिषद एवं बिहार विधान सभा के साथ शहरी निकायों के समग्र विकास से संबंधित योजनाओं की प्राथमिकता सूची पर चर्चा की गई।

सभी सदस्यों से प्राप्त प्राथमिकता सूची के आधार पर योजनाओं का प्राक्कलन तैयार किया जायेगा। योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति के उपरांत अग्रेतर कार्रवाई हेतु विभाग को भेजा जायेगा।

बैठक में माननीय विधान पार्षद श्री सच्चिदानंद राय एवं श्री वीरेंद्र नारायण यादव, माननीय विधायक छपरा श्री सी एन गुप्ता, विधायक मढ़ौरा श्री जितेंद्र राय, विधायक परसा श्री छोटेलाल राय, जिलाधिकारी श्री अमन समीर, पुलिस अधीक्षक श्री कुमार आशीष, नगर आयुक्त छपरा नगर निगम, सभी अनुमंडल पदाधिकारी,सभी नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

सेवा पखवाड़ा के तहत आर. बालासुब्रमण्यम की पुस्तक पावर विदिनः द लीडरशिप लेगेसी ऑफ नरेंद्र मोदी का

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 1 अक्टूबर 2024: भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज आर. बालासुब्रमण्यम द्वारा लिखित पुस्तक "पावर विदिनः द लीडरशिप लेगेसी ऑफ नरेंद्र मोदी" का भव्य विमोचन किया गया ।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी ने समाज के सभी वर्गोंका विकास किसी विभाजनकारी या टकराव की नीति से नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण के माध्यम से किया है। इसका अर्थ है कि उन्होंने समाज के सभी तबकों को साथ लेकर, उनकी आवश्यकताओं को समझते हुए, एक समावेशी विकास की नीति अपनाई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज की परिस्थिति में मोदी जी देश को मजबूती से आगे ले जा रहे हैं।डॉ. जायसवाल ने विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता के लोभ में आज कुछ लोग देशविरोधी ताकतों से भी हाथ मिला रहे हैं, जो देशहित में नहीं है। उन्होंने इस पुस्तक की तारीफ करते हुए इसे सभी के लिए पठनीय बताया।

इस अवसर पर विधायक अरुण कुमार सिन्हा, राजू कुमार सिंह, रामचंद्र प्रसाद, सेवा पखवाड़ा प्रमुख एवं पूर्व विधायक प्रेम रंजन पटेल, प्रदेश मंत्री संजय गुप्ता, त्रिविक्रम नारायण सिंह, प्रेम रंजन चतुर्वेदी सहित सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हेली कॉप्टर से बाढ़ प्रभावित छेत्र का निरक्षण किया गया

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी :प्रधान सचिव ,जल संसाधन विभाग बिहार सरकार आज सीतामढ़ी पहुंचे। जिलाधिकारी रिची पांडे के द्वारा राहत एवं बचाव कार्य से संबंधित उन्हें जानकारी उपलब्ध कराई गई एवं प्रधान सचिव, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा हेलीकॉप्टर के माध्यम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। प्रधान सचिव ने निर्देश दिया है की बाढ़ पीड़ितों/ बाढ़ से प्रभावित लोगों को हर संभव मदद मुहैया कराई जाए। सभी पदाधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कैंप करें ।उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी तरह की कोताही पर कार्रवाई कीजाएगी।

2 अक्टूबर को जन सुराज के राजनीतिक दल बनने से पहले प्रशांत किशोर का बड़ा बयान -

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- बिहार में सिर्फ जन सुराज ही दिखेगा, अभी तो हम पैदल चल रहे हैं और प्रचार तो अभी शुरू भी नहीं किया है, 6 महीने बाद आपको बिहार में हर जगह सिर्फ जन सुराज ही दिखेगा

पटना : जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने 2 अक्टूबर को संगठन के दल बनाने से पहले एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि अगले 6 महीने बाद जहां भी खड़े होंगे, जन सुराज ही नजर आएगा। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में जब लोग नहीं माने, तब हमने इस यात्रा की शुरूआत की। हम पिछले 2 वर्षों से चलते आ रहे हैं। मेरे आलोचक भले ही कुछ भी कहें, लेकिन यह सच है कि हम चल रहे हैं। अब लोग यह कह रहे हैं कि बात तो सही है, लेकिन बिहार में सुधार नहीं होगा। अब मेरे समर्थक कह रहे है कि अगर बिहार सुधरेगा, तो वह जन सुराज से ही सुधरेगा ।प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि अभी हमारे पास 15 महीने का समय है, इसलिए घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। 2 अक्टूबर को पार्टी का गठन करेंगे, और 6 महीने बाद जहां देखेंगे, वहां जन सुराज ही दिखाई देगा। चाहे आप बैठें, सोएं या खड़े हों, जन सुराज ही दिखेगा, और तीसरा कुछ नहीं। हमने अभी प्रचार शुरू नहीं किया है; हम अभी पैदल चल रहे हैं। हमें अपने काम के लिए दल बनाना होगा। पहले दल बनाने दीजिए, फिर 2 अक्टूबर से देखिएगा कि प्रचार कैसे होता है।

बिहार सरकार द्वारा लागू किए गए स्मार्ट मीटर द्वारा गरीबों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ मधुबनी जिला एवं प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय धरना

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

राष्ट्रीय जनता दल प्रखंड इकाई रहिका के द्वारा प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष बीरेंद्र बिहार सरकार द्वारा लागू किए गए स्मार्ट मीटर द्वारा गरीबों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय धरनाकुमार यादव के अध्यक्षता एवं राजू पासवान के संचालन और प्रखंड प्रभारी सदाब आजम के उपस्थिति में बिहार सरकार द्वारा लागू किए गए स्मार्ट मीटर द्वारा गरीबों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय धरना का आयोजन किया गया। धरना को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री अली असरफ फातमी ने कहा कि बिहार में स्मार्ट मीटर लागू करने से लेकर अभी तक किसी भी स्टेक होल्डर से मशवरा नहीं किया गया है क्योंकि सरकार भी मुनाफे की लाभार्थी है। बिहार में लगभग 2.76 करोड़ हाउस होल्ड (मकान) हैं। स्मार्ट मीटर की खराबी के कारण अगर इन सभी उपभोक्ताओं से 100 रुपए भी ज्यादा वसुला जाता है तो कुल लगभग 276 करोड़ कम्पनी को अलग से मुनाफा होगा। पुरे भारत में जितने स्मार्ट मीटर लगाये गये है, उनमें बिहार जैसे गरीब प्रदेश में सर्वाधिक स्मार्ट मीटर लगाये गए है। प्रजातांत्रिक व्यवस्था में यदि मुख्यमंत्री ही प्राईवेट कम्पनियों के साथ मिल जाए तो जनता का त्राहिमाम करना स्वाभाविक है।

पुराने मीटर की तुलना में स्मार्ट मीटर से बढ़ा हुआ बिल उपभोक्ताओं के पास आ रहा है। बिजली बिल देने में असमर्थ गरीब और वंचित परिवार के घरों की बिजली काटी जा रही है। अब तो इस तरह के हालात बन गए हैं कि पूरे गांव की ही बिजली काटी जा रही है। बिजली कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए सीएमडी के द्वारा सभी जिलाधिकारी को बल प्रयोग करके स्मार्ट मीटर लगाने के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखा गया है, जो कहीं से उचित नहीं है। इस मामले पर राज्य सरकार या विद्युत विभाग के पदाधिकारी यह स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं कि आखिर क्या कारण है कि बिजली कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए जबरन मीटर लगाने की बातें क्यों की जा रही है। राज्य सरकार कहीं ना कहीं इन कंपनियों के प्रभाव में आकर उपभोक्ताओं और गरीबों के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार को देख रही है राज्य सरकार को जनता और जनता के हितों से कोई मतलब नहीं है, और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार कंपनियों के हितों की रक्षा कर रही है।

धरना को जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला नेता सुरेंद्र कुमार चौधरी, अनुसूचित जाति जिला अध्यक्ष चरित्र सदा, जिला पार्षद उमर अंसारी, मधु राय, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी, भरत पंडित, लड्डु ठाकुर, विकाश कुमार, रामबाबू यादव, राजेश्वर यादव, रेखा देवी, साकेत भगत,मो. प्यारे, नगर अध्यक्ष पप्पू कुमार यादव, बदरुल हक, सकीला खातून,विपिन कुमार साह,चंद्रपाल मंडल, राजो देवी, सीताराम यादव, मो. मुमतारिज, अशोक यादव, दिलीप यादव, भागवत चौधरी, ललन मंडल सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

मधुबनी में अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वृद्धजनों को पाग एवं दुपट्टा पहनाकर किया गया सम्मानित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर

अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वृद्धजनों को पाग एवं दुपट्टा पहनाकर किया गया सम्मानित।।
समाज कल्याण विभाग के द्वारा वृद्धजनों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं की दी गई जानकारी।
स्वच्छता के महत्वता पर भी हुई चर्चा।
जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के तत्वाधान में सभी बुनियाद केंद्रों, अनुमंडल कार्यालयों एवं प्रखंडों में अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सभी कार्यालयों के पदाधिकारीगण एवं कर्मीगन ने प्रतिज्ञा भी ली। जिला पदाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा के निदेर्शानुसार सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा आशीष प्रकाश अमन द्वारा वृद्धजनों को पाग और दोपटा पहनाकर सम्मानित किया गया। उन्होंने समाज कल्याण विभाग के द्वारा वृद्धजनों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं के विषय में बताया साथ ही स्वच्छता के महत्वता के ऊपर भी चर्चा की।यह वृद्धजन सम्मान अभियान अक्टुबर के पूरे माह में चलाया जाएगा जिसमें हर एक दिन विभिन्न प्रखंडों में पेंशन दिवस मनाकर पेंशन संबंधित परेशानियों का निराकरण किया जाएगा। कार्यालय के द्वारा पेंशन दिवस मनाने हेतु तिथिवार रोस्टर तैयार किया गया है जिससे हर एक दिन अलग अलग प्रखंड में आयोजित किया जाएगा

समस्तीपुर: घर में मिली युवक की क्षत-विक्षत लाश, हत्या के आरोप में बड़ा भाई गिरफ्तार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिले के मुसरीघरारी थाना क्षेत्र अंतर्गत उदा गांव में एक युवक की क्षत विक्षत लाश पुलिस ने बरामद की। इसके साथ ही ग्रामीणों की शिकायत पर युवक की हत्या के आरोप में उसके बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया। मृतक की मुकेश कुमार सिंह (22 वर्ष) के रूप में पहचान हुई है। वह हैदराबाद में मजदूरी करता था। बताया गया है कि वह पांच दिन पूर्व ही गांव आया था।ग्रामीणों के अनुसार पारिवारिक जमीन को लेकर बड़े भाई से युवक का विवाद चल रहा था। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब आठ बजे बड़े भाई ने ही गांव के लोगों को छोटे भाई की हत्या होने की जानकारी दी। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि भाई की मौत का उसके चेहरे पर शिकन नहीं था, जिससे ग्रामीणों को शक है कि बड़े भाई ने ही उसकी हत्या की है।बताया गया है कि बड़ा भाई रात भर गायब भी था। सुबह करीब आठ बजे घर मे जाने के बाद सबसे पहले बहनोई को कॉल कर घटना की जानकारी दी। उसके बाद घर से बाहर निकल गांव के लोगों को बताया। तब गांव के लोग घर में पहुंचे और शव देखा। मृतक के शरीर पर जगह-जगह धारदार हथियार से वार का निशान था। जिसमें शरीर क्षत विक्षत हो गया था। सूचना पर मुसरीघरारी थाने की पुलिस पहुंची और शव बरामद करने के बाद ग्रामीणों की शिकायत पर बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया।

राजद का प्रखंड मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर :- राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत ताजपुर प्रखंड मुख्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना का आयोजन किया गया।अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष नूर आलम एवं मंच संचालन नगर अध्यक्ष अजहर मिकरानी ने किया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोरवा विधायक रणविजय साहू ने कहा कि सरकार स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लगाकर आम जनों की गाढ़ी कमाई को जनता के पॉकेट से निकलने का काम कर रही है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रधान मंत्री के इशारे पर पूंजीपति मित्र को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रही हैं जनता चुनाव में सबक सिखाने का काम करेंगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव फैजुर रहमान फैज ने कहा सरकार का यह चुगल्लुकी फरमान है जो गरीब गुरवा के जेब पर डाका डाल रही है आने वाला सत्र में राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा सदन में गूंजेगी तब जा कर यह अंधी बेड़ी सरकार को जगाएंगी इस मौके पर जिला महासचिव तबरेज आलम राजद के वरिष्ठ नेता पूर्व मुखिया विष्णु देव प्रसाद सिंह प्रदेश सचिव लाल बहादुर पंडित,सुदेश्वर राय,सुजीत कुमार,राहुल राय, अनिल कुशवाहा,महताब आलम विक्की,रजनीश कुमार,मुखिया बृजनंदन राम,मुखिया मनोज राय,मोहम्मद आरिफ,नुरूजोहा अफ्फो,कपूरी ठाकुर,अरमान सदरी,मोहम्मद मुराद,मोहम्मद सद्दाम,गुलाब सिंह,मनोज कुमार,राकेश गुप्ता,अशोक राम,उमेश राम,मुकेश मेहता,महेश कुमार सिंह,धनराज सिंह,वशिष्ठ नारायण सिंह, देवनारायण सदा,बैजनाथ राय, अशोक राय,चंदन कुमार,करामत हुसैन,सफीउर राजा चुन्नू,दिनेश कुमार,मोहम्मद शब्बीर,राजद के वरिष्ठ नेता शंभू प्रसाद यादव आदि मौजूद थे

ऑल इंडिया सब - जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में अयान अली का शानदार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर सिद्दीकी

रांची में आयोजित योनेक्स सनराइज ऑल इंडिया सब - जूनियर (व - 13) आयु वर्ग रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप में इंडियन पब्लिक स्कूल के छात्र अयान अली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एकल वर्ग में तृतीय राउंड तथा डबल्स में अपने साथी खिलाडी के साथ मेन ड्रा में स्थान बनाने में सफल हुए। अयान और असदुल्लाह की जोड़ी ने राष्ट्रिय स्तर पर डबल्स वर्ग में पांचवा रैंक दर्ज किया। मधुबनी इंडियन पब्लिक स्कूल की निदेशिका डॉ॰ निहत रियाजी ने कहा की अयान अली के राष्ट्रिय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन से उन्हें गर्व है। तथा भविष्य में मेडल लाने की आशा करते हैं । स्कूल के प्रिंसिपल ने भी आभार प्रकट किया है। माता डॉ॰ समरीन खान तथा पिता डॉ॰ काशिफ नईम सिद्दीककी बहुत उत्साहित हैं अयान अली के प्रदर्शन पर आशीर्वाद और दुआ देते हुए कहा कि आने वाले समय मेंऔर भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे ।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत मधुबनी जिला में कई कार्यक्रमो का हुआ आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत जिले में कई कार्यक्रमो का हुआ आयोजन।
समाहरणालय से निकाली गई विशाल प्रभात फेरी।
डीआरडीए में दिलाई गई स्वच्छता शपथ।
नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन कर स्वच्छता को लेकर लोगो को किया गया जागरूक।
विभिन्न प्रखंडों एवं नगर निकायों में भी स्वभाव स्वच्छता,संस्कार स्वच्छता की थीम पर चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम ।
स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आज 1 अक्टूबर मंगलवार को प्रातः 7.30 बजे से स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता की थीम पर प्रभातफेरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। काफी संख्या में स्कूली बच्चे सहित एनसीसी, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक,अधिकारी आदि ने भाग लिया। प्रभात फेरी समाहरणालय से शुरू होकर स्टेशन होते हुए नगर भवन परिसर में समाप्त हुई।प्रभात फेरी में शामिल बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था।जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने अपने संदेश में कहा कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनीतिक आजादी ही नहीं थी बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी ।महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर मां भारती को आजाद कराया अब हमारा कर्तव्य है की गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।कार्यक्रम उप निदेशक जनसम्पर्क सह आपदा प्रभारी परिमल कुमार,प्रभारी पदाधिकारी जिला विकास शाखा हेमंत कुमार, सहित कई अधिकारी,शिक्षक आदि ने भाग लिया।।
डीडीसी दीपेश कुमार ने डीआरडीए सभागार में स्वच्छता शपथ दिलाई।
मैं शपथ लेता हूं कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा और उसके लिए समय दूंगा ।
हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा ।
मैं ना गंदगी करूंगा ना किसी और को करने दूंगा ।
सबसे पहले मैं स्वयं से मेरे परिवार से मेरे मोहल्ले से मेरे गांव से एवं मेरे कार्य स्थल से शुरूआत करूंगा ।
मैं यह मानता हूं कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और नहीं होने देते हैं ।
इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा ।
मैं आज जो शपथ ले रहा हूं वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊंगा।
वह भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दे इसके लिए प्रयास करूंगा
।मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।
उक्त शपथ डीडीसी दिपेश कुमार ने डीआरडीए सभागार में दिलाई। ---
---- ---------शिवगंगा विद्यालय, मधुबनी रेलवे स्टेशन आदि स्थानों में नुक्कड़ नाटक टीम द्वारा स्वच्छता को लेकर नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन भी किया गया।इसके अतिक्रिक्त विभिन्न प्रखंडों एवं नगर निकायों में भी स्वभाव स्वच्छता,संस्कार स्वच्छता की थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए।

डीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्वयं भ्रमण कर स्थिति का ले रहे हैं जायजा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर सिद्दीकी

बाढ़ को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में
वरीय अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर स्थिति का कर रहे हैं आकलन
बिहार के दरभंगा जिला के किरतपुर प्रखण्ड क्षेत्र के जमालपुर थानाअन्तर्गत नदी का जलस्तर बाँध के लेवल से डेढ़ से दो फिट ऊपर हो जाने से वहाँ बाँध टूट गया है।
सैलाब के पानी से तबाही का मंजर वीडियो के माध्यम से देखा जा सकता है 'बाढ़ से बिहार के दरभंगा, मधुबनी, सुपौल सहरसा,सीतामढ़ी, खगड़िया समेत कई जिला बड़ी संख्या में लोग बाढ़ से प्रभावित है '
दरभंगा जिलाधिकारी राजीव रौशन द्वारा बताया गया कि दरभंगा जिला के किरतपुर प्रखण्ड के आठ (08) पंचायत में तथा गौड़ाबौराम प्रखण्ड के एक से दो वार्ड में बाढ़ का पानी गया है।
उन्होंने कहा किरतपुर प्रखण्ड क्षेत्र के जमालपुर थानान्तर्गत नदी का जलस्तर बाँध के लेवल से डेढ़ से दो फिट ऊपर हो जाने से वहाँ बाँध टूट गया है।उन्होंने कहा की आवश्यकतानुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पॉलिथीन शिट्स वितरण करवाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है।बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक रसोई चलाने, मेडिकल टीम, पशु चिकित्सक को कैंप करने का निर्देश दिया गया है।
उन्होंने कहा कि सभी प्रकार की व्यवस्था पूर्ण कर ली गई है। जिला प्रशासन पूरी तरह अर्लट है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित प्रखण्डों में बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच वितरण हेतु ड्राई राशन/फूड पैकेट तैयार करने के लिए जिला स्तर पर सूखा राहत कोषांग बनाया गया है।
उन्होनें कहा कि सूखा राहत पैकेट में 2.50 किलोग्राम चूड़ा, 01 किलोग्राम चना, 500 ग्राम चीनी/गुड़, 01 अदद् माचीस, 6 अदद मोमबत्ती एवं 02 पैकेट ओ.आर.एस. दिया जा रहा है।
वहीं फूड पैकेट में 05 किलोग्राम चावल, 01 किलोग्राम, 02 किलोग्राम आलू, 1/2 किलोग्राम नमक तथा हल्दी का छोटा पैकेट उपलब्ध कराया जा रहा है।

बाढ़ प्रभावित छेत्र में राहत के काम जारी

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी : जिला के बेलसंड एवं रूनी सैदपुर प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सुखा राशन का वितरण किया जा रहा है।सामुदायिक किचन का संचालन किया जा रहा है और जो अभी अपने घर में फंसे हुए हैं उनके घर तक बोट के माध्यम से सुखा राशन उनको उपलब्ध कराया जा रहा है।

बिहार राज्य (अंतरजिला) विद्यालय वॉलीबॉल अंडर 19 खेल प्रतियोगिता का फाइनल मैच सोमवार शाम वाटसन स्कूल के क्रीड़ा भवन में संपन्न हुआ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो . अबु बकर

बिहार राज्य (अंतरजिला) विद्यालय वॉलीबॉल अंडर 19 खेल प्रतियोगिता का फाइनल मैच सोमवार शाम वाटसन स्कूल के क्रीड़ा भवन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बेगूसराय की टीम ने सारण को तीन एक से पराजित किया। जिला खेल पदाधिकारी नीतीश कुमार ने बताया कि खेल के आयोजन के दौरान बारिश को लेकर कुछ कठिनाइयां हुईं पर जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में समूचे आयोजन को सफलतापूर्क आयोजित कर लिया गया। उन्होंने जानकारी दी कि फाइनल से पूर्व क्वार्टरफाइनल में बेगूसराय ने मुंगेर को, सारण ने जमुई को, जहानाबाद ने भागलपुर को और मुजफ्फरपुर ने बांका को हराते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाया। पुनः फाइनल के रेस में आने के लिए सेमीफाइनल में बेगूसराय ने जहानाबाद को और सारण ने मुजफ्फरपुर को हरा दिया था।इस बार राज्य भर से सबसे अधिक 32 टीमों ने अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया।
बेगूसराय की सारण पर जीत की बधाई और चैंपियन की ट्रॉफी प्रदान करते हुए उप विकास आयुक्त दीपेश कुमार ने कहा कि हार और जीत तो किसी न किसी की होती ही है। परंतु खेल जितना चाहिए। उन्होंने दोनो ही टीमों के शानदार प्रदर्शन पर उनके जज्बे को सराहा और भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं।
अपने धन्यवाद ज्ञापन में जिला खेल पदाधिकारी ने समूचे आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारियों और संबंधित कर्मियों के प्रयास की भूरी भूरी प्रसंशा की। मौके पर संजीव कुमार सिंह, राज्य संयोजक, बॉलीबॉल, वरीय खेल शिक्षक सुनील कुमार ठाकुर, श्रीमती मीनाक्षी कुमारी, अभिषेक कुमार, वसी अख्तर, सर्वेश कुमार, नवनीत कुमार, जीतेश कुमार, रामनरेश, अजीजुल हक, आरती कुमारी, देवेंद्र पासवान, गजेंद्र कुमार, हरेराम सिंह, विनोद दत्ता सहित अन्य सहयोगी उपस्थित थे। मंच का संचालन डॉ अभिषेक कुमार ने किया।

मधुबनी जिला के पतौना थाना क्षेत्र के कटैया गांव मे पोखर से एक युवक का सव मिलने से आसपास के गांव मे सनसनी फैल गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. बेलाला की रिपोर्ट

मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड के पतौना थाना क्षेत्र के कटैया गांव मे पोखर से एक युवक का सव मिलने से आसपास के गांव मे सनसनी फैल गई मिली जानकारी के अनुसार कटैया निवासी राजा सहनी उम्र 19 वर्ष पिता कुसेश्वर सहनी के रूप मे की हैं पिछले पाँच दिन से गायब था आज सुबह गाँव के करीब एक पोखर से सव मिला बकरी चरवाहा ने देखा और इस के घर परिजनों को बुलाया इस इस की सुचना तुरंत पतौना थाना को दी थाना अध्यक्ष राज किशोर आपने दलबल के साथ घटना स्थल पहुचे मामले की जाँच मे जुट गये मिली जानकारी के अनुसार गाँव के ही नागेंद्र सहनी के पुत्री रंजना कुमारी से तीन वर्ष से प्रेम चल रहा था परिवार वालों ने नागेंद्र सहनी एवं उसकी पुत्री रंजना कुमरी पर हात्या का आरोप लगाया है थाना अध्यक्ष सव को आपने कब्जे मे ले कर पोसमार्टम के लिए सादर अस्पताल मधुबनी भेज दिया पतौना थाना के कटैया गांव के पास एक पोखर में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी है। मृतक की पहचान राजा सहनी 20, पिता कुशे सहनी के रूप में हुई है। मृतक 26 सितंबर की रात से घर से लापता था। रविवार की सुबह गांव से लगभग आधा किमी दक्षिण एक ईंट-भट्ठे के पास पोखर में शव पानी में उपलाता पाया गया।

BRIEF NEWS

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की गई जान

NAWADA : जिले में सिरदला थाना क्षेत्र के रजौली गया एस एच 70, उत्कर्ष बैंक के समीप सोमवार को खड़ी पिकअप वैन में मोटर साइकिल सवार के धक्का मार देने के कारण मोटरसाइकिल पर सवार चार युवक घायल हो गए थे। सूचना पर तुरंत पहुंची सिरदला पुलिस ने चारो युवकों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरदला ले गए।जहां उपचार के बाद दो को नवादा रेफर कर दिया गया । वहीं सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति की मौत नवादा जाने के क्रम में रास्ते में हो गई। मृतक की पहचान बबनी नगमा गांव के राहुल कुमार के रूप में हुई है। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने सोमवार रजौली- गया मुख्य मार्ग के सिरदला फूल बगान चौक पर शव रख आवागमन बाधित कर जाम कर दिया। प्रशासन से मुआवजे की मांग करने लगे।जिसके बाद सिरदला प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपेश कुमार पहुंचे।प्रशासन के समझाने-बुझाने के बाद सड़क जाम समाप्त हुआ। ग्रामीण समाज सेवी अनिल यादव ने बताया कि घर का एक कमाऊ वक्ति था। जो भरा पूरा परिवार को छोड़ कर चला गया।

उत्तर बिहार के 12 जिलों में तबाही, ऊंचे स्थानों पर शरण ले रहे लोग

बाढ़ से करीब 16 लाख की आबादी प्रभावित

AGENCY PATNA : नेपाल और बिहार में हुई बारिश से उत्तर बिहार के 12 जिलों की करीब 16 लाख आबादी प्रभावित है। हालांकि सोमवार सुबह सुपौल जिले के वीरपुर स्थित कोशी बराज के सभी 56 फाटक को बन्द कर दिया गया। जिससे लोगों को आने वाले दिनों में राहत मिलने की उम्मीद है। यह बीते चार दिनों से खुला हुआ था। बीते 24 घंटे के दौरान कोसी-सीमांचल में बाढ़ के पानी में डूबने से 06 लोगों की मौत हो गई है। कोसी बराज का फाटक खोले जाने के तीसरे दिन रविवार-सोमवार को मध्य रात्रि दरभंगा जिले में किरतपुर प्रखंड के भूभौल गांव के पास कोसी के तटबंध के टूट जाने से किरतपुर प्रखंड और घनश्यामपुर प्रखंड में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। दरभंगा जिला प्रशासन ओर से इसे रविवार देर शाम से बचाने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन पानी के दवाब को यह सह न सका और रात एक बजे टूट गया।

सुगौली थाना परिसर में घुसा बाढ़ का पानी।

उत्तर बिहार के प्रमुख नदियों में एक बागमती नदी जो उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर सीतामढ़ी शिवहर और कुछ मोतिहारी इलाके को प्रभावित करती है, वह भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। मुजफ्फरपुर का सीमावर्ती जिला शिवहर में देर रात बांध टूट जाने के कारण मुजफ्फरपुर जिले में कटरा और औराई प्रखंड के कई गांव जलमग्न हो गये हैं। बागमती नदी के कारण मुजफ्फरपुर के औराई और कटरा के साथ-साथ गायघाट प्रखंड के कई गांव सोमवार को पानी भरने के साथ ही जलमग्न हो रहा है। पानी भरने के साथ-साथ लोगों की परेशानी बढ़ गई है। लोग ऊंचे स्थानों पर शरण ले रहे हैं। मुजफ्फरपुर में के कटरा प्रखंड के बाकूची में पावर ग्रिड के अंदर भी पानी चला गया है। जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है। मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार तथा वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार ने सोमवार औराई और कटरा प्रखंड में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

कोसी-सीमांचल में डूबकर छह लोगों की मौत

कोसी-सीमांचल व आसपास के जिलों में डूबने से 6 लोगों की मौत हो गयी। अररिया में तीन लोगों की जान गयी जबकि किशनगंज में भी दो लोगों की मौत हुई है। सुपौल में जलकुंभी से पाट निकालने के दौरान युवक लापता हो गया जिसकी खोजबीन जारी है। अररिया के पलासी प्रखंड के अलग-अलग स्थानों पर बाढ़ का पानी में डूबने से 12 वर्षीय बच्ची लापता हो गयी व एक 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गयी। जबकि दो वर्षीय प्रियांशी की गहरे पानी के गड्ढे में जाने से मौत हो गई।
किशनगंज के बुडीडांगी नदी में स्नान करने के दौरान एक 16 वर्षीय युवती की डूब कर मौत हो गई है। उसकी पहचान चुरली हटिया निवासी शंकर सहनी की बेटी संगीता उम्र 16 के रूप में की गई है। सुपौल के जदिया थाना क्षेत्र के गोविंदपुर साइफन के समीप जलकुंभी से पाट निकालने के दौरान 30 वर्षीय युवक लापता हो गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि अररिया जिले के भरगामा थाना क्षेत्र के गम्हरिया निवासी योगेंद्र ऋषिदेव के 30 वर्षीय पुत्र चंदन ऋषिदेव गोबिंदपुर साइफन समीप

जलकुंभी से पाट निकालकर उसे तैयार करने गया था। जलकुंभी से पाट निकालने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया और लापता हो गया। रविवार को जेसीबी के माध्यम से जलकुंभी को हटाकर खोजबीन की जा रही है।

नौतन के कई गांव टापू में तब्दील राहत की उम्मीद में पथराई आंखें

BETHIA : गंडक बराज से नदी में छोड़े गए भारी मात्रा में पानी अब दियारा इलाके में फैलने लगा है। बेतिया के नौतन प्रखंड के शिवराजपुर में बाढ़ ने तबाही मचा दी है। शिवराजपुर पंचायत के कई वार्ड में पानी पूरी तरह से घुस गया है। गांव टापू में तब्दील हो गया है। गांव से निकलने का कोई रास्ता नहीं है। जिला प्रशासन के द्वारा ना नाव की व्यवस्था की गई है, ना ही कोई राहत की। ग्रामीण गांव में ही फंसे हुए हैं। शिवराजपुर पंचायत की आधी आबादी बाढ़ में फंसी हुई है, लेकिन अभी तक कोई भी अधिकारी उनकी सुध लेने नहीं आया। प्रशासन के द्वारा अभी तक राहत कार्य शुरू नहीं किये जाने से लोगों में आक्रोश है। एक व्यक्ति ने कहा कि चुनाव के समय जब नेता को वोट लेना होता है तो हम लोग चाचा, भइया, भाभी बन जाते हैं। वो कहते हैं कि हम उनके भाई हैं, किसी को चाचा तो किसी को भाभी कहकर बुलाते हैं। लेकिन, इस वक्त जब हमलोग फंसे हुए हैं तो किसी को भी हमारी याद नहीं आ रही है।

भागलपुर में दबंगों ने तोड़ा कला मंच, वीडियो वायरल

BHAGALPUR : जिले के सबौर थाना अंतर्गत ममलखा पंचायत के चायचक गाँव में दबंगों ने पूर्व में बनाए गए कलामंच को तोड़ दिया है। बताया जा रहा है कि दबंगों ने जमीन को अपना बनाने के चक्कर में पूरे समाज के बनाए गए कलामंच को तोड़ा है, जबकि यह जमीन गैर मजरूआ बिहार सरकार के नाम से दर्ज है। चायचक के ग्रामीणों का कहना है कि अमन कुमार पिता अनुज मंडल, ओपी मंडल पिता वासुदेव मंडल, मनोरमा देवी पति अनुज मंडल, द्रोपदी देवी पति ओपी मंडल इन सभी के हाथ में खंती और डंडा था और सभी लोग मंच तोड़ रहे थे, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सब लोग पूर्व में भी आम ग्रामीणों के साथ मारपीट करते आए हैं, जबकि यह कला मंच सामूहिक बनाया गया है। इसमें पूरे समाज के बच्चे खेलते कूदते हैं। लोगों ने बताया कि काफी दिन पहले हम लोग अपना चंदा कर 200 ट्रेलर मिट्टी भराई किए थे। ताकि यहां स्कूल बनकर हमारे बच्चों का विकास हो सके। एक पूरा परिवार इतना दबंग है कि वह अपना हमेशा तोड़फोड़ करते रहता है।

140 लीटर देसी शराब बरामद, धंधेबाज फरार

ARARIYA : सोमवार को फारबिसगंज थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर भागकोहलिया वार्ड नंबर 4 में छापेमारी कर बबलू मंडल के घर से 140 लीटर देसी शराब बरामद की। हालांकि पुलिस की छापेमारी से पहले 40 वर्षीय बबलू मंडल मौके से फरार होने में कामयाब रहा। फारबिसगंज थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि भागकोहलिया में अवैध शराब का कारोबार किया जाता है,जिसके आलोक में थाना के एसआई अमरेंद्र कुमार सिंह और राजनंदिनी सिन्हा ने पुलिस बलों के साथ छापेमारी की तो अलग अलग बर्तनों से कुल 140 लीटर देशी शराब बरामद हुआ।

मुजफ्फरपुर कोर्ट में लालू प्रसाद यादव पर परिवाद दर्ज

AGENCY MUZAFFARPUR : बिहार में इन दिनों कानून व्यवस्था को लेकर लालू परिवार लगातार एनडीए सरकार को घेर रहा है। इसी कड़ी में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव का दो दिन पहले किया गया विवादित पोस्ट उनके लिए नई मुश्किल खड़ा करता दिख रहा है। इस पोस्ट को लेकर मुजफ्फरपुर कोर्ट में लालू के खिलाफ परिवाद दर्ज कराया गया है।

अधिवक्ता सुधीर ओझा ने ये कंप्लेंट दर्ज कराई है। न्यायालय में इस मामले की सुनवाई 24 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। दो दिन पहले लालू यादव के सोशल मीडिया अकाउंट से बिहार में बलात्कार सहित कई गंभीर आरोप लगाकर सरकार पर हमला बोला गया था। इसी मामले को लेकर अधिवक्ता सुधीर ओझा ने मुजफ्फरपुर कोर्ट में कंप्लेंट दर्ज कराया है। अधिवक्ता सुधीर ओझा ने कहा कि यह एक बिहारी के साथ भद्दा मजाक है। जो

काम लालू यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से किया है, इससे वह काफी आहत हुए हैं। असल में लालू यादव ने 28 अक्टूबर को अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स से एक पोस्ट शेयर किया था। जिसमें उन्होंने बिहार की तुलना बलात्कार से कर दी थी। इस पोस्ट में उन्होंने तेजस्वी यादव के एक पोस्ट को शेयर करते हुए 32 बार 'बिहार= बलात्कार' लिखा। तेजस्वी के पोस्ट में राज्य में हुई दुष्कर्म की घटनाओं की एक पूरी लिस्ट तैयार की गई है।

शराब माफिया ने पुलिस जवान को मारी गोली

GOPALGUNJ : शराबबंदी वाले नीतीश कुमार के बिहार में शराब माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि पुलिस को भी नहीं छोड़ते। सोमवार को गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र में पुलिस टीम और शराब तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गयी। दोनों ओर से करीब दो दर्जन गोलियां चलीं, जिसमें एक होम गार्ड का जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक शराब माफिया के को भी गोली लग गयी। पुलिस ने उसे दबोच लिया। गोपालगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक पुलिस टीम ने जलालपुर इलाके में शराब तस्करों के जमावड़े के बारे में छापेमारी की। जैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची, तस्करों ने फायरिंग शुरू कर दी। बदमाशों की ओर से चलाई गई एक गोली बसंत मांझी नामक होम गार्ड जवान के पेट में लग गई और वह जमीन पर गिर पड़ा।

जो अपनी बहू का नहीं हुआ, वह बिहार का क्या होगा : अपर्णा यादव

AGENCY PATNA : बिहार में प्रशांत किशोर जन सुराज पार्टी की स्थापना कर रहे हैं, 2 अक्टूबर को पार्टी की विधिवत घोषणा होगी लेकिन उससे पहले ही जन सुराज के कार्यकर्ताओं ने राजधानी पटना की सड़कों पर कई तरह के पोस्टर लगाने शुरू कर दिए हैं। आज पटना की सड़कों पर जनसुराज ने जो पोस्टर लगाया है, वह चर्चा का विषय बना हुआ है।

जन सुराज की कार्यकर्ता अपर्णा यादव ने इस पोस्टर के माध्यम से लालू परिवार पर बेहद तीखा हमला बोला है। इस बार जन सुराज के कार्यकताओं ने पोस्टर के जरिए आरजेडी विधायक तेजप्रताप यादव और ऐश्वर्या राय के तलाक प्रकरण पर तंज कसा है। पोस्टर में लिखा गया है कि लालू प्रसाद यादव वैसे नेता हैं, जो अपनी बहू के नहीं हुए। यानी अपनी बहू को भी अपने घर

में नहीं रख पाए तो फिर वह बिहार की जनता का क्या ख्याल रखेंगे। बीते दिनों प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार पर भी निशान साधा था। वहीं आज राजधानी पटना के सड़कों पर उनके पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लालू यादव को लेकर बड़ा सा पोस्टर लगाया है। हालांकि पोस्टर में सीधे-सीधे लालू यादव का नाम नहीं है लेकिन सभी को पता है कि बार-बार बहू ऐश्वर्या राय को लेकर विपक्षी दलों के नेता लालू परिवार को टारगेट करते हैं। ऐसे में इस पोस्टर के जरिए एक बार फिर लालू परिवार पर ही निशाना साधा गया है। इस पोस्टर को लेकर राष्ट्रीय जनता दल की तरफ से किसी तरह की प्रतिक्रिया फिलहाल नहीं आई है। वैसे अब प्रशांत किशोर लालू यादव हो या नीतीश कुमार दोनों पर खुलकर बयानबाजी करने लगे हैं। साथ ही अपने कार्यकताओं को भी यह छूट दे रखी है। जिसका परिणाम आज भी दिखा है।

राजस्थान से गया जा रही बस सासाराम में दुर्घटनाग्रस्त तीन की मौत, कई घायल

PATNA : सोमवार को पिंडदान कराने के लिए राजस्थान से गया जा रही बस सासाराम में दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। घटना में तीन यात्रियों की मौके पर मौत हो गयी, जबकि कई घायल हैं। बस में सवार लोग राजस्थान के जलावर जिला के कोटरा गांव से पिंडदान करने गया जा रहे थे। इस दौरान सासाराम में चेनारी के सबराबाद में एनएच के पास खड़ी ट्रक में बस ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना में बस सवार तीन लोगों की मौत जबकि आठ महिला सहित 15 लोग बुरी तरह से घायल हो गए। घायलों को सदर अस्पताल लाया गया। मृतकों में गोवर्धन सिंह, बाला सिंह तथा राजेंद्र सिंह शामिल हैं जो राजस्थान के जलावर जिला के रहने वाले थे। घायलों की स्थिति चिंता से बाहर बताई जा रही है। मृतक तीनों आपस में रिश्तेदार हैं।

संपत्ति के लिए बेटे ने पीट पीटकर मां को मार डाला

PURNIYA : एकबार कलयुगी बेटे की करतूत सामने आयी है। जिस मां ने अपने बेटे को नौ महीने कोख में रखा और जन्म के बाद उसे पाल-पोसकर बड़ा किया। उसके एक जख्म मात्र से जिस मां को असहनीय पीड़ा हो जाती थी। जिस बेटे को उसने कभी अपने हिस्से की रोटी परोसी होगी उसी बेटे अपनी मां की हत्या कर दी। उसे पीट-पीट कर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। घटना पूर्णिया जिले की है जहां एक महिला की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसके बेटे को गिरफ्तार किया है। पूर्णिया जिले के गुलाबबाग अंतर्गत हांसदा में एक कलयुगी बेटे ने अपनी ही मां को मौत के घाट उतार दिया। मिली जानकारी के अनुसार संपत्ति के विवाद में यह घटना घटी है। युवक के सिर संपत्ति के विवाद में इस कदर खून सवार हुआ कि उसे थोड़ा भी इस बात का ख्याल नहीं रहा कि वो जिसपर प्रहार कर रहा है वो कोई और नहीं बल्कि उसकी मां है।

विदेश गए मंत्री अशोक चौधरी का शराब पार्टी करते सोशल मीडिया पर फोटो वायरल

AGENCY PATNA : बिहार में शराबबंदी है। बिहार सरकार शराबबंदी को सफल बताती है। लेकिन विपक्षी दल में शामिल नेता इसे असफल बताते हैं। तेजस्वी यादव, पप्पू यादव और प्रशांत किशोर समेत कई नेता शराबबंदी को पूरी तरह असफल बताने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। जन सुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर तो ऐलान कर चुके हैं कि अगर उनकी पार्टी की सरकार बनती है तो मात्र 15 मिनट में शराबबंदी खत्म कर देंगे।

उन्होंने कहा कि शराबबंदी के कारण बिहार को घाटा हो रहा है। इसी बीच बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस तस्वीर को देख कर लग रहा है कि शराब पार्टी हो रही है। हालांकि 'द फोटोन न्यूज' सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इस

तस्वीर की पुष्टि नहीं करता है। बिहार सरकार के मंत्री और जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौधरी की तस्वीर जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, उसमें पांच लोग बैठे दिख रहे हैं। तस्वीर देखकर प्रतीत हो रहा है कि ये पार्टी किसी होटल में चल रही है। इसमें तीन महिलायें और दो पुरूष दिखाई दे रहे हैं। सामने एक टेबल है, जिस पर शराब की बोतल रखी हुई है। हालाँकि मंत्री अशोक चौधरी के हाथ में प्लेट है और वे कुछ खाते हुए दिख रहे हैं। बता दें कि द फोटोन न्यूज इस तस्वीर की पुष्टि नहीं करता है। जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौधरी की ये तस्वीर दुबई की है। मंत्री ने अपने सोशल मीडिया पर बताया था कि उन्होंने 28 सितंबर को दुबई में प्रतिष्ठित इंडो-अरब लीडर्स समिट एंड अवार्ड समारोह में भाग लिया था। अपने पोस्ट में उन्होंने ये भी कहा था कि इस इंटरनेशनल कार्यक्रम में बिहार के सीएम नीतीश कुमार के ऐतिहासिक काम के बारे में लोगों को बताया था।

कांग्रेस ने स्मार्ट मीटर के खिलाफ खोला मोर्चा, पूरे राज्य में करेगी आंदोलन

KISHANGUNJ : बिहार में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर के खिलाफ अब कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को महावीर मार्ग स्तिथ जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में किशनगंज कांग्रेस प्रभारी सह कदवा विधायक शकील अहमद ने स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ पूरे राज्य में आंदोलन करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में बिजली के प्रीपेड स्मार्ट मीटर को लेकर प्रदेश कांग्रेस पूरे राज्य में व्यापक जन आंदोलन चलायेगी। उन्होंने कहा कि स्मार्ट बिजली मीटर योजना पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की संयुक्त महालूट योजना है। बिहार जैसे गरीब और पिछड़े राज्य में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाया जाना बिहार की जनता पर बहुत बड़ा अत्याचार है।

सड़क हादसे में एक की गई जान, दूसरा गंभीर

AGENCY SITAMARHI : सीतामढ़ी में भीषण सड़क हादसा हुआ है, जिसमें चाचा की मौके पर ही मौत हो गयी है। वहीं भतीजा की हालत गंभीर बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार परिहार थाना क्षेत्र के इनरवां मोड़ पेट्रोल पंप के समीप परिहार-परवाहा पथ पर सोमवार की दोपहर करीब दो बजे बाइक पर सवार दो युवक अनियंत्रित होकर गिर गये। बाइक से गिरने के बाद दोनों घिसटते हुए बिजली की पोल से टकरा गये। जिससे एक युवक की मौत हो गई है। वहीं दूसरा बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पुलिस ने घायल युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए पहले सीएचसी परिहार व बाद में सदर अस्पताल ले गये। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक जब्त कर ली। मृत युवक की

पहचान भगवतीपुर के ही गया साह के 29 वर्षीय पुत्र सरोज कुमार के रुप में हुई है। वहीं घायल युवक की पहचान बेला थाना क्षेत्र के भगवतीपुर रामविश्वास साह के 22 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार के रुप में हुई है। मृतक की मां इंदु देवी ने रोते बिलखते हुए बताया की मृत सरोज कुमार व जख्मी अभिषेक कुमार गांव के रिश्ते में चाचा-भतीजा लगता है। बड़ी पुत्र बीमार है। उसका इलाज कराने के लिए जमीन बेची है। दोनों परिहार रजिस्ट्री कार्यालय में रजिस्ट्री कराने आया था।

आस्था : पूर्वजों को तर्पण देने दुनियाभर से गया पहुंच रहे लोग

विदेश में भी फैल रही सनातन परंपरा

AGENCY GAYA : विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 2024 में देश-विदेश से तीर्थयात्री गयाजी आ रहे हैं। जो अपने पितरों की मोक्ष की कामना को लेकर विभिन्न पिंड वेदियों पर पिंडदान कर्मकांड कर रहे हैं। इसी क्रम में आज फल्गु नदी के तट पर स्थित देवघाट पर एक अलग नजारा देखने को मिला, जहां विश्व के विभिन्न देशों से आए लगभग 15 की संख्या में विदेशी मेहमानों ने पिंडदान कर्मकांड किया। इन्हें देखने के लिए आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। स्थानीय प्रशासन के द्वारा कड़ी सुरक्षा के बीच इन्हें पिंडदान की प्रक्रिया को संपन्न कराया गया। इस मौके पर स्थानीय पुरोहित लोकनाथ गौड़ ने

गया में पिंडदान करते विदेशी मेहमान।

बताया कि लगभग 15 की संख्या में विभिन्न देशों के मेहमान गयाजी पहुंचे हैं और देवघाट पर इन्होंने अपने पितरों कि मोक्ष प्राप्ति को लेकर पिंडदान कर्मकांड किया है। मुख्यतः ये लोग जर्मनी, कजाकिस्तान, साउथ अफ्रीका, नाइजीरिया, घाना, यूक्रेन, रूस सहित अन्य देशों से आए हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने सनातन धर्म में विश्वास जताते हुए पिंडदान कर्मकांड किया है। कई लोगों ने अपने माता-पिता, तो कई ने पुत्र व पत्नी को लेकर पिंडदान कर्मकांड किया है। सनातन धर्म में इनका विश्वास बढ़ा है।

'पितरों की मोक्ष प्राप्ति के लिए आए हैं गया'

वही नाइजीरिया देश से आए विदेशी मेहमान विष्णु ने बताया कि पिंडदान कर्मकांड करने को लेकर गया पहुंचे हैं। हमारे साथ और भी कई मित्र आए हुए हैं। गया के पिंडदान कर्मकांड के बारे में हमने सुना था। ऐसी मान्यता है कि यहां पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और इसी सोच के साथ गया पहुंचे हैं। पितरों को मोक्ष की प्राप्ति हो, इसी कामना के साथ पूरे विधि विधान से पिंडदान की प्रक्रिया को संपन्न किया गया है। ऐसा सुना था कि भगवान विष्णु ने गयासुर राक्षस के शरीर को अपने पैर से दबाया था, जिसके बाद यहां पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष लोक की प्राप्ति होती है। वैदिक शास्त्र में विश्वास करते हुए हमलोग यहां पहुंचे हैं और पितरों को मोक्ष की प्राप्ति को लेकर पिंडदान कर्मकांड किए हैं।

मुंगेर में ट्रेन की चपेट में आकर शिक्षक की मौत

MUNGER : जिले के बरियारपुर-सुल्तानगंज रेल मार्ग पर सोमवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे में एक शिक्षककई ट्रेन से कटकर मौत हो गई। मृतक की पहचान बरियारपुर बस्ती निवासी शंकर कुमार के रूप में हुई है, जो अनुसूचित जाति मध्य विद्यालय कल्याण टोला में शिक्षक थे। यह घटना कल्याणपुर रेलवे स्टेशन के डॉउन प्लेटफॉर्म के पास उस वक्त हुई जब शंकर कुमार मुजफ्फरपुर इंटर सिटी एक्सप्रेस से भागलपुर जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर भेज दिया। बताया जा रहा है कि शिक्षक का परिवार भागलपुर में रहता है। वह अपने परिवार से मिलने के लिए सोमवार की सुबह ट्रेन से भागलपुर जा रहे थे।

बिहार में राजद के गुंडे कर रहे अपराध तेजस्वी यादव दें ध्यान : नित्यानंद राय

AGENCY PATNA : बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार नीतीश सरकार पर निशाना साध रहे हैं। इस पर केंद्रीय गृह मंत्री नित्यानंद राय ने तेजस्वी यादव पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने कहा कि राजद से जुड़े अपराधी और गुंडे ही बिहार के अपराध बढ़ा रहे हैं। तेजस्वी यादव को अपने राजद से जुड़े अपराधी और गुंडे पर लगाम लगानी चाहिए। इससे अपने आप बिहार में अपराध काफी कम हो जाएगा।

बिहार सरकार अपराधियों और अपराध को लेकर काफी शख्त है। किसी भी अपराधी को छोड़ा नहीं जाएगा। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के जमाने में अपराधियों का संरक्षण मिलता था।

आज किसी भी अपराधी को संरक्षण नहीं सजा मिलती है। उन्होंने कहा की राज्य को सरकार अपराधी को पकड़ भी रही है और सजा भी दे रही है। पहले का राज नहीं है। नित्यानंद राय ने कहा की बिहार के कई जिलों के बाढ़ है और बाढ़ प्रभावित क्षेत्र को लेकर मुख्यमंत्री लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अधिकारी सभी जगह मुस्तैद होकर बाढ़ पीड़ितों को मदद कर रहे है। राजद के लोग कुछ बोले कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि जनता ने लालू राज के बाढ़ घोटाला को देखा है। वो घोटाला अब इस राज में नहीं होने वाला है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि राजद के लोग बरसों से बाढ़ राहत की लूट करते थे।अगर आज बाढ़ के राहत सामग्री को लेकर कुछ बोल रहे है तो उनको यह शोभा नहीं देता है।

चिड़ियाघर में बनेगा पत्थर का पहाड़..बाड़ों के सामने होगा 'सेल्फी प्वाइंट'- लम्हें संजो सकेंगे

गोरखपुर। यूं तो चिड़ियाघर में दर्शकों को सेल्फी लेने के लिए बहुत सारे स्थान हैं। लेकिन अब कुछ बाड़ों के सामने सेल्फी प्वॉइंट और पत्थर के छोटे पहाड़ बनाए जाएंगे। यहां पर सेल्फी लेकर वह अपनी यात्रा को और भी यादगार बना सकते हैं। इसके लिए चिड़ियाघर प्रबंधन फिलहाल स्थानों को चिन्हित कर रहा है जहां पर इसे बनाया जाएगा।

शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान में पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। गोरखपुर के साथ ही आसपास के जिलों से भी पर्यटक आते हैं। पर्यटकों के लिए इस यात्रा को यादगार बनाने के लिए चिड़ियाघर में पत्थरों के छोटे-छोटे पहाड़ बनाए जाएंगे, जहां वह सेल्फी ले सकेंगे। इसके लिए चिड़ियाघर प्रबंधन योजना बना रहा है।

यूं तो चिड़ियाघर में दर्शकों को सेल्फी लेने के लिए बहुत सारे स्थान हैं। लेकिन अब कुछ बाड़ों के सामने सेल्फी प्वॉइंट और पत्थर के छोटे पहाड़ बनाए जाएंगे। यहां पर सेल्फी लेकर वह अपनी यात्रा को और भी यादगार बना सकते हैं। इसके लिए चिड़ियाघर प्रबंधन फिलहाल स्थानों को चिन्हित कर रहा है जहां पर इसे बनाया जाएगा।

परिसर में बनेंगे शेड

चिड़ियाघर परिसर में लगे पौधे अभी छोटे हैं। दर्शकों को धूप से बचाने के लिए शेड लगाए गए हैं लेकिन यह भी अभी कम हैं। ऐसे में परिसर में कुछ स्थानों पर और भी शेड लगाए जाएंगे ताकि चिड़ियाघर में आने वाले पर्यटक तेज धूप में भी आराम से वन्यजीवों को देख सकें और उनको कोई परेशानी न हो।

निदेशक चिड़ियाघर विकास यादव ने बताया कि चिड़ियाघर में पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाने के लिए कुछ जगहों पर सेल्फी प्वॉइंट बनाने की योजना है। इसके साथ ही धूप से बचाव के लिए नए शेड बनाए जाएंगे।

गोरखपुर में सीएम योगी ने कही 200 लोगों की शिकायत, कहा- 'जल्द निस्तारित हो जाएगा', बच्चों पर लुटाया प्यार

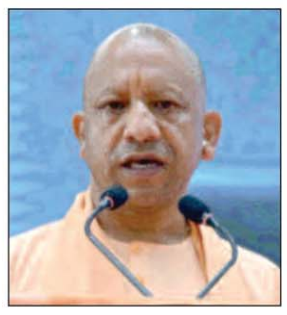

गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन सोमवार को भी लोगों से मुलाकात और उनकी समस्या के समाधान का सिलसिला जारी रखा।

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी पीड़ित व्यक्ति की समस्या के समाधान में देरी नही होनी चाहिए।

अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे जल्द से जल्द जनता की समस्याओं का समाधान करें। सोमवार को सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की।

कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद जाकर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। सीएम योगी ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

हर समस्या का निस्तारण अवश्य कराया जाएगा। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कुछ प्रकरणों पर उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि यह भी पता लगाएं कि यदि किसी को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला है तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। हर पीड़ित की त्वरित मदद की जाए।

उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया। साथ ही पारिवारिक विवादों का निस्तारण आपसी सामंजस्य के आधार पर करने का प्रयास करने को कहा।

मंदिर की गोशाला में सीएम योगी ने की गोसेवा सोमवार प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन करने और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेकने के बाद मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर की गोशाला में पहुंचे।

यहां उन्होंने गोसेवा करते हुए गोवंश को अपने हाथों से गुड़ खिलाया। सीएम योगी ने गोशाला के कार्यकताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान परिजनों के साथ आए बच्चों को अपने पास बुलाकर उन्हें प्यार-दुलार दिया। बच्चों से बेहद आत्मीय तरीके से संवाद करने के साथ सीएम ने उनसे ठिठोली भी की। सबके माथे पर हाथ फेरकर आशीर्वाद दिया और हमेशा की तरह उन्होंने बच्चों को चॉकलेट गिफ्ट किया।

पहला पेज का शेष

रोजगार उपलब्ध कराने ...

श्रम विभाग के माध्यम से राज्य में खुलेंगे श्रम आवासीय स्कूल, विशेष कर गरीब व मजदूर वर्ग के बच्चों को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के नौजवानों की मार्ग प्रशस्त करने के हेतु निरंतर कार्य कर रही है। राज्य के युवा पीढ़ी कैसे मजबूत हो, इसके प्रति सरकार प्रतिबद्ध है। अब हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि श्रम विभाग के माध्यम से राज्य के सभी जिला में श्रम स्कूल खोला जाएगा। राज्य के सभी जिलों में गरीब व मजदूर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाएगी।

शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में ध्यान केंद्रित कर प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहें : मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गठन के बाद हमारी सरकार की प्राथमिकता रही है कि किस प्रकार शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में आगे बढ़ सके। इसी के मद्देनज़र हमने प्रदेश के सभी जिलों में उत्कृष्ट विद्यालय खोले। ताकि राज्य के गरीब, मजदूर व किसान के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड के नौजवानों को सरकारी एवं निजी क्षेत्रों मे रोजगार उपलब्ध कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री ने जॉब ऑफर लेटर प्राप्त करने वाले नौजवानों से कहा कि आज आपसभी का यह पहला पड़ाव है। आने वाले समय में आप एक बड़ा लक्ष्य और उद्देश्य के साथ तेज गति से आगे बढ़ते हुए लम्बा छलांग लगाने में जरूर कामयाब होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे राज्य के बहुत से नौजवानों ने निजी क्षेत्र की कंपनियों में 20 से 25 हजार रुपए की सैलरी से काम करना शुरू किया था, आज वही नौजवान लाखों रुपए की सैलरी में देश-विदेश की कई जाने-माने कंपनियों में विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यवस्थाओं को इस प्रकार सुदृढ़ और मजबूत बनाया जाए कि बदलते वक्त के अनुसार गरीब, मजदूर, किसान सभी वर्ग समुदाय के बच्चे भी कदम से कदम मिलाकर चल सकें, इस निमित्त हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

रोजगार उपलब्ध कराने का निरंतर हुआ है प्रयास : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के माध्यम से लोगों को ऋण उपलब्ध कराकर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार से जोड़ने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार खेती-बाड़ी की नई और आधुनिक तकनीक को बढ़ावा दे रही है ताकि पढ़े लिखे नौजवान भी खेती से जुड़कर आय का स्रोत ढूंढ़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार के क्षेत्र में बेहतर प्रयास करते हुए लोगों को निरंतर रोजगार के कई योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया गया है।मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने जॉब ऑफर लेटर प्राप्त करने वाले युवक-युवतियों से कहा कि आप सभी के लिए आज अपने परिजनों के साथ खुशी मनाने का दिन है। निश्चित रूप से आपके घर में आज मुस्कान आएगी। इस ऐतिहासिक क्षण के लिए आप सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएं और जोहार। इस कार्यक्रम में मंत्री सत्यानन्द भोक्ता, मंत्री इरफ़ान अंसारी, विधायक मथुरा प्रसाद महतो, विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, पूर्व विधायक फूलचंद मंडल, अपर सचिव, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग सुनील कुमार, श्रमायुक्त संजीव कुमार बेसरा, झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के निदेशक शैलेन्द्र कुमार लाल, नवरिस के सीईओ मिस. तकाको ओशिबुचि, नवरिस के एमडी संबंधन राजकुमार , ईएफसी ग्लोबल फेसिलिटीज से मिस श्रुति कार्तिक के अलावा जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद रहें।

झारखंड में परिवर्तन...

असम की माताओं को हमने बैंक में पैसा देना शुरू किया है। तीन महीने से हमने 1,250 रुपये देना शुरू किया है।उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन जी की सरकार अब जाने वाली है, और अब उन्होंने 'मंइयां योजना' शुरू की है। अगर आपको शादी करनी थी, तो यह काम आपको अपनी युवा अवस्था में ही करना चाहिए था। अब शादी करके क्या फायदा? उन्होंने 'मंइयां योजना' का ऐलान किया है, जिसमें एक महीने का 1,000 रुपये दिया जा रहा है। आप लोग देखिए, जहां भी जाइए, मंइयां योजना के तहत इतनी धोखेबाज सरकार कहीं नहीं देखी होगी। हम 'गोगो दीदी योजना' लेकर आ रहे हैं, और यह मोदी जी की गारंटी है। झारखंड के युवाओं को नेपाल ले जाकर परीक्षा के पेपर बांट दिए जाते हैं, और फिर परीक्षा देने आते हैं। यह सरकार कुछ नही कर रही है, बस अपने लिए काम कर रही है। इस सरकार ने कहा था कि बालू मुफ्त में देंगे, लेकिन क्या किसी को बालू मुफ्त में मिला है? उन्होंने कहा कि संथाल में घुसपैठिए भर चुके हैं। हेमंत सोरेन कहते हैं कि घुसपैठिए नहीं हैं, तो आपके दामाद कौन हैं? एक बार झारखंड में भाजपा को आने दीजिए, ये लोग कानून के साथ धक्का देकर भगा दिए जाएंगे। यह झारखंड आदिवासियों का है, घुसपैठियों का नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और जेएमएम एक हैं। हेमंत सरकार आवास बनाने के लिए अवसर नहीं देती। हमारी सरकार बनने पर मैं 5 लाख आवास देने का वादा करता हूं।उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले उत्पाद सिपाही की दौड़ शुरू हुई, जिसमें 18 युवाओं की मौत हो गई। सरकार का दायित्व बनता है कि जिन युवाओं का निधन हुआ है, उनके परिवार के सदस्यों को नौकरी मिलनी चाहिए। सरकार अपने बारे में दिनभर बोलती रहती है। मियां-बीबी एक-दूसरे के बारे में बातें करते हैं, जैसे कोई सिनेमा चल रहा हो—"मैं हूं, तुम हो, एक-दूसरे के लिए।" यह स्थिति केवल कल्पना की सिनेमा बनकर रह गई है। जो-जो वादे किए गए थे, उनके बारे में भी कुछ बोलें।

उड़िया भाषा को विलुप्त...

दीदी योजना के तहत झारखंड में डबल इंजन सरकार बनते ही खाते में 21सौ रुपये जाएंगे.

झूठों का पुलिंदा है गठबंधन सरकार- मधु कोड़ा

झारखंड के पूर्व सीएम मधु कोड़ा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड का कोल्हान वीरों की धरती है. यहा के लोग रंग और रण दोनों में कुशल हैं. अपने चुनावी घोषणा पत्र मे किये गये वादे भी नहीं निभा सका, उस सरकार से और क्या भरोसा किया जा सकता है. वो खुद जीतने के लिये नहीं बल्कि कोड़ा दंपती को हराने के लिये चुनाव लड़ रहे हैं. ऐसी पार्टी से और क्या उम्मीद की जाए. झामुमो का दूसरा नाम झूठों का पुलिंदा है. यहां के उड़िया स्कूलों के शिक्षकों को एक पैसा नहीं देते हैं. मधु कोड़ा ने ओडिशा के मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने यहां के उड़िया शिक्षकों का पेट भरने का काम किया है.

कल्पना सोरेन का विधानसभा क्षेत्र महिला अत्याचार में अव्वल- गीता कोड़ा

बीजेपी नेता गीता कोड़ा ने कहा कि जनता के हाथ में बहुत ताकत है, चाहे तो किसी को भी अर्श से फर्श तक ले आती है. हेमंत सरकार हर मोर्चे पर फेल साबित हुआ है. जनता को हमेशा से धोखा दिया है. हेमंत सरकार में एक काम हुआ है कि उन्होंने घुसपैठियों को पनाह दी है. घुसपैठियों को जगह देकर अपने झारखंडियों को छला है. हेमंत सरकार की चार साल की उपलब्धि कुछ नहीं है. गीता कोड़ा ने कहा कि अब जब चुनाव सामने है तो हेमंत सरकार मंईयां सम्मान योजना का स्वांग रच रही है. महिलाओं पर काफी अत्याचार हुआ है वो हेमंत सरकार मे हुआ है. गिरिडीह जिला राज्य में महिलाओं पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुआ है. जहां से मुख्यमंत्री की धर्म पत्नी कल्पना सोरेन विधायक हैं.इसके अलावा बीजेपी नेता दिनेशानंद गोस्वामी ने घुसपैठ के मुद्दे पर हेमंत सरकार को घेरा है. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार चोरों और घुसपैठियों का पर्याय बन गयी है. झारखंड की जनता अब परिवर्तन के लिये आतुर है. ये सरकार चोरों, घुसपेठियों और ठगबाजों की है, हेमंत सरकार मजबूत नहीं मजबूर सरकार है. इन नेताओं के अलावा कोल्हान के बिजय मेलगांडी, राई भूमिज, संजय पांडे, शैलेंद्र कुमार सिंह, लक्ष्मण टुडु, चंद्र मोहन गोप, शंभू हाजरा ने भी सभा को संबोधित कर हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा.

जिलाधिकारी ने खेत में जाकर की फसल की कटाई

हमीरपुर। शासन के निदेर्शानुसार कृषि उपज के अनुमानों का आकलन करने के साथ ही उत्पादकता के आँकड़ों के संकलन के लिये मुख्यालय के कुछेछा स्थित राजाराम पुत्र गजराम के तिल के खेत गाटा संख्या 40 में जाकर किसान की मौजूदगी में खुद हंसिये से फसल की कटाई की। जबकि क्राप कटिंग प्रयोग सीसीई एग्री- एप के जरिये सम्पन्न कराया गया।

इस मौके पर जिलाधिकारी ने किसान से कृषि कार्यों के बारे में जानकारी ली, साथ ही जिलाधिकारी ने किसानों को साल में एक से ज्यादा फसल लेने के लिये प्रोत्साहित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में किसान बन्धु एक से ज्यादा फसल कैसे पैदा कर सकते हैं,

इसके लिए कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र ,उद्यान विभाग सहित अन्य विभागों के जरिये रणनीति बनाई जाय। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे सुरेश कुमार ,तहसीलदार हमीरपुर अनुभव चंद्रा, सहायक सांख्यकीय अधिकारी सहित राजस्व निरीक्षक, क्षेत्रीय लेखपाल किसान मौजूद रहे।

विधायक कॉल करें तो जी सर भाजपा मंडल अध्यक्ष को भाई साहब बोलिए

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के उद्यान विभाग के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह का अजीबो-गरीब फरमान सामने आया है। उन्होंने कहा कि कुशीनगर मंडल में अब से डीएम और एसपी किसी भी जनप्रतिनिधि के फोन को नजरअंदाज नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर किसी विधायक का इन अधिकारियों के पास फोन जाता है तो एसपी हो या डीएम उन्हें 'जी सर' ही कहना पड़ेगा। साथ ही कुशीनगर में इखढ मंडल अध्यक्ष के क्षेत्र में जितने भी थाना, तहसील, रऊट, तहसीलदार आते हैं, उन्हें अपने मोबाइल में मंडल अध्यक्ष का मोबाइल नंबर सेव करना होगा।

कुशीनगर के प्रभारी मंत्री बनाए गए हैं दिनेश प्रताप सिंह उद्यान विभाग के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह का ये बयान सुर्खियों में है। बता दें, दिनेश प्रताप सिंह को कुशीनगर का प्रभारी मंत्री भी बनाया गया है। इसी सिलसिले में मंत्री कुशीनगर दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। शुक्रवार को कुशीनगर में स्थित बीजेपी कार्यालय में संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक करने पहुंचे थे। जिसमें मंडल के सभी सांसद और विधायकों ने हिस्सा लिया था। इस दौरान दिनेश प्रताप सिंह ने ये बयान दिया।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा- डीएम, एसपी, एडीएम के मोबाइल फोन में भी बीजेपी जिला संगठन के सभी पदाधिकारियों का नंबर सेव होगा। अगर भाजपा का कोई पदाधिकारी फोन करेगा तो उसे फोन उठाना पड़ेगा। यही नहीं अधिकारियों को फोन उठाने के बाद भाई साहब! या 'जी सर' ही बोलना पड़ेगा। साथ ही विधायकों को भी सम्मान देना पड़ेगा। विधायकों को 'जी सर' कहना डीएम की जिम्मेदारी है। यह उनका काम भी है। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने आगे कहा, ये कोई बड़ी बात नहीं है। जब हमारे देश के प्रधानमंत्री मंडल अध्यक्ष को 'जी भाई साहब' बोलते हैं, तो फिर डीएम क्यों नहीं 'जी भाई साहब' बोल सकते हैं बता दें, मंत्री के इस फरमान को इसलिए भी अहम माना जा रहा है कि पिछले दिनों लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार के बाद कई विधायकों और पदाधिकारियों ने अधिकारियों पर उनकी अनदेखी का आरोप लगाया था। उन्होंने बताया कि अधिकारी उनकी बात नहीं सुनते। जिसकी वजह से पार्टी को चुनाव में नुकसान उठाना पड़ा। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह कांग्रेस से 2010 में पहली बार और 2016 में दूसरी बार विधान परिषद सदस्य बने थे। 2018 में उन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्हें रायबरेली से सोनिया गांधी के खिलाफ मैदान में उतारा था। दिनेश ने पूरी ताकत से चुनाव लड़ा था। उनकी उम्मीदवारी की वजह से सोनिया गांधी के वोटों का ग्राफ काफी नीचे आ गया था। 2022 में वह भाजपा के टिकट पर रिकॉर्ड मतों से जीतकर तीसरी बार एमएलसी बने। दिनेश प्रताप सिंह का परिवार रायबरेली में पंचवटी नाम के आवास में रहता है। पिछले करीब एक दशक से उनका परिवार रायबरेली की राजनीति के केंद्र में है।

व्यवसायिक शिक्षकों ने मांगा पूर्ण कालिक शिक्षक का दर्जा

कुशीनगर। फाजिलनगर कस्बे के एक निजी विद्यालय में जिले के व्यवसायिक शिक्षकों की बैठक हुई जिसमें शिक्षकों को नियमित करने की मांग सहित अन्य समस्याओं पर चर्चा हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए संगठन के जिलाध्यक्ष संजय दिवेदी ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत एनसीएफ - 2023 अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव करने की योजना है जिसमें व्यावसायिक शिक्षा के पाठ्यक्रमों की बोर्ड परीक्षा के उत्तर पुस्तिकाओं के आंतरिक मूल्यांकन किया जाना प्रस्तावित है, जिससे इन विषयों के महत्व और उनके गुणवत्ता में ह्रास की संभावना बलवती होती है। जिसका यह संगठन पुरजोर विरोध करता है।

इसके चलते ट्रेड शिक्षा के प्रति छात्र छात्राओं की रूचि और आकर्षण में कमी आएगी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए राजेश तिवारी ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा योजना का बजट आयोजनेत्तर मद से राज्य सरकार द्वारा जारी किए जाने के बाद भी इतने लंबे कालखंड से अतिथि शिक्षक व्यवस्था को कायम रखते हुए मात्र नौ व दस महीने के मानदेय पर काम लिया जाता है जिसे पूर्णकालिक शिक्षक व्यवस्था को लागू किए जाना जरूरी है। बैठक को जिला महामंत्री पीपी मिश्रा, मनंजय तिवारी ने सम्बोधित किया।

संचालन हरेंद्र गुप्त और शैलेश कुमार तिवारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

वरिष्ठ शिक्षक विनोद पांडेय नें सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस दौरान राजेश उपाध्याय, सुधीर तिवारी, रत्नाकर दूबे, उमेश यादव, अनिरुद्ध कुशवाहा, सुमन द्विवेदी, सिम्पल उपाध्याय आदि व्यावसायिक शिक्षक शिक्षिका मौजूद रहे।

आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित भाषण प्रतिगिता में बासु प्रथम

कुशीनगर। आत्मनिर्भर होने का तात्पर्य है अपनी आवश्यकताओं और आकांक्षाओं की पूर्ति स्वयं करने में सक्षम होना। एक राष्ट्र के रूप में आत्मनिर्भर होने पर हम सुरक्षा, खाद्यान, तकनीकी, कौशल, कृषि, उद्योग, चिकित्सा, शिक्षा और संचार के साधनों की दृष्टि से आत्मनिर्भर होना।

उपरोक्त बातें स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित भाषण प्रतिगिता कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने कही। निर्णायक मंडल का नेतृत्व कर रहे डॉ शंभू दयाल कुशवाहा ने कहा कि आत्मनिर्भर बनने का आशय है निर्णय लेने की स्वतंत्रता। आत्मनिर्भर हुए बिना हम लोग शक्तिशाली राष्ट्रों की श्रेणी में नहीं आ सकते। भारत को अगर अपने गौरवशाली अतीत की तरह समर्थ समर्थ राष्ट्र के रूप में विश्व का नेतृत्व करना है तो उसे आत्मनिर्भर बनना पड़ेगा। आपने बताया कि प्रथम दृष्टया वसुधैव कुटुंबकम् और आत्मनिर्भरता की अवधारणा दोनो विरोधी प्रतीत होते हैं लेकिन वास्तव में ऐसा है नहीं। व्यापक संदर्भ में दोनो एक दुसरे के पूरक हैं। प्रतियोगिता में नेहा यादव, गार्गी डाली, बासु गोंड, खुशबू खातून, आरती गुप्ता, अमृता कुमारी, रुबीना खातून, अनीषा सिंह जतिन शुक्ल और नेहा यादव द्वितीय ने अपने विचार रखे। निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ शंभू दयाल कुशवाहा ने विजेताओं के नाम की घोषणा की। इसमें बासु गोंड प्रथम, नेहा यादव पुत्री बाबूलाल यादव द्वितीय, नेहा यादव पुत्री मुन्ना यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संचालन डॉ. निगम मौर्य और आभार ज्ञापन डॉ पारस नाथ ने किया। इस अवसर पर गुआक्ता महामंत्री डॉ निरंकार राम त्रिपाठी, डॉ राकेश कुमार सोनकर समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

ED ने सिद्धारमैया के...

ईडी अपनी प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) में सिद्धरमैया के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराएं लगाई गई हैं। इससे पहले सूत्रों ने बताया था कि संघीय एजेंसी लोकायुक्त पुलिस की प्राथमिकी का अध्ययन कर रही है। प्रक्रिया के अनुसार, ईडी को पूछताछ के लिए आरोपियों को बुलाने और यहां तक कि जांच के दौरान उनकी संपत्ति कुर्क करने का अधिकार है। सिद्धरमैया (76) ने पिछले हफ्ते कहा था कि उन्हें एमयूडीए मामले में निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि विपक्ष उनसे 'डरा हुआ' है। उन्होंने यह भी कहा कि यह उनके खिलाफ पहला ऐसा 'राजनीतिक मामला' है।उन्होंने यह भी दोहराया कि मामले में उनके खिलाफ अदालत द्वारा जांच के आदेश दिए जाने के बाद भी वह इस्तीफा नहीं देंगे क्योंकि उन्होंने कुछ गलत काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि वह कानूनी रूप से मुकदमा लड़ेंगे। एमयूडीए ने मुख्यमंत्री की पत्नी की संपत्ति का 'अधिग्रहण' किया था और इसके कथित मुआवजे के तौर पर मैसूरु के पौश इलाके में भूखंड आवंटित किए थे।

झारखंड में बढ़ रहा ...

हेमंत सोरेन जी, अब कोई आपको कुछ कहे या न कहे, लेकिन बदलाव होकर रहेगा। जिसने घपला किया है, उसे जेल जाना पड़ेगा। हेमंत सोरेन की सरकार ने झारखंड की जनता की भावनाओं को आहत किया है, और इसके लिए जनता गठबंधन सरकार को कभी माफ नही करेगी। हेमंत सरकार के दौरान 300 करोड़ का भूमि घोटाला और 100 करोड़ का खनिज घोटाला हुआ। गठबंधन सरकार के एक नेता के घर से अवैध राशि मिलने पर सीएम यादव ने सवाल उठाते हुए कहा, ₹किस सांसद के घर से 300 करोड़ मिले थे?₹ ऐसे नेताओं को डूब मरना चाहिए, जब उनके नौकर के घर से करोड़ों रुपए बरामद हो रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, ₹सीमा पर जवान और खेत में किसान—मोदी जी ने जो कहा था, उसे पूरे देश और दुनिया में करके दिखाया है। इस बार झारखंड में अगर सरकार बनेगी, तो सिर्फ भाजपा की बनेगी।₹ परिवर्तन यात्रा में आई परेशानियों पर सीएम यादव ने कहा, ₹पूरी यात्रा के दौरान बारिश होती रही, फिर भी हमारे मतदाताओं का विश्वास कम नहीं हुआ। भाजपा हर कार्यकर्ता का ध्यान रखती है, और अगर मुझ जैसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला, तो वह देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की बदौलत मिला।उन्होंने हेमंत सरकार पर हमला करते हुए कहा,इस सरकार ने जल, जंगल, और जमीन को लूटने का काम किया है।

मानसून में घर की दीवारों में आ जाती है नमी, तो आज से ही करें ये काम

मानसून आते ही मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है, जिसके कारण घर की दीवारों का पेंट फूलने लगता है। इससे न सिर्फ दीवारें खराब होती है बल्कि इससे सटाकर रखी गई सामान भी बेकार हो जाती है।

मानसून का मौसम जल्द ही दस्तक देने वाला है। ऐसे में मौसम तो काफी सुहाना रहता है लेकिन इस दौरान अक्सर घरों में सीलन आने लगती है। दीवार पर मौजूद नमी धीरे-धीरे इससे सटे हुए सामान जैसे अलमारी, बेड आदि को खराब कर देता है। दरअसल, बारिश के मौसम में नमी का स्तर काफी बढ़ जाता है। ऐसे में घर की दीवारों को खास देखभाल करने की जरूरत होती है। ह्यूमिडिटी बढ़ने के कारण वॉल पर फफूंद के निशान और अजीब से दुर्गंध आने लगती है। अगर आप इस मानसून घर की दीवारों को खराब होने से बचाना चाहती है तो आज ही कर लें ये काम।

वाटरप्रूफ पेंट का करें इस्तेमाल

घर को सुंदर दिखाने में पेंट का अहम रोल होता है। ऐसे में पेंट करवाते समय वाटरप्रूफ कलर का इस्तेमाल करें। इस तरह से आप एक साथ दो काम कर सकते हैं पहला घर लंबे समय तक सुंदर और दूसरा बरसात से घर को सुरक्षित।

प्लम्बर से नल को कराएं चेक

घर में लगे पानी के टैप को समय-समय पर चेक करें। बारिश का पानी के बजाय कई बार पाइप कनेक्शन से रिसने वाले पानी के कारण दीवार में नमी आती है। ऐसे में दीवार में आने वाली नमी के कारण पेंट फूल कर गिरने लगता है, जिससे गंदगी और स्मेल दोनों बढ़ जाती है।

वेंटिलेशन का रखें ध्यान

बारिश होने के बाद घर की खिड़कियों को जरूर खोल दें। हल्की धूप निकलने पर घर के कपड़े से लेकर मैट परदे आदि को धूप दिखाएं। वेंटिलेशन का खास ख्याल रखें ऐसा करने से आप दीवारों को नमी से कुछ हद तक बचा सकते हैं।

पानी को निकलने वाली जगह को रखें क्लीन

घर में जहां पर पानी निकलने का सोर्स है उस जगह को हमेशा साफ रखें। कई बार नाली में जमी गंदगी व कचरे के कारण बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पाता। पानी एकत्र होने के कारण दीवार की मदद से वह ऊपर चढ़ने लगता है।

सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में घर की सफाई रखनी जरूरी होती है। खासतौर इसकी जरूरत बारिश में ज्यादा हो जाती है क्योंकि इस दौरान नमी की वजह घर से स्मेल आने लगती है।

मानसून के मौसम में इन हैक्स की मदद से करें सफाई

क्लीन और स्मेल फ्री रहेगा घर

मानसून और बारिश में घर को साफ-सुथरा रखना किसी चैलेंज से कम नहीं होता। बारिश के कारण घर में 24 घंटे नमी बनी रहती है जिसकी वजह से लकड़ी के फर्नीचर और कपड़ों में स्मेल और दीमक लगने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं बाहर से आने पर घर में पानी के साथ-साथ कीचड़-मिट्टी हो जाता है। हालांकि सही क्लीनिंग हैक्स की मदद से इससे निजात पा सकती हैं। इन हैक्स को अपनाकर आप कम मेहनत में अपने घर को क्लीन और स्मेल फ्री रख सकती हैं।

बारिश में घर को साफ करने के लिए अपनाएं ये हैक्स

आमतौर पर बारिश के मौसम में सफाई का काम कई गुना बढ़ जाता है। इस समय कम धूप और ज्यादातर बारिश होती रहती है जिसके कारण से सीलन और चिपचिपाहट बनी रहती है। बेशक ही तेज हवा और बारिश गर्मी से आराम दिलाता है लेकिन काम बढ़ा देता है। इस दौरान न सिर्फ कीचड़ घर के अंदर आता है बल्कि कीड़े-मकोड़े भी बढ़ जाते हैं।

पानी सोखने वाले डोरमैट का करें इस्तेमाल

डोरमैट का इस्तेमाल हम सभी पैरों और जूतों पर लगी मिट्टी को साफ करने के लिए करते हैं। इस मौसम में घर के दरवाजे पर ऐसा डोरमैट बिछाए जो पानी और गंदगी को आसानी से सोख लें। आज के समय लोग बाजार में मिलने वाले फैशनेबल मैट का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें पानी और गंदगी को साफ करना आसान तो होता है लेकिन इन्हें साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है। बारिश में हल्का और नमी सोखने वाला डोरमैट इस्तेमाल करें। आप चाहें तो इसे घर पर पुराने कपड़े की मदद से बना सकती हैं। पायदान को दूसरे व तीसरे दिन में धोकर सुखा दें।

घर के अंदर आने वाले पानी को रोके

बारिश में घरों में सीलन आने की समस्या काफी आम बात है। लेकिन इससे होने वाली दिक्कत हर किसी को परेशान करती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले सीलन की समस्या का उपाय खोज लें। इसके लिए घर में बनी नालियों को साफ करें। दीवारों पर वाटरप्रूफ पेंट करें। दरार वाली जगहों को चेक कर सही कराएं।

अलमारी को बारिश से पहले करें साफ

वैसे तो हर मौसम में अपनी अलमारी को साफ करना जरूरी है। लेकिन अगर आपने अलमारी को दीवार से चिपकाकर रखा है तो उसकी नमी कपड़ों तक पहुंच जाती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले अलमारी को दीवार से हटाएं। इसके बाद अलमारी के अंदर बनी रैक पर पेपर बिछाकर कपड़ों को सही से व्यवस्थित करें। नमी आने के कारण अक्सर कपड़े बदबू करने लगते हैं। ऐसे में आप कपूर, दालचीनी और नीम की पत्तियों को बांधकर इसके बीच में रखें। ये सामग्री नमी को सोखने का काम कर उन्हें सुरक्षित रखता है।

बरसाती कीड़ों से पाना है छुटकारा तो ऐसे करें घर की सफाई

बारिश के मौसम में बरसाती कीड़े के साथ ही घर में चीटी और काकरोच जैसी चीजें भी आने लगती है। ऐसे में अगर घर में छोटे बच्चे हैं तो आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। बारिश के मौसम में घर की सफाई करने के लिए आपको कुछ आसान हैक्स की मदद लेनी चाहिए।

दरार और छेद को बंद करें

घर की दीवारों, दरवाजों और खिड़कियों में मौजूद दरारों और छेदों को सीलेंट या प्लास्टर से बंद करें ताकि कीड़े घर के अंदर न आ सकें। ध्यान रखें कि मानसून के दिनों में घर की सफाई सही तरीके से करना चाहिए।

कूड़ेदान को साफ रखें

कूड़ेदान को रोजाना साफ करना चाहिए। अगर आप डेली कूड़ेदान को साफ नहीं करती हैं तो उसमें कीड़े लगने लगते है। कचरे को समय-समय पर बाहर निकालें। साथ ही आपको कूड़ेदान को भी धोते रहना चाहिए।

घर में जाली लगाएं

खिड़कियों और दरवाजों पर मानसून के महीने में जाली लगाएं ताकि कीड़े अंदर न आ सकें। साथ ही आपको रोजाना अपने घर को शाम के समय पोछा लगाना होगा।

गंदे बर्तन न छोड़ें

खाना खाने के बाद बर्तनों को तुरंत साफ करें। गंदे बर्तन लंबे समय तक छोड़ने के कारण बर्तन में कीड़े लगने लगते हैं। ऐसे में आपको ध्यान रखना है कि रात के समय भूलकर भी बर्तन को बेसिन में ना छोड़े।

बरसात में आपका घर न लगे अस्त-व्यस्त, इसलिए उसे इस तरह से करें व्यवस्थित

मानसून अपने साथ राहत लेकर आता है, यह तो हमको मालूम ही है। मगर आपने ध्यान दिया होगा कि अक्सर बारिश होने की वजह से चीजें अस्त-व्यस्त रहती हैं। घरों में सीलन आदि होने लगती है और इसी के कारण बदबू भी होने लगती है।

जरूरी है कि मानसून में आप अपने साथ-साथ घर का भी पूरा ख्याल रखें। अपने घर को मेंटेन रखने के लिए आप क्या-क्या तरीके अपना सकती हैं, इसके बारे में आपने सोचा है? अगर नहीं, तो हम ऐसे ही कुछ खास तरीके आपको बताने वाले हैं, जिसके साथ आप अपने घर को व्यवस्थित कर सकती हैं और मानसून की टेंशन से दूर हो सकती हैं।

खुशबू का रखें ख्याल

मानसून के कारण घरों में से एक अजीब से महक आना शुरू हो जाती है। वह दीवारों के गीले होने के कारण होती है। ऐसे में कभी आपके घर कोई मेहमान आ जाए तो आपको कितनी फजीहत होगी। ऐसा न हो इसके लिए हमेशा नियमित रूप से घर की साफ-सफाई करें। इसके अलावा अपने लिविंग रूम में एक पोटपोरी रखें, जिसमें एसेंशियल ऑयल डाला जाता है। इससे आपके कमरे खुशबू से महकते रहेंगे और गंदी बदबू से आपको छुटकारा मिलेगा।

इंडोर प्लांट्स लगाएं

अब इंडोर प्लांट्स तो आपके घर में होंगे ही, लेकिन ऐसे मौसम में उन पौधों को घर पर रखें, जो घर से ह्यूमिडिटी हटा सकें। साथ ही ऐसे पौधे भी लाएं, जो कम सनलाइट में भी बढ़ सकें। अगर किसी विशेष एरिया पर ज्यादा पौधे हैं, तो उन्हें हटाकर बालकनी की तरफ ले जाएं। मानसून में पौधों पर जल्दी कीड़े लगते हैं, इसका भी ध्यान रखें और उनकी देखभाल अच्छे से करें।

कारपेट्स को करें क्लीन

मानसून में सबसे ज्यादा गंदगी आपके कालीन पर होती है। वे जल्दी नम हो जाते हैं और उनमें धूल-मिट्टी भी चिपक जाती है। इस कारण कमरे में से गंदी बदबू आने लगती है। इसे हटाने के लिए कार्पेट को रोजाना वैक्यूम क्लीनर से क्लीन करें। हफ्ते में दो बार कार्पेट की डीप क्लीनिंग करें। वहीं, ऐसा बार-बार करना न चाहते हों, तो इस मौसम में कारपेट बिछाने से बचें। यह आप आपका वक्त भी बचाएगा और घर में गंदगी भी नहीं होगी।

लकड़ी के फर्नीचर का रखें खास ख्याल

हम सब जानते हैं कि मानसून में लकड़ी के फर्नीचर कितनी जल्दी खराब होते हैं। नमी के कारण लकड़ी फूल जाती है और दीमक की समस्या भी उत्पन्न होती है। इससे अपने फर्नीचर को बचाने के लिए नियमित रूप से वैक्सिंग का सहारा लें। अगर आपके दरवाजे, खिड़कियां फूली हुई लगें, तो सैंडपेपर की मदद से उन्हें साफ करें। ऐसे मौसम में किसी तरह का रेनोवेशन करवाने से भी बचना चाहिए। यह चीजों को और अस्त-व्यस्त कर सकता है।

किताबों की जगह बदलें

अगर आपके घर में सामान से ज्यादा किताबें रहती हैं, तो इस मौसम में उनका भी ख्याल रखें। अपने बुक शेल्फ को ऐसी जगहों से दूर कर दें, जहां नमी जल्दी पकड़ी हो। साथी ही उनके बीच कपूर की गोलियां डालना न भूलें। आप किताबों की आलमारी में सिलिका जेल के पाउच भी रख सकते हैं। इससे मॉइश्चर में कमी आती है और यह आसानी से बाजारों में उपलब्ध भी हो जाते हैं। इतना ही नहीं, घर की वायरिंग का भी खास ख्याल देना जरूरी है। मानसून में फ्लकचुएशन बहुत होती है। शॉर्ट सर्किट न हो इसके लिए अपनी वायरिंग की जांच भी करवाएं।

लुक चेंज करने के लिए पहनें माहेश्वरी साड़ी

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन यह तभी अच्छी लगती हैं, जब आप सही कलर और डिजाइन को इवेंट के हिसाब से वियर करते हैं।

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए जब भी साड़ी किसी खास दिन पर पहनने की बात आती है तो हम अलग-अलग डिजाइन ऑप्शन को सर्च करते हैं, ताकि सबसे अलग नजर आ सके। वहीं कई सारे लोग ऐसे होते हैं, जो इवेंट के हिसाब से साड़ी खरीदते हैं। वहीं कुछ फैब्रिक देखकर उन्हें खरीदना और पहनना पसंद करते हैं। अगर आपको भी कुछ नए फैब्रिक को ट्राई करना है तो आप इसके लिए मध्य प्रदेश की फेमस माहेश्वरी साड़ी को वियर कर सकती हैं। यह सिल्क फैब्रिक से तैयार की जाती है। साथ ही, पहनने में कंफर्टेबल होती है।

माहेश्वरी गोल्डन जरी वर्क साड़ी

साड़ी डिजाइन में आप गोल्डन वर्क वाली जरी वाले पैटर्न को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी सॉफ्ट कपड़े से बनाई जाती है। इसलिए, इसे पहनना आसान होता है। वहीं इसमें जो वर्क किया जाता है वो बॉर्डर और पल्लू पर किया जाता है। इससे साड़ी और अच्छी लगती है। इसे हैवी टत देने के लिए छोटी-छोटी बूटी के डिजाइन को पूरी साड़ी में डिजाइन किया जाता है। साड़ी सिंपल भी लगती है। लेकिन जब एक्सेसरीज के साथ वियर की जाती है तो हैवी लुक देती है। आप इसे किसी भी इवेंट पर वियर कर सकती हैं। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। इस तरह की साड़ी आपको मार्केट में 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी।

बाटिक प्रिंट साड़ी डिजाइन

साड़ी स्टाइल करना पसंद है, तो आप बाटिक प्रिंट साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी दिखने में सुंदर लगती है। साथ ही, कॉटन साड़ी जैसा लुक देती है। आप इस तरह की साड़ी को ऑफिस या डे पार्टी में अच्छी एक्सेसरीज के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आप सबसे अलग नजर आएंगी। इसमें आपको प्रिंट और डिजाइन अलग-अलग मिल जाएंगे, जिससे आपका लुक अच्छा लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 500 रुपये में मिल जाएगी।

कॉटन सिल्क माहेश्वरी साड़ी

आप फोटो में नजर आने वाली कॉटन माहेश्वरी सिल्क साड़ी को भी वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी डिजाइन डिफरेंट होते हैं। साथ ही, स्टाइल करने के बाद अच्छे लगते हैं। इसमें आपको डबल कलर के साथ बॉर्डर मिलेगा। साथ में गोल्डन जरी वर्क डिजाइन का पैटर्न मिलेगा। इससे साड़ी क्लासी नजर आएगी। आप इस साड़ी को किसी भी फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक अलग और सुंदर लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी। मार्केट जाकर इस बार सिल्क या कॉटन नहीं बल्कि माहेश्वरी साड़ी को वियर करें। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही आपको कुछ नया ट्राई करने को मिलेगा।

एक अक्टूबर को होगा अनिल अंबानी की किस्मत का फैसला!

- रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में लिए जाएंगे कई फैसले

मुंबई ।

कभी कर्ज की वजह से चर्चा में रहने वाले कारोबारी अनिल अंबानी के दिन अब फिरने लगे हैं। बताय जा रहा है कि अनिल अंबानी की दो कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने अपना कर्ज कम कर दिया है। इससे इन दोनों कंपनियों के शेयर रॉकेट बन गए हैं। अनिल अंबानी के लिए एक अक्टूबर का दिन बेहद खास होने वाला है। इस दिन इनकी कंपनी को लेकर कई फैसले होंगे। ऐसे में एक अक्टूबर को अनिल अंबानी की किस्मत का फैसला होगा। एक अक्टूबर को अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक होगी। इस बैठक में कंपनी से जुड़े कई फैसले लिए जाएंगे। बताया जा रहा है कि इस बैठक में बोर्ड लॉन्ग टर्म तक फाइनेंशियल रिसॉर्सेज जुटाने पर विचार करेगा और उन्हें मंजूरी देगा। ऐसा होता है तो यह कंपनी के लिए अच्छा कदम होगा। बता दें कि 19 सितंबर को हुई बोर्ड मीटिंग के बाद कंपनी अब डोमेस्टिक और इंटरनेशनल मार्केट से पूंजी जुटाने पर फोकस कर रही है। बताया जा रहा है कंपनी बैठक में फंड जुटाने के लिए अलग-अलग रणनीति अपना सकती है। इसके लिए इक्विटी शेयरों, इक्विटी-लिंक्ड सिक्योरिटीज या इक्विटी शेयरों में परिवर्तनीय वारंट के माध्यम से फंड जुटा सकती है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने पिछले हफ्ते बताया था कि उनके बोर्ड ने लगभग 12.56 करोड़ इक्विटी शेयरों के तरजीही इश्यू के माध्यम से 3,014 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दे दी है। रिलायंस पावर ने स्टॉक एक्सचेंज में अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में 3872.04 करोड़ रुपये के बकाया कर्ज को चुकाने की जानकारी दी थी। अनिल अंबानी की दोनों कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रा के शेयर तेजी से भाग रहे हैं। रिलांयस पावर ने पिछले एक महीने में करीब 52 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं रिलांयल इंफ्रा भी रिटर्न के मामले में पीछे नहीं रही है। इस कंपनी ने एक महीने में करीब 55 फीसदी रिटर्न दिया है।

अशनीर ग्रोवर भारत-पे से आउट, कंपनी की कोई शेयर होल्डिंग भी नहीं

फंड हेराफेरी मामले में लंबी कानूनी लड़ाई के बाद हुआ समझौता

नई दिल्ली। फिनटेक कंपनी भारत-पे और उसके पूर्व सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर के बीच 88.67 करोड़ रुपए की हेराफेरी के मामले में अब समझौता हो गया है। सोमवार को एक बयान में कंपनी ने जानकारी देते हुए बताया कि समझौते के तहत ग्रोवर अब किसी भी तरह से भारत-पे से नहीं जुड़े हुए हैं और उनके पास कंपनी की कोई शेयर होल्डिंग भी नहीं है।

कंपनी प्रवक्ता ने बताया कि ग्रोवर के कुछ शेयर कंपनी के लाभ के लिए रेजिलिएंट ग्रोथ ट्रस्ट को दिए जाएंगे, जबकि उनके शेष शेयरों का प्रबंधन उनके पारिवारिक ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा। भारत-पे ने यह भी कहा कि दोनों पक्षों ने दायर मामलों को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनी ने यह भी कहा कि हम ग्रोवर के अच्छे होने की कामना करते हैं। भारत-पे मुनाफे के साथ ग्रोथ को जारी रखते हुए मर्चेंट्स और ग्राहकों को इंडस्ट्री के अग्रणी सॉल्यूशंस पेश करता रहेगा।

इस मामले में ग्रोवर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वह भारत-पे के साथ समझौते कर लिया है। उन्होंने कहा कि मैं भारत-पे के बोर्ड और मैनेजमेंट में पूरा भरोसा रखता हूं, वे कंपनी को सही दिशा में आगे ले जाने के लिए कार्य कर रहे हैं। ग्रोवर ने यह भी कहा किया कि वह अब भारत-पे के साथ किसी भी प्रकार से जुड़े नहीं रहेंगे, जिसमें शेयर होल्डिंग भी शामिल है।

बता दें ग्रोवर और उनकी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर को 88.67 करोड़ रुपए फंड की हेराफेरी के मामले में भारत-पे से निकाल दिया गया था। इसके बाद कंपनी ने पैसे की वापसी के लिए हाईकोर्ट का रुख किया था। पिछले हफ्ते दिल्ली पुलिस की ईओडब्ल्यू ने मामले में दीपक गुप्ता को गिरफ्तार किया था जो ग्रोवर के परिवार से संबंधित है। इससे पहले, एक अन्य आरोपी अमित बंसल को भी ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार किया था। यह समझौता भारत-पे और ग्रोवर के लिए अहम कदम माना जा रहा है, जो कंपनी की स्थिरता और विकास को सुनिश्चित करने में मदद करेगा।

हीरे को पछाड़कर नंबर वन पर पहुंचा स्मार्टफोन का निर्यात

अमेरिका भेजे जाने में आई तेजी, पीएलआई योजना की अहम भूमिका

नई दिल्ली ।

देश से स्मार्टफोन का निर्यात गैर-औद्योगिक हीरे को पछाड़कर शीर्ष पायदान पर पहुंच गया। निर्यात पर वाणिज्य विभाग के ताजा आंकड़ों के आधार पर वित्त वर्ष 2025 की जून तिमाही में स्मार्टफोन का निर्यात 2 अरब डॉलर तक पहुंच गया जो हीरे के मुकाबले काफी अधिक है। इस दौरान हीरे का निर्यात 1.44 अरब डॉलर रहा। स्मार्टफोन के कुल निर्यात में आईफोन का योगदान सर्वाधिक रहा। जहां तक स्मार्टफोन का सवाल है तो वह पहली बार शीर्ष पायदान पर वित्त वर्ष 2024 की दिसंबर तिमाही में पहुंचा था। उस दौरान अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 1.42 अरब डॉलर पर हीरे के मुकाबले आगे निकल गया था। वित्त वर्ष 2024 की दिसंबर तिमाही में हीरे का निर्यात 1.3 अरब डॉलर रहा था। भारत से अमेरिका को निर्यात हुई वस्तुओं की सूची में स्मार्टफोन तेजी से शीर्ष पायदान पर पहुंचा है क्योंकि 2024 की सितंबर तिमाही में वह चौथे पायदान पर रहा था। आईफोन के कारण स्मार्टफोन के निर्यात में तेजी कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह मोबाइल उपकरणों के लिए सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) की सफलता बताता है। पीएलआई योजना की घोषणा होने से पहले और वित्त वर्ष 2020 में ऐपल द्वारा आईफोन का निर्यात शुरू करने से पहले भारत से स्मार्टफोन का निर्यात केवल 1.6 अरब डॉलर का रहा था। इसमें से केवल 3 फीसदी यानी 50 लाख डॉलर के स्मार्टफोन ही वित्त वर्ष 2019 में अमेरिका को निर्यात किए गए थे। पीएलआई योजना के दूसरे साल यानी वित्त वर्ष 2023 तक भारत से स्मार्टफोन का कुल निर्यात 11.1 अरब डॉलर रहा जिसमें से ऐपल ने 5 अरब डॉलर से अधिक कीमत के आईफोन का निर्यात किया। इसमें से 20 फीसदी स्मार्टफोन अमेरिका को निर्यात किए गए और उसमें मुख्य तौर पर आईफोन शामिल था। 2024 तक आईफोन का निर्यात 10 अरब डॉलर तक पहुंच गया जो भारत से निर्यातित कुल 15.6 अरब डॉलर के स्मार्टफोन का 66 फीसदी था। इस दौरान भारत से अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 158 फीसदी बढ़कर 5.56 अरब डॉलर हो गया जो वित्त वर्ष 2024 में हीरे के बाद दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बन गया। भारत से ऐपल के कुल आईफोन निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 50 फीसदी थी।

त्योहारों से पहले सस्ता हो सकता है पेट्रोल और डीजल

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार त्योहारों से पहले पेट्रोल और डीजल के भाव में कटौती करने वाली है। तेल कंपनियां वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी का फायदा आम आदमी को पहुंचाने की तैयारी कर ली है। माना जा रहा है कि त्योहारों से पहले सरकार भी पेट्रोल और डीजल के दाम घटाने को हरी झंडी दे देगी। दुनिया के बड़े तेल उत्पादक देशों जैसे सऊदी अरब की ओर से सप्लाई बढ़ने के बाद वै श्विक बाजार में क्रूड के भाव 24 से 33 फीसदी तक नीचे आ गए हैं। इससे कंपनियों को तेल खरीदने में काफी बचत भी हो रही है। ब्रेंट क्रूड भी 72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया है, जिसका फायदा अब आम आदमी को देने की तैयारी चल रही है। मामले से जुड़े तीन अधिकारियों का कहना है कि तेल कंपनियों ने अपनी ओर से दाम घटाने की पूरी तैयारी कर ली है, बस सरकार की हरी झंडी का इंतजार है। अनुमान है कि इस बार पेट्रोल और डीजल के दाम 3 रुपये प्रति लीटर तक घटाए जा सकते हैं। तेल सस्ता होने की उम्मीद इसलिए है, क्योंकि बीते एक साल में क्रूड के भाव काफी नीचे आ गए हैं। सितंबर, 2023 में जहां ब्रेंट क्रूड का भाव 96.5 डॉलर प्रति बैरल था, वहीं 2024 में यह 25.38 फीसदी टूटकर 72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।

इसी अनुपात में भारत का कच्चा तेल खरीदने का भाव भी पिछले साल के 93.54 डॉलर से 21.12 फीसदी टूटकर 73.78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।

अडाणी की नई कंपनी सौर उपकरण बनाने शुरू करेगी विनिर्माण प्लांट

नई दिल्ली ।

अदाणी न्यू इंड्स्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) सौर उपकरण बनाने के लिए सोलर ग्लास, एल्युमीनियम फ्रेम और बैकशीट का विनिर्माण प्लांट शुरू करने पर विचार कर रही है। ये सभी कंपनी के मौजूदा सोलर सेल एवं मॉड्यूल के लिए अहम पुर्जे हैं। एएनआईएल अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की हरित ऊर्जा उत्पाद विनिर्माण इकाई है। फ्रांस की ऊर्जा कंपनी टोटाल एनर्जीज की एएनआईएल में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी है और बहुलांश हिस्सा एईएल के पास है। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि इस योजना का मकसद सोलर सेल एवं मॉड्यूल विनिर्माण के लिए अपनी आपूर्ति व्यवस्था तैयार करना है। एएनआईएल इस समय पॉलिसिलिकन वेफर, सिल्ली, सेल एवं मॉड्यूल बना रही है जिनका इस्तेमाल सोलर मॉड्यूल और तैयार उत्पादों में होता है। इस बारे में कंपनी के एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि सौर ऊर्जा परियोजना में काम आने वाले कई पुर्जे ऐसे हैं जिनका हम आयात करते हैं। दो कंपनियां सोलर ग्लास जरूर बना रही है ले किन इससे जरूरत पूरी नहीं हो रही है। इसे देखते हुए हम स्वयं इसे तैयार करना चाहते हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने ई-मेल के जरिये इस योजना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि कंपनी की यह पहल दीर्घ अवधि के लिए टिकाऊ आपूर्ति व्यवस्था खड़ा करने की उसकी योजना का हिस्सा है। अदाणी सोलर गुजरात के मुंद्रा में भारत का सबसे व्यापक एवं अत्याधुनिक सौर विनिर्माण तंत्र स्थापित कर रहा है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 10 पैसे गिरावट के साथ ही 83.79 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह दुनिया भर के बाजारों के नकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर 83.75 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और महीने के अंत में आयातकों की ओर से बढ़ी मांग के कारण प्रमुख विदेशी प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 83.72 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.75 प्रति डॉलर पर फिसल गया। ये पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट दिखा रहा है। वहीं रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.69 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी बढ़त के साथ 100.17 पर रहा।

मनबा फाइनेंस का शेयर 25 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मनबा फाइनेंस लिमिटेड का शेयर निर्गम मूल्य 120 रुपये से 25 प्रतिशत उछाल के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 25 प्रतिशत उछाल के साथ 150 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 31.20 प्रतिशत चढ़कर 157.45 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर कंपनी का शेयर 20.3 प्रतिशत के उछाल के साथ 145 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में शेयर 26.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 152.25 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 791.02 करोड़ रुपये रहा। मनबा फाइनेंस लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की बोली के तीसरे व अंतिम दिन गत बुधवार तक 223.12 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 151 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 114-120 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। मनबा फाइनेंस का आईपीओ 1,25,70,000 करोड़ ताजा शेयर का निर्गम था।

डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर ने आईपीओ लाने सेबी के पास दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली । टेमासेक होल्डिंग्स तथा टीपीजी समर्थित नेत्र देखभाल सेवा प्रदाता डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये करीब 3,000-3,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। आईपीओ 300 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और प्रतर्वतकों तथा अन्य शेयर विक्रेताओं द्वारा 6.95 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों ने आईपीओ का आकार 3,000-3,500 करोड़ रुपये बताया है। इसके अनुसार नए निर्गम से प्राप्त 195 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कर्ज भुगतान करने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा एक हिस्से का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों और अज्ञात अकार्बनिक अधिग्रहण के लिए किया जाएगा। डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर मोतियाबिंद और अन्य सर्जरी, परामर्श, निदान, गैर-सर्जिकल उपचार तथा ऑप्टिकल उत्पादों, कॉन्टैक्ट लेंस, सहायक उपकरण और नेत्र देखभाल से संबंधित दवाइयों की बिक्री सहित सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है।

टाटा ऑटोकॉम्प में 13 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदेगी टाटा संस

वर्तमान में टाटा संस के पास वाहन पुर्जा कंपनी टाको में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है

नई दिल्ली । टाटा समूह की नियंत्रक कंपनी टाटा संस टाटा कैपिटल से 2,122 करोड़ रुपये में टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स (टाको) में 12.65 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सा खरीदने की योजना बना रही है। उसका कुल इक्विटी मूल्यांकन 16,800 करोड़ रुपये है। टाटा कैपिटल ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में यह जानकारी दी है। वर्तमान में टाटा संस के पास वाहन पुर्जा कंपनी टाको में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि टाटा मोटर्स के पास 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा ऑटोकॉम्प में शेष हिस्सेदारी टाटा समूह की अन्य कंपनियों के पास है। यह सौदा चालू वित्त वर्ष के आखिर से पहले ही पूरा होने की उम्मीद है। टाटा कैपिटल ने कहा कि पर्याप्त पूंजी के दमदार अनुपात के साथ अपने कारोबार के विकास में मदद और सुचारू कारोबारी परिचालन के लिए उसने यह सौदा किया है और टाटा संस के साथ विभिन्न सौदे कर सकती है। इनमे निवेश की बिक्री, ब्रांड इक्विटी और कारोबार प्रोत्साहन योगदान, सेवाओं का लाभ उठाना, क्रियान्वयन तथा कर्ज देने और रकम जुटाने समेत कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए अन्य सौदे शामिल हैं। टाटा कैपिटल ने सूचना में कहा` कि कंपनी के पास टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स में इक्विटी निवेश है और उस निवेश का कुछ हिस्सा समय-समय पर टाटा संस को विभिन्न किस्तों में बेचा है। कंपनी के पास 1 अप्रैल 2024 तक टाको की 12.65 प्रतिशत इक्विटी शेयरधारिता थी।

चावल निर्यात में छूट से सभी को होगा फायदा!

- केंद्र सरकार ने एक तीर से किए दो शिकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने गैर बासमती चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटाकर उसकी जगह 490 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य लगा दिया। कारोबारी सूत्रों के अनुसार इससे केंद्र ने एक तीर से दो शिकार किए। केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में उपयोग होने वाले सस्ते चावल का भारत से निर्यात नहीं हो और दूसरे, चावल की प्रीमियम किस्मों 'सोना मसूरी' और 'गोविंद भोग' के निर्यात में कोई अड़चन भी न रहे। सरकार ने इसके एक दिन पहले गैर बासमती चावल निर्यात पर कर कम किया और फिर न्यूनतम निर्यात मूल्य लगाया। गैर बासमती चावल की सबसे ज्यादा निर्यात होने वाली किस्में 'गोविंद भोग' और 'सोना मसूरी' हैं और इनका वैश्विक बाजार में मूल्य 600 डॉलर प्रति टन से अधिक है। सरकार ने उसना चावल पर निर्यात शुल्क 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दिया। बाजार के सूत्रों के अनुसार इस फैसले से भारत की चावल की किस्में थाईलैंड को चुनौती दे सकेंगी। थाईलैंड के 100 फीसदी प्रीमियम उसना चावल का मूल्य 4 सितंबर के 604 डॉलर प्रति टन से गिरकर 25 सितंबर को 583 डॉलर प्रति टन आ गया। इस तरह चावल की इस किस्म के दाम में एक माह के दौरान करीब 4 फीसदी की गिरावट आ गई। भारत का उसना चावल 20 फीसदी निर्यात कर के साथ 570-600 डॉलर प्रति टन पर बेचा जा रहा था। अब निर्यात कर घटने से थाईलैंड के मूल्य के बराबर आ जाएगा। कारोबारियों के अनुसार गैर बासमती चावल की श्रेणियां टूटा चावल, उसना चावल और सफेद (अरवा) या कच्चा चावल हैं। वित्त वर्ष 23 में कई देश भारत से निर्यात किए जाने वाले चावल के लिए अच्छा रहा। भारत के चावल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी अलग पहचान है। भारत का कुल निर्यात करीब 2.23 करोड़ टन था। इसमें बासमती चावल 45.5 लाख टन और गैर बासमती चावल का निर्यात 177.8 लाख टन था।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1272 अंक , निफ्टी 368 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट रही। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से बाजार टूटा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1272.07 अंक करीब 1.49 फीसदी नीचे आकर 84,299.78 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 368.10 अंक तकरीबन 1.41 फीसदी नीचे आकर 25,810.85 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी मिडकैप में 0.38 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.32 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। व्यापक सूचकांक भी गिरावट पर बंद हुए। जानकारों के अनुसार विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली से बाजार नीचे आया है।

एनालिस्ट्स का मानना है कि शेयर बाजार में गिरावट की मुख्य वजह विदेशी निवेशकों की तरफ से की गई जमकर बिकवाली थी। आज विदेशी संस्थागत निवेशकों ने जमकर मुनाफावसूली की। इसके अलावा अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल की नीतिगत ब्याज दरों के भाषण को लेकर भी निवेशक सतर्क रुख अपनाते आये हैं। आज कारोबार के दौरान सबसे बड़ी गिरावट ऑटो शेयरों में रही। निफ्टी ऑटो आज 2.11 फीसदी नीचे आया। इसके बाद निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.72 फीसदी गिरा, निफ्टी बैंक 1.59 फीसदी , निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.70 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 1.42 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.68 फीसदी, निफ्टी फार्मा 1.01 फीसदी में भी भारी गिरावट रही। इसके अलावा निफ्टी मीडिया के शेयर 1.12 फीसदी और निफ्टी मेटल के शेयर 1.33 फीसदी बढ़े।

वहीं आज निफ्टी केवल 9 शेयर ही ऊपर आये। जेएसडब्यू स्टील का शेयर आज सबसे ज्यादा 2.93 फीसदी की तेजी में रहा। इसके अलावा, एनटीपीसी, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, बीपीसीए, ग्रासिम इंडस्ट्रीज,एशियन पेंट्स और ओएनजीसी के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं इसी तरह से सेंसेक्स में जेएसडब्लयू स्टील, एनटीपीसी, टाटा स्टील, टाइटन और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के लाभ वाले शेयर रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स 290 अंक की गिरावट के साथ 85,280 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 50 92 अंक की गिरावट के साथ 26,086 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशिया के शेयर बाजार में आज मिलाजुला रुख देखने को मिला। चीन ने अधिक प्रोत्साहन का एलान किया है पर जापान के नए प्रधान मंत्री द्वारा ब्याज दरों को सामान्य करने के पक्ष में चिंताओं के कारण निक्केई में गिरावट आई।

टैफे ने किया भारत में मैसी फर्ग्यूसन ब्रांड के वैध स्वामित्व का दावा, एजीसीओ के खिलाफ अदालत की अवमानना की याचिका दायर की

नई दिल्ली : 1960 में अपनी स्थापना के बाद से, टैफे ने मैसी फर्ग्यूसन ब्रांड का उत्पादन, निर्माण और पोषण किया है और अपनी मजबूत स्वदेशी आर एंड डी तथा गुणवत्ता नियंत्रण के बल पर भारत में 500 से अधिक मॉडलों का एक विस्तृत उत्पाद पोर्टफोलियो प्रस्तुत करता है। टैफे भारत में प्रति वर्ष 180,000 से अधिक ट्रैक्टरों के साथ 100,000 से अधिक मैसी फर्ग्यूसन का उत्पादन करता है एवं इस सेवा के माध्यम से लगभग 3 मिलियन संतुष्ट ग्राहकों का आधार बनाया है। टैफे और मैसी फर्ग्यूसन भारत में पर्यायनामी हैं।

टैफे भारत में ट्रैक्टरों का दूसरा और दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, जिसने भारत और 80 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में किसानों का विश्वास जीतते हुए विश्वसनीय गुणवत्ता के क्षेत्र में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की है। 2,000 से अधिक डीलरों का एक मजबूत वितरण नेटवर्क, टैफे के चार प्रतिष्ठित ट्रैक्टर ब्रांडों - मैसी फर्ग्यूसन, टैफे, आयशर ट्रैक्टर्स और आईएमटी का प्रभावी ढंग से समर्थन करता है। टैफे 80 से अधिक देशों में ट्रैक्टरों का निर्यात करता है। टैफे को अपने ग्राहकों, उद्योग निकायों, मीडिया और सरकारों से प्रदर्शन और कंपोनेंट्स की आपूर्ति के लिए असंख्य प्रशंसाएँ मिली हैं एवं गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के लिए अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है।

टैफे के उत्पादों की डिजाइन भारत-केंद्रित हैं, जो एजीसीओ के उत्पादों से बिल्कुल अलग हैं एवं भारत और दुनिया भर के लघु एवं मध्यम किसानों के लिए उत्तम हैं। 1960 में मैसी फर्ग्यूसन इंडिया के अधिग्रहण के पश्चात पूरा क्षेत्र टैफे के अधीन आने के बाद एजीसीओ की वैश्विक ब्रांड वेबसाइट ने ऐतिहासिक रूप से छह दशकों से भारत, नेपाल और भूटान के सन्दर्भ में मैसी फर्ग्यूसन का कोई उल्लेख नहीं किया है।

टैफे ने 2012 में एजीसीओ कॉर्पोरेशन में शेयरधारिता हासिल की और इसका सबसे बड़ा शेयरधारक और रणनीतिक दीर्घकालिक निवेशक बन गया। इससे कंपनियों के बीच सहयोगात्मक संबंध मजबूत हुए तथा टैफे और एजीसीओ ने समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे एजीसीओ को एक दशक से अधिक समय के लिए निरंतर समर्थन का आश्वासन मिला।

जैसे-जैसे टैफे का रणनीतिक प्रभाव बढ़ता गया, एजीसीओ अपने समक्ष बारम्बार खड़े होने वाले मुद्दों को हल करने के बजाय, जिसमें एजीसीओ के कॉर्पोरेट प्रशासन की खामियां, शेयरधारकों के साथ पूरी तरह से अपर्याप्त जुड़ाव और प्रमुख क्षेत्रों में वित्तीय तथा परिचालन प्रदर्शन संबंधी मुद्दें शामिल थे, एजीसीओ ने ब्रांड उपयोग के संबंध में विवादास्पद और गलत सलाह देने की चालें चलकर टैफे की बदलाव लाने की कोशिश को दबाने का प्रयास किया, जो छह दशकों से एक निर्विवाद क्षेत्र रहा है।

मद्रास उच्च न्यायालय में दायर एक मामले में टैफे ने मैसी फर्ग्यूसन ब्रांड के स्वामित्व पर अपना दावा पेश किया। चेन्नई की वाणिज्यिक न्यायालय ने मैसी फर्ग्यूसन ब्रांड के संबंध में अंतरिम यथास्थिति का आदेश पारित करते हुए टैफे के पक्ष में फैसला सुनाया है, अतैव किसी भी पक्ष के लिए 29 अप्रैल 2024 तक की स्थिति को बदलना अस्वीकार्य है, और ऐसा करने का कोई भी प्रयास न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन होगा। टैफे ने एजीसीओ के खिलाफ न्यायालय के आदेशों की अवहेलना हेतु चेन्नई में एक अवमानना याचिका दायर की है।

शमशान चंपा शो में एक नया मोड़

मुंबईः शेमारू उमंग के लोकप्रिय सुपरनैचुरल शो 'शमशान चंपा' में अब एक नया मोड़ आने वाला है, जो दर्शकों के रोमांच को दोगुना कर देगा। शो की तृप्ति मिश्रा शो में निडर महिला के रूप में नजर आ रही हैं, जो शमशान घाट से चंपा के फूल इकठ्ठा करके उससे सिंदूर बनाती है। किसी गलतफहमी के चलते गांव वाले उसे एक डायन समझने लगते हैं और क्रोध में आकर उसे जिंदा जला देते हैं। अब वह अपने डायन रूप की शक्तियों को पहले से कहीं ज्यादा भव्य रूप से इस्तेमाल करने के लिए तैयार है, जिसे पहले कभी नहीं देखा गया है।

शो की तृप्ति मिश्रा ने कहा, यह डायन की पारंपरिक छवि को चुनौती देता है और अब जब मोहिनी को पता चला है कि वो न केवल एक डायन बल्कि अपनी दिव्य शक्तियों की सहायता से विक्रम की रक्षिणी भी हूं, तो कहानी पूरी तरह एक नया मोड़ ले लेती है।

देश प्रेम की भावना से ओत-प्रोत रहने वाले व्यक्ति थे लाल बहादुर शास्त्री

मुकेश तिवारी

कोई कोई भी महान व्यक्ति जब तक हमारी आंखों के सामने रहता है हम उसका मूल्यांकन ठीक से नहीं कर पाते लेकिन उसके दृष्टि से ओझल होते ही उसकी महानता सामने आने लगती है सूर्य का महत्व रात्रि में अंधकार में ही समझ में आता है। जो व्यक्ति भविष्य को पढ़ने की क्षमता रखता है उसी के अनुसार स्वयं पथ पर अग्रसर होता है और लोगों को उस पर चलने की प्रेरणा देता है। वही महान होता है।

जवाहरलाल नेहरू के निधन के पश्चात देश के समक्ष एक चुनौती खड़ी हो गई थी कि अगला प्रधानमंत्री किसे बनाया जाए ऐसे में श्री लाल बहादुर शास्त्री को हिंदुस्तान का दूसरा प्रधानमंत्री बनने पर आम सहमति हो गई उन कठिन परिस्थितियों में जब उन्होंने देश का नेतृत्व संभाला, तो उनकी कार्य कुशलता, समझदारी, धैर्य परिपक्वता आदि बहुत से गुणों से सारा मुल्क भली-भांति अवगत हुआ साथ ही लोगों के सामने यह भी उदाहरण उभर कर आया कि हिंदुस्तान जैसे देश का प्रधानमंत्री एक साधारण घर का व्यक्ति भी हो सकता है।

व्यक्ति कठोर परिश्रम,आत्मावलंबन, आत्मसम्मान, दूरदर्शिता, विनम्रता और सहनशीलता जैसे गुणों के कारण ही महान बनता है। इसके ज्वलंत उदाहरण थे-लालबहादुर शास्त्री

लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अकटूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में हुआ था। इनके पिता का नाम मुंशी शारदा प्रसाद श्रीवास्तव और मां का नाम राम दुलारी देवी था। शास्त्री जी के पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। उन्हे लोग मुंशी जी कहकर संबोधित करते थे। शास्त्री जी के बाल्यकाल में ही इनके सिर से इनके पिता का साया उठ गया था। पिता के निधन के पश्चात उनकी मां रामदुलारी देवी अपने पिता हजारीलाल के घर मिजार्पुर आ गई। हालांकि कुछ समय बाद ही शास्त्री के नाना भी चल बसे ऐसी स्थिति में लालबहादुर शास्त्री की परवरिश करने में उनके मौसा मौसी ने उनकी मां की हर तरह से मदद की। इस सबके बावजूद वे उन सुनहरे दिनों से वंचित हो गए जिसके वे हकदार थे। खेलने खाने की उम्र में उन्हें अभावों में जीवन यापन करने पर विवश होना पड़ा। यही अहम् वजह थी कि उनमें स्वावलंबन की प्रवृत्ति बाल्यकाल से भरी हुई थी। वे बाल्यकाल से ही भोजन बनाने। कपड़े साफ करने से लेकर अपना सारा काम स्वयं ही अपने हाथों से करते थे। अभावों ने उन्हें संयमशील, परिश्रमी, कर्मशील, स्वाभिमानी और स्वावलंबी बनाया, जो जीवनपर्यंत उनकी पूंजी रही, लालबहादुर शास्त्री जी में ज्ञान प्राप्ति की इतनी बलवती थी कि उसके आगे अभाव रुपी सारी बाधाएं बोनी हो जाती। पढ़ने की लगन और अभावों के बीच जब अंतर्द्वंद्व छिड़ता तो अभाव ही हमेशा पराजित होता। यह बात इस उदाहरण से स्पष्ट होती है कि जब शास्त्री जी के पास नाविक को देने के लिए पैसे नहीं होते थे। तो वे रामनगर से गंगा नदी को तैरकर पार करके हरिश्चंद्र स्कूल पहुंचते और अपनी कक्षा में सबसे ज्यादा अंकों से उत्तीर्ण होते थे।

आगे चलकर स्वयं के सभी काम अपने हाथ से करना उनकी आदत बन गई थी। वह जेल में होते थे या बाहर अपने कपड़े स्वयं ही धोते थे। प्रधानमंत्री बनने पर भी कभी-कभी वह अपने कमरे की सफाई स्वयं कर लेते थे। नौकर जब तक बिस्तर बछाने के लिए आते तब तक वे स्वयं ही बिछा चुके होते थे। उनकी इस आदत को देखकर

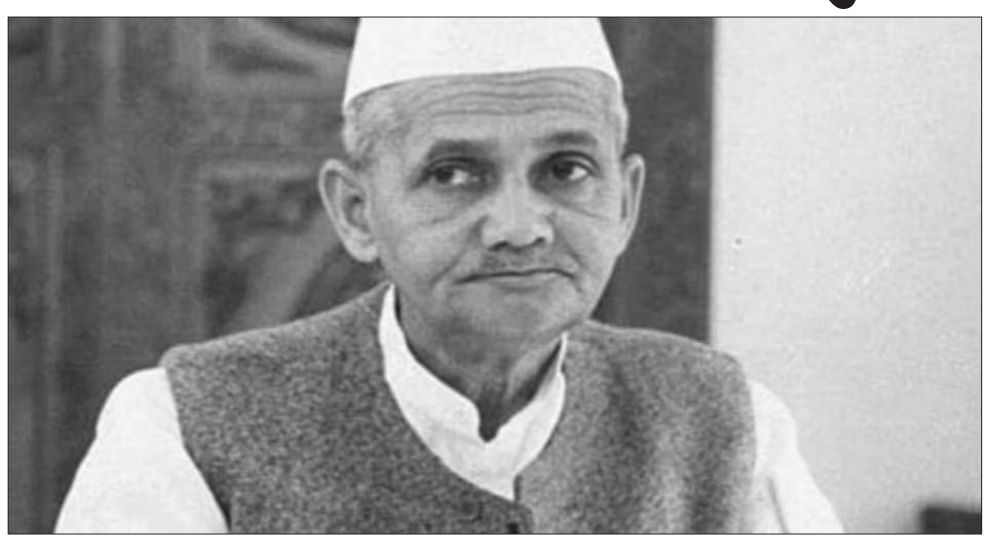

यदि कोई उन्हें मना करता तो वे बड़े आदर से कहते भाई। जो आदत बाल्यकाल से बनी है। उसमें क्यों परिवर्तन किया जाए। ईश्वर ने जब हाथ पैर सही सलामत दिए हैं तब दूसरों को कष्ट क्यों दिया जाए। शास्त्री जी ने जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त कर्म की ही उपासना की उन्होंने किसी आवश्यक वस्तुओं की। अभिलाषा कभी नहीं रखी यह उनके व्यक्तित्व कि सबसे बड़ी खासियत थी। शास्त्री जी सदा आत्मसम्मानी को बनाए रखने में भरोसा करते थे। पाकिस्तान द्वारा भारत पर आक्रमण कर देने पर शास्त्री जी ने सैनिकों का मनोबल बढ़ाया तथा किसानों को भी उनके बराबर का दर्जा दिया। जय जवान जय किसान का नारा देकर उन्होंने तत्कालीन परिस्थितियों में दोनों को आवश्यक माना। शास्त्री जी सैनिकों को सतत रूप से खाद्य साम्रगी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हफ्ते में स्वयं एक दिन व्रत रखते थे। साथ ही उन्होंने समूचे देशवासियों से भी एक दिन का व्रत रखने की अपील की। इसका सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि पूरा देश उनसे सहमत होकर एक दिवसीय उपवास रखने लगा और इस तरह उपवास से बचा राशन सीमा पर जूझ रहे जवानों को उपलब्ध होता रहा इसका सकारात्मक प्रभाव शास्त्री जी के जीवन पर यह पड़ा कि उनके हृदय में दीन-हीन। पिछड़े ,शोषित तथा उपेक्षित वर्ग के लोगों के लिए करुणा का भाव उमड़ पड़ा था। अभावों ने उन्हें संयमशील, परिश्रमी कर्मशील, स्वाभिमानी व स्वावलंबी बनाया जो मरते दम तक उनकी पूजी रही।

इससे यह बात स्पष्ट होती है कि यदि किसी बात के लिए व्यक्ति दृढ़ संकल्प ले ले तो उसे अपने कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। शास्त्री जी का व्यक्तित्व गलत बातों को कभी भी स्वीकार नहीं कर सका। प्रायः ऐसा होता है कि हम दूसरों को तो नसीहत देते हैं परंतु स्वयं उस नसीहत का पालन नहीं करते। शास्त्री जी स्वयं कोई कार्य करके। तब दूसरों को नसीहत देते थे। उदाहरणार्थ घर के भीतर टहलते हुए वे पुस्तकों, पेन, पेंसिल, रबर, कपड़ों आदि को यथा स्थान रख देते थे, इससे उनका तात्पर्य मात्र इतना ही था कि घर के अन्य सदस्य यह सीख ले कि वस्तुओं को यथा स्थान पर रखना चाहिए। हकीकत में सदस्यों को कुछ कहने सुनने की अपेक्षा उनके ऊपर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता और वे मन ही मन यह दृढ़ निश्चय करते कि अब आगे से उन्हें वैसा करने का मौका नही देता।

ऐसे अनेक उदाहरण है। जो लाल बहादुर शास्त्री के स्व - प्रणेता होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। शास्त्री जी अपने वाक चातुर्य से कर्म क्षेत्र में सदैव ही अपना विशिष्ट प्रभाव छोड़ने में सफल रहे। उनकी खासियत यह थी कि वह प्रत्येक कार्य वक्त पर करते थे। शास्त्री जी अपने जीवन में नैतिक गुणों पर ज्यादा बल देते थे। कोई भी प्रलोभन उन्हें सही मार्ग से विचलित नहीं कर सका। इस शास्त्री जी का कहना था कि व्यक्ति कहीं भी रहें। कितना भी ऊंचा उठ जाए या नीचे गिरे। उसे अपने भीतर के सत्य को नही शास्त्री जी विनम्र व सहनशील व्यक्ति थे। यदि कोई उन्हें कठोर शब्दों में कुछ बोल देता था तो भी वे उस का तत्काल प्रतिकार नहीं करते थे। शास्त्री का खान-पान पूर्णतः शाकाहारी था। भोजन में उन्हें दाल रोटी, सब्जी, चावल पसंद थे। शास्त्री जी का जीवन सादगीपूर्ण था। उनके घर में सिर्फ वही वस्तुएं थी, जो दैनिक जीवन के लिए जरूरी होती है। लालबहादुर शास्त्री के सादगीपूर्ण व्यक्तित्व को संजोने में जिन शख्सियतों का प्रभाव था। वे थे-महात्मा गांधी, पुरुषोत्तम दास टंडन, आचार्य नरेंद्रदेव, डॉक्टर भगवान दास ,पंडित जवाहरलाल नेहरू, इन्हीं के जीवन आदर्शों को शास्त्री जी अपना आदर्श समझकर आजीवन चलते रहे। उनके व्यक्तित्व से प्रभावित होकर ही पंडित अटल बिहारी वाजपेई ने यह टिप्पणी की थी---

यह बात बिल्कुल स्पष्ट है कि वैचारिक मतभेद कभी भी चारित्रिक उज्जवलता को कलुषित नहीं कर सकते। शास्त्री जी से मेरा यद्यपि वैचारिक मतभेद था। परंतु उनकी चारित्रिक उज्जवलता का शुभ स्वरूप मुझे आलोकित करता रहा है। शास्त्री जी बचपन से स्वावलंबी एवं स्वाभिमानी प्रवृति के थे। वे बचपन से ही भोजन बनाने से लेकर कपड़े धोने आदि कार्य स्वयं किया करते थे। वे कहते थे परमपिता परमेश्वर ने जब दो हाथ-दो पैर सही सलामत दिए हैं। तब दूसरों को कष्ट क्यों दिया जाए। शास्त्री जी ने जन्म से लेकर मृत्यु पर्यंत कर्म की उपासना की। उन्होंने किसी आवश्यक वस्तुओं की। अभिलाषा कभी नहीं रखी यह उनके व्यक्तित्व पति सबसे बड़ी खासियत थी। शास्त्री जी सदा आत्मसम्मान को बनाए रखने में विश्वास करते थे। पाकिस्तान द्वारा भारत पर आक्रमण कर देने पर शास्त्री जी ने सैनिकों का मनोबल बढ़ाया तथा किसानों को भी उनके बराबर का दर्जा दिया। जय जवान जय किसान का नारा देकर उन्होंने तत्कालीन परिस्थितियों में दोनों को आवश्यक माना। शास्त्री जी सैनिकों को निरंतर खा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हफ्ते स्वयं एक दिन उपवास रखते थे। साथ ही उन्होंने समूचे हिंदुस्तान वासियों से भी एक दिन उपवास रखने की अपील की। इसका सकारात्मक प्रभाव यह हुआ कि समूचा हिंदुस्तान इससे सहमत होकर सप्ताह में एक दिन व्रत रखने लगा। इस तरह उपवास से बचा राशन सीमा पर जूझ रहे जवानों को उपलब्ध होता रहा। इस काम से दो फायदे हुए। एक तो यह कि देश ने अमेरिका सहित किसी भी पश्चिमी देश के सामने भोजन की याचना नहीं कि एवं इससे हमारे आत्मसम्मान की भी रक्षा हो सकी।

दूसरे हम विदेशी कर्ज से भी बचे रहें ऐसा नहीं है कि लाल बहादुर शास्त्री केवल हिंदुस्तान के आत्मसम्मान की रक्षा करते थे उन्होंने अपने जीवन में भी इसका पालन किया। वह अपनी जरूरतें स्वयं पूरा करते थे। स्वयं शास्त्री जी के शब्दों में मैं अपनी आवश्यकताएं उतनी ही रखता हूं जितनी आवश्यक होती है। लाल बहादुर शास्त्री जी अनुकूल तथा विपरीत। दोनों ही परिस्थितियों में समान रहते थे। शास्त्री जी सच्चे भारतीय थे। उनके बहुआयामी व्यक्तित्व में देश प्रेम की भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी उन्होंने देश के साथ कभी भी विश्वासघात नहीं किया। चाहे वह पाकिस्तान से युद्ध के पश्चात ताशकंद समझौते की बात रही हो अथवा खाद्यान्न मंगाने के लिए विदेशों से कर्ज लेने की बात। यह भावना उनकी दिनचर्या में भी देखने को मिलती थी। वे बहुत पहले ही यथास्थिति को भांप लेते थे और तदनुसार सही कार्यविधि अपनाकर वांछित लक्ष्य प्राप्त करते थे। उनकी दूरदर्शिता का सबसे बड़ा प्रमाण तो यही है कि उन्होंने देश का प्रथम बजट बचत का पेश किया।

संपादकीय

त्रासदी कब तक झेलेंगे

पड़ोसी देश नेपाल में पिछले कई दिनों से हो रही भारी बारिश से बिहार में कहर बरपा हुआ है। कोसी, गंड़क और बागमती नदियों में आए भीषण उफान का कहर राज्य के 15 जिलों में दिखने लगा है। बाढ़ के ड़रावने रूप का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राज्य की 13 नदियां खतरे के निशान से काफी ऊपर बहर रही हैं। इस प्राकृतिक आपदा के चलते करीब 25 लाख से ज्यादा आबादी पानी में घिरी हुई है, अब तक पांच लोगों की मरने की खबर है जबकि बड़ी संख्या में घर और मवेशियों के बह जाने की खबर है। सरकार का आपदा प्रबंधन फिलहाल असहाय दिख रहा है। शनिवार रात से रविवार सुबह तक उत्तर बिहार में पांच जगहों पर तटबंध टूटने से काफी बड़ी इलाके में बाढ़ का पानी फैल गया है। कमोबेश बाढ़ की विभीषिका पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के कई जिले को भी अपनी चपेट में लिये हुए हैं। यहां भी बारी बारिश के बाद आई बाढ़ से जान-माल को भारी नुकसान पहुंचा है। उत्तर प्रदेश में बारिश से नदियां उफनाई हुई हैं। खास बात है कि मानसून की शुरूआत में राज्य में वैसी बारिश नहीं हुई मगर जाते-जाते मानसून राज्य में तबाही फैला रहा है। अब तक यहां पांच लोगों की मरने की खबर है। सबसे ज्यादा नुकसान की बात करें तो उत्तर बिहार में बाढ़ ने भयानक तबाही मचाई है। यहां तक कि दक्षिण-पूर्व राज्य के कई जिलों मसलन; भागलपुर, मुंगेर और आसपास के जिलों में अच्छी-खासी आबादी करीब हफ्ता-दस दिन से भारी संकट में है। सरकार भले उन्हें सहायता दिए जाने का दावा कर रही है, मगर जो दृश्य और जो पीड़ा बाढ़ पीड़ितों के वायरल हुए हैं, उसने सरकार के इंतजाम की पोल खोल कर रख दी है। यह सब तब है जब सरकार को इस बात की जानकारी थी कि नेपाल में भारी बरसात हो रही है। स्वाभाविक तौर पर जब नेपाल में बारिश होगी तो इसका असर नेपाल से सटे भारत के उन इलाकों में भी जरूर होगा। इसके बावजूद बचाव, राहत और मुआवजे के बारे में योजना नहीं बनाई गई। हालांकि कुछेक साल से राज्य सरकार के बेहतर इंतजाम से तबाही को बेअसर भी किया गया, मगर इस बार सरकारी तंत्र लापरवाह दिखा। बिहार में इस बार बाढ़ की त्रासदी कई बरस बाद देखी गई है। बहरहाल, सरकार को अब फसल की तबाही का आकलन कर मुआवजे का ऐलान करना होगा। साथ ही डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम का खाका खींचना होगा। यह काम जितना जल्दी हो सरकार और जनता दोनों के लिए अच्छा होगा।

चिंतन-मनन

उत्सव है बुद्धत्व

बुद्धत्व मौलिक रूप से प्रांति है, विद्रोह है, बगावत है। काशी के पंडितों की सभा प्रमाणपत्र थोड़े ही देगी बुद्ध को! बुद्धपुरुष तुम्हें पोप की पदवियों पर नहीं मिलेंगे और न शंकराचायेंर की पदवियों पर मिलेंगे। क्योंकि ये तो परंपराएं हैं। और परंपरा में जो आदमी सफल होता है, वह मुर्दा हो तो ही सफल हो पाता है। परंपरा के द्वारा पद पाना सिर्फ मुर्दों के भाग्य में हैं, जीवंत लोगों के नहीं। यह सौभाग्य है जीवितों का और मुर्दों का दुर्भाग्य! इसलिए तुम कैसे पहचानोगे? और पूरी पहचान का तुम विचार ही मत करना। क्योंकि तुम पूरा पहचानोगे तो तुम बुद्ध हो जाओगे और तुम बुद्ध होते तो पहचानने की जरूरत न थी। तुम नहीं हो, इसीलिए तो पहचानने चले हो। इसलिए पूरे-पूरे का खयाल मत करना। छोटा सा टुकड़ा चांदनी का तैर आए तुम्हारे पास, तो बहुत धन्यभाग! अहोभाग! तुम उतने ही पर भरोसा करना। उस चांदनी के टुकड़े को पकड़ कर अगर बढ़ते रहे, चलते रहे, तो किसी दिन पूरे चांद के भी मालिक हो जाओगे। किसी दिन पूरा आकाश भी तुम्हारा हो जाएगा। तुम्हारा है; लेकिन अभी तुम्हें पहुंचना नहीं आया, चलना नहीं आया। अभी तुम घुटने के बल चलते हुए छोटे बच्चे की भांति हो। अभी तुम्हें चलने का अभ्यास करना है। तो संत उदास नहीं होंगे। बुद्धपुरुष उदास नहीं होंगे। जिनको तुम देखते हो मंदिरों-मस्जिदों में बैठे गुरु-गंभीर लोग, लंबे चेहरों वाले लोग, बुद्धपुरुष वैसे नहीं होंगे। बुद्धपुरुष तो उत्सव है। बुद्धपुरुष तो ऐसा है जिसमें अस्तित्व के कमल खिल गए। बुद्धपुरुष गंभीर नहीं।

समय की बलिहारी- अपनी उपेक्षा के प्रति चिंतित संघ...?

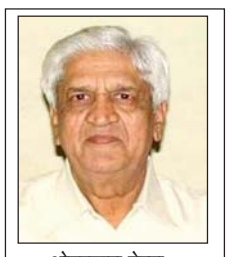

ओमप्रकाश मेहता

एक तरफ शताब्दी वर्ष के दौर की खुशी तो दूसरी ओर उपेक्षा का गम, आज इसी दौर से गुजर रहा है राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आज उसकी सबसे बड़ी चिंता यही है, उसकी सोच है कि आजादी के बाद से अब तक सर्वाधिक काल तक कांग्रेस सत्ता में रही, किंतु उस दौर में भी उसकी (संघ की) केंद्रीय सत्ता द्वारा इतनी उपेक्षा नही हुई, जितनी की आज भाजपा के शासनकाल में हो रही है।

पिछले साल लगभग इन्हीं दिनों महाराष्ट्र के पूणे में संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक हुई थी, जिसमें भाजपा की चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई थी जिसमें संघ की उपेक्षा के गंभीर आरोप लगे थे, इसके बाद इसी साल केरल में आयोजित संघ की समन्वय बैठक में भाजपाध्यक्ष जगत प्रकाश नड्ड़ा का अचानक पहुंचना और वहां यह प्रकट करना कि संघ भाजपा को अपने अधीन न समझे, भाजपा का संघ से समान विचारधारा के अतिरिक्त कोई रिश्ता नही है, यह स्पष्ट करता है कि देश पर राज कर रही भाजपा संघ को अपना संरक्षक नही मानता। इन्हीं दो प्रसंगों ने संघ की चिंता बढ़ा दी हे, यद्यपि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अब तक इन दोनों घटनाक्रमों के संदर्भ में कुछ नही कहा है, किंतु वे चिंतित अवश्य है और अपने संघ के भावी अस्तित्व के प्रति गंभीर भी। अब इस स्थिति में यह भी संभव है कि संघ प्रमुख भागवत जी स्वयं अपने अस्तित्व की चुनौति को स्वीकार लें और अपने ही स्तर पर संघ को हर दृष्टि से मजबूत और आदर्श संगठन बनाने की ठान ले, इस घटना के बाद संघ प्रमुख की अपनी राष्ट्रव्यापी शाखाओं के प्रति बढ़ी सक्रीयता तो यही संदेश दे रही है, अब उन्होंने देश के सभी राज्यों के संघ प्रमुखों से जीवंत सम्बंध बनाए रखने तथा समय-समय पर उनसे चर्चा करते रहने का भी निश्चय कर लिया है, इसलिए अब संघ ने भाजपा शासित राज्यों में भी अपनी सक्रीयता बढ़ा दी है तथा वह अब अपने अस्तित्व की रक्षा में पूरी तरह जुट गया है।

संघ की इस सक्रीयता से भाजपा तथा केन्द्र की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है, इसलिए राज्यों के भाजपा प्रमुखों के केंद्रीय संगठन से गोपनीय आदेश जारी किए गए है, जिनमें संघ की दैनंदिनी गतिविधियों पर तीखी नजर रखने को कहा गया है, अर्थात अब संघ और भाजपा दोनों की ही एक-दूसरे पर तीखी नजर है।

आज संघ की सबसे बड़ी और अहम् शिकायत ही यही है कि आजादी से अब तक के पचहत्तर वर्षों के कार्यकाल में अधिकांश समय कांग्रेस ही सत्ता में रही किंतु कांग्रेस के शासनकाल में भी संघ की इतनी उपेक्षा नही की गई, जितनी पिछले एक दशक से केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही है, अटल-आडवानी जी के राज में भी संघ का निर्णायक अस्तित्व कायम था, जो आज नजर नही आ रहा है और फिर संघ की केरल बैठक में जाकर भाजपाध्यक्ष का दो टूक कथन अपने आपमें भाजपा संघ के रिश्तों के लिए काफी महत्व रखता है।

आज संघ में हर स्तर पर यही बिन्दू विशेष मंथन का विषय बना हुआ है और संघ तथा भाजपा के भावी सम्बंधों पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा रकता है, इसी संभावना को दृष्टिगत रखते हुए दोनों ही संगठनों ने अपने-अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए एक-दूसरे से सम्बंधों पर गंभीर चिंतन शुरू कर दिया है, भाजपा ने जहां अपने शासित राज्यों में संघ की गतिविधियों पर तीखी नजर रखना शुरू कर दिया है, वही संघ ने और अधिक शाखाओं में वृद्धि कर इसे पूरे राष्ट्र में हर स्तर पर कायमी कर उन्हें सक्रिय करने का फैसला लिया है, ऐसी स्थिति में यदि यह माना जाए कि देश में भाजपा व संघ पृथक संगठन बन गए है, तो कतई गलत नही होगा, क्योंकि भाजपा जहां सत्ता के मद में है तो संघ अपना पुरातन वजूद कायम रखने की चिंता में।

अब इस स्थिति का परिणाम क्या होगा? यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु भाजपा व संघ के बुजूर्ग वर्ग इस स्थिति को लेकर चिंता मग्न अवश्य है।

वन नेशन वन इलेक्शन आज के भारत की आवश्यकता

प्रहलाद सबनानी

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत में लोकसभा एवं विभिन्न प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही होते रहे हैं। परंतु केंद्र सरकार द्वारा कुछ विधानसभाओं को 1950 एवं 1960 के दशक में इनकी अवधि समाप्त होने के पूर्व ही भंग करने के चलते कुछ विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा से अलग कराने की आवश्यकता पड़ी थी, उसके बाद से लोकसभा, विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं एवं स्थानीय स्तर पर नगर निगमों, निकायों एवं पंचायतों के चुनाव अलग अलग समय पर कराए जाने लगे। आज स्थिति यह निर्मित हो गई है कि लगभग प्रत्येक सप्ताह अथवा प्रत्येक माह भारत के किसी न किसी भाग में चुनाव हो रहे होते हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष केवल 65 दिन ऐसे रहे हैं जब भारत के किसी स्थान पर चुनाव नहीं हुए हैं।

किसी भी देश में चुनाव कराए जाने पर न केवल धन खर्च होता है बल्कि जनबल का उपयोग भी करना पड़ता है। जनबल का यह उपयोग एक तरह से अनुत्पादक श्रम की श्रेणी में गिना जाना चाहिए क्योंकि इस प्रकार के श्रम से किसी प्रकार का उत्पादन तो होता नहीं है परंतु एक तरह से श्रमदान जरूर करना होता है। यह श्रम यदि बचाकर किसी उत्पादक कार्य में लगाया जाय तो केवल कल्पना ही की जा सकती है कि इस श्रम से देश के सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि दर्ज की जा सकती है। अमेरिकी थिंक टैंक के एक अर्थशास्त्री के अनुसार, देश में बार बार चुनाव कराए जाने के चलते उस देश का सकल घरेलू उत्पाद लगभग एक प्रतिशत से कम हो जाता है। चुनाव कराने के लिए होने वाले खर्च पर भी यदि विचार किया जाय तो भारत में केवल लोकसभा चुनाव कराने के लिए ही 60,000 करोड़ रुपए का खर्च किया जाता है। आप कल्पना कर सकते हैं इस राशि में यदि विभिन्न प्रदेशों की विधानसभाओं, नगर निगमों, निकायों एवं ग्राम पंचायतों के चुनाव पर किए जाने वाले खर्च को भी जोड़ा जाय तो खर्च का यह आंकड़ा निश्चित ही एक लाख करोड़ रुपए के आंकडें को पार कर जाएगा।

उक्त बातों के ध्यान में आने के पश्चात केंद्र सरकार ने विचार किया है कि भारत में 'वन नेशन वन इलेक्शन' के नियम को लागू किया जाना चाहिए। इस विचार को आगे बढ़ाने एवं इस संदर्भ में नियम आदि बनाने के उद्देश्य से भारत के पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ कोविंद जी की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट हाल ही में राष्ट्रपति/केंद्र सरकार को सौंप दी है। इसके बाद, केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल की समिति ने इस रिपोर्ट को स्वीकृत कर लिया है एवं इसे अब लोकसभा एवं राज्यसभा के सामने विचार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। किसी भी देश की लोकतंत्रीय प्रणाली में समय पर चुनाव कराना एक महत्वपूर्ण कार्य होता है। चुनाव किस प्रकार हों, समय पर हों एवं सही तरीके से हों, इसका बहुत महत्व होता है। परंतु देश में चुनाव बार बार होना भी अपने आप में ठीक स्थिति नहीं कही जा सकती है। विश्व के कई देशों, यथा स्वीडन, ब्राजील, बेलजियम, दक्षिण अफ्रीका, आदि में समस्त प्रकार के चुनाव एक साथ ही कराए जाने के नियम का पालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। चुनाव एक साथ कराने के कई फायदे हैं जैसे इन देशों में चुनाव कराने सम्बंधी खर्चों पर नियंत्रण रहता है। दूसरे, सुरक्षा हेतु पुलिसकर्मियों एवं चुनाव करवाने के लिए स्थानीय कर्मचारियों की बड़ी मात्रा में आवश्यकता को कम किया जा सकता है। तीसरे, देश में चुनाव एक साथ कराने से अभिशासन पर अधिक ध्यान दिया जा सकता है एवं चौथे विभिन्न स्तर के चुनाव एक साथ कराने से चुनाव में वोट डालने वाले नागरिकों की संख्या में निश्चित ही वृद्धि होती है क्योंकि नागरिकों को मालूम होता है कि पांच साल में केवल एक बार ही वोट डालना है अतः वह अन्य कार्यों को दरकिनार करते हुए अपने वोट डालने के अधिकार का उपयोग करना पसंद करता है। इसी प्रकार यदि कोई नागरिक किसी अन्य नगर यथा दिल्ली में कार्य कर रहा है और उसके मुंबई का निवासी होने चलते उसे वोट डालने के लिए मुंबई जाना होता है तो पांच वर्ष में एक बार तो इस महान कार्य के लिए वह दिल्ली से मुंबई आ सकता है परंतु पांच वर्षों में पांच बार तो वह दिल्ली से मुंबई नहीं जा पाएगा। इसके अलावा लोकसभा, विधानसभाओं, स्थानीय निकायों एवं पंचायतों के चुनाव अलग अलग होने से विभिन्न पार्टियों के पदाधिकारी, इनमें केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों के मंत्री आदि भी शामिल रहते हैं, अपना सरकारी कार्य छोड़कर चुनाव प्रचार के लिए अपना समय देते हैं। जबकि, यह समय तो उन्हें देश एवं प्रदेश की सेवा में लगाना चाहिए। इससे देश में अभिशासन की गुणवत्ता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। वन नेशन वन इलेक्शन के लिए गठित उक्त विशेष समिति ने यह सलाह दी है कि शुरूआत में लोकसभा एवं समस्त प्रदेशों की विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराए जा सकते है। यदि ऐसा होता है तो यह भी सही है कि देश में लोकसभा एवं विधान सभा चुनाव एक साथ कराने के लिए संसाधनों की भारी मात्रा में आवश्यकता पड़ेगी, इसका हल किस प्रकार निकाला जाएगा इस पर भारतीय संसद में विचार किया जा सकता है। साथ ही, भारत में 6 राष्ट्रीय दल, 54 राज्य स्तरीय दल एवं 2000 से अधिक गैर मान्यता प्राप्त दल हैं जिनके बीच में सामंजस्य स्थापित करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, भारत में अंतिम बार लोकसभा एवं विधानसभाओं के चुनाव एक साथ 1960 के दशक में कराए गए थे। आज भारतीय नागरिकों को भी शिक्षित करने की आवश्यकता होगी कि लोकसभा, विधान सभाओं एवं स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ किस प्रकार कराए जा सकते हैं ताकि उन्हें वोट डालने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। इन समस्याओं का हल भारतीय संसद में चर्चा के दौरान निकाला जा सकता है। यदि किसी कारण से केंद्र में लोकसभा अथवा किसी प्रदेश में विधानसभा पांच वर्ष की समय सीमा के पूर्व ही गिर जाती है तो लोकसभा अथवा उस प्रदेश की विधान सभा के चुनाव शेष बचे हुए समय के लिए पुनः कराए जा सकते हैं, ऐसे प्रावधान को कानूनी रूप प्रदान दिया जा सकता है। इससे विभिन्न राजनैतिक दलों के सांसदों एवं विधायकों पर भी यह दबाव रहेगा कि वे लोकसभा अथवा विधानसभा को समय पूर्व भंग कराने अथवा गिराने का प्रयास नहीं करें।वन नेशन वन इलेक्शन के सम्बंध में कुछ संशोधन तो देश के वर्तमान कानून में करने ही होंगे और फिर पूर्व में भी विभिन्न विषयों पर अलग अलग खंडकाल में (समय समय पर) 100 बार से अधिक संशोधन कानून में किए ही जा चुके हैं।

यह तर्क भी सही नहीं है कि देश में एक साथ चुनाव कराने से भारत के नागरिक केंद्र एवं राज्यों में एक ही राजनैतिक दल की सरकार चुनने को प्रोत्साहित होंगे। परंतु, भारत का नागरिक अब पूर्ण रूप से परिपक्व एवं सक्षम हो चुका है कि वह लोकसभा एवं विधान सभा चुनाव एक साथ कराए जाने पर केवल एक ही दल की सरकार को नहीं चुनेगा। देश में ऐसा कई बार हुआ है कि लोकसभा एवं विधान सभा के एक साथ हुए चुनवा में लोकसभा में एक दल के सांसद को चुना गया है एवं विधान सभा में किसी अन्य दल के विधायक को चुना गया है। भारत आज एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, ऐसे समय में भारत को अपने संसाधनों का उत्पादक कार्यों के लिए उपयोग करना आवश्यक होगा न कि रक्षा एवं सरकारी कर्मचारी देश में बार बार हो रहे चुनाव के कार्यों में व्यस्त रहें। कुल मिलाकर वन नेशन वन इलेक्शन, देश के हित में उठाया जा रहा एक मजबूत कदम है। इस विषय पर, भारत के हित में, देश के समस्त राजनैतिक दलों को गम्भीरता से विचार कर इस नियम को भारत में लागू किया जाना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया |सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार| मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

अभिनय की दुनिया से दूर रहती हैं जैकी श्रॉफ की लाडली कृष्णा श्रॉफ?

कृष्णा श्रॉफ इन दिनों खतरों के खिलाड़ी के फिनाले की वजह से सुर्खियों में हैं। इस सीजन में वह आखिरी दौर तक पहुंचने वाली एकमात्र महिला थी। ग्रैंड फिनाले में उन्होंने करणवीर मेहरा, गश्मीर महाजनी, शालीन भनोट और अभिषेक कुमार के साथ अपनी जगह बनाई थी।

अभिनेत्रियों को लुक में देती हैं मात

कृष्णा श्रॉफ मशहूर अभिनेता जैकी श्रॉफ की बेटी और टाइगर श्रॉफ की बहन हैं। फिल्मी घराने से ताल्लुक रखने के बावजूद भी वह अभिनय की दुनिया से अब तक दूर हैं। भले ही उन्होंने किसी फिल्म में काम नहीं किया है, लेकिन उनकी लोकप्रियता अभिनेत्रियों से कम नहीं है। अपने लुक से वह बड़ी-बड़ी अभिनेत्रियों को भी मात देती हैं।

इतनी पढ़ी-लिखी हैं कृष्णा

कृष्णा श्रॉफ ने अमेरिकन स्कूल ऑफ बॉम्बे से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की है। इसके आगे की पढ़ाई उन्होंने दुबई से की है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म निर्माण और निर्देशन की डिग्री भी ले रखी है।

क्या करती हैं जैकी की लाडली?

आमतौर पर फिल्मी सितारों के बच्चे पढ़ाई पूरी करने के बाद इंडस्ट्री में ही अपनी जगह बनाने की कोशिश में लगे रहते हैं। हालांकि, कृष्णा ने बाकी सबसे अलग एंटरप्रेन्योर बनने का फैसला किया। अपने भाई टाइगर और मां आयशा श्रॉफ के साथ मिलकर उन्हें मार्शल आर्ट स्टूडियो की शुरुआत की, जिसका नाम एमएमए मैट्रिक्स है। फिटनेस के मामले में भी वह अच्छे-अच्छों को मात देती हैं। उनके कई फिटनेस वीडियो उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर मौजूद हैं।

सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा सक्रिय

कृष्णा यूं तो लाइमलाइट से दूर रहना ही पसंद करती हैं, लेकिन अक्सर उनकी बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 14 लाख लोग फॉलो करते हैं। अक्सर वह अपनी तस्वीरों से इंटरनेट का पारा बढ़ा देती हैं।

मां बनने के बाद सेट पर लौटीं यामी गौतम

लंबे समय से पर्दे से दूर रहने और मां बनने के खूबसूरत अहसास के बाद अभिनेत्री यामी गौतम काम पर लौट आई हैं। हाल ही में उन्हें एक विशेष कार्यक्रम में देखा गया, जहां से अभिनेत्री ने अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इंस्टाग्राम पर 1.97 करोड़ फॉलोअर्स वाली यामी ने अपने खूबसूरत लुक के साथ एक शानदार फोटो शेयर की। पोस्ट को कैप्शन देते हुए अभिनेत्री ने लिखा, काम पर वापस लौट रही हूं। इस शानदार इवेंट के लिए टीम का शुक्रिया। बता दें कि यामी ने फिल्म निर्माता आदित्य धर से जून 2021 में शादी की थी। इस साल 20 मई को उन्होंने अपने फैंस को बताया कि वह मां बनी हैं। उन्होंने अक्षय तृतीया के शुभ दिन बच्चे को जन्म दिया। काम की बात करें तो यामी ने 2008 में टीवी शो चांद के पार चलो से टेलीविजन पर डेब्यू किया था। उन्होंने राजकुमार आर्यन में मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद, उन्होंने कलर्स पर प्रसारित होने वाले ये प्यार ना होगा कम में लहर की भूमिका निभाई। उन्होंने रियलिटी शो मीठी चूरी नंबर 1 और किचन चैंपियन सीजन 1 में भी भाग लिया था। उन्होंने 2009 की कन्नड़ फिल्म उल्लास उत्साह में मुख्य भूमिका के साथ अपनी फिल्मी करियर की शुरुआत की। यामी ने 2012 में शूजित सरकार की रोमांटिक कॉमेडी विक्की डोनर में मुख्य भूमिका के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ आयुष्मान खुराना थे। यामी टोटल सियापा, एक्शन जैक्सन, बदलापुर, सनम रे, जुनूनियत, सरकार 3 जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। उन्हें 2019 की फिल्म उरी - द सर्जिकल स्ट्राइक में पल्लवी की भूमिका में देखा गया था, जिसे उनके पति आदित्य धर ने लिखा और निर्देशित किया था। इस फिल्म में विक्की कौशल मुख्य भूमिका में थे। इसमें परेश रावल, कीर्ति कुल्हारी और मोहित रैना ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। अभिनेत्री को पिछली बार अपने पति की प्रोडक्शन फिल्म आर्टिकल 370 में देखा गया था। आदित्य सुहास जांभले द्वारा निर्देशित राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म में प्रियामणि, स्कंद ठाकुर, अश्विनी कौल, वैभव तत्ववादी, अरुण गोविल और किरण करमरकर भी थे। उनकी अगली फिल्म धूम धाम पाइपलाइन में है।

भूल भुलैया 3 के बाद फिर साथ नजर आएंगी माधुरी दीक्षित-तृप्ति डिमरी?

अबुंदतिया एंटरटेनमेंट ने कथित तौर पर अपनी अगली फीचर फिल्म के लिए बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी को चुना है। विक्रम मल्होत्रा के नेतृत्व में यह फिल्म सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में मार्च या अप्रैल 2025 में शुरू होने वाली है। त्रिवेणी को तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी प्रशंसित फिल्मों में उनके काम के लिए पहचाना जाता है। यह फिल्म पहले से ही 1990 के दशक की चर्चित अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और आज की सबसे अधिक मांग वाली अभिनेत्रियों में से एक तृप्ति डिमरी की अनूठी जोड़ी के कारण हलचल पैदा कर रही है। पीपिंग मून के अनुसार, अगली फिल्म की कहानी का विवरण अभी भी गुप्त है, लेकिन यह पता है कि यह तीन किरदारों के इर्द-गिर्द घूमने वाली एक कॉमेडी-ड्रामा होगी। माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी कॉमेडी और एक्शन के इस आकर्षक मिश्रण में एक मां-बेटी की जोड़ी को चित्रित करने के लिए तैयार हैं। उम्मीद है कि फिल्म रोमांच और नाटकीय पलों से भरी होगी। हालांकि, इस फिल्म के लिए मुख्य अभिनेता का चयन अभी तक नहीं किया गया है। आगामी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 2022 में समीक्षकों द्वारा प्रशंसित थ्रिलर जलसा के बाद विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी के बीच सफल साझेदारी को भी जारी रखती है। इस फिल्म के जरिए माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी दूसरी बार स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। दोनों को जल्द ही कार्तिक आर्यन की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा जाएगा। अनीस बज्मी के जरिए निर्देशित इस फिल्म में माधुरी दीक्षित कथित तौर पर एक भूतनी के रूप में कैमियो भूमिका निभा रही हैं। फिल्म इसी साल दिवाली के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। एनिमल के बाद तृप्ति डिमरी की लोकप्रियता में काफी बढ़ोतरी हुई है। उनकी पाइपलाइन में राज शांडिल्य की विक्की विद्या का वो वाला वीडियो शामिल है, जो 11 अक्तूबर को रिलीज होगी। इसके बाद 1 नवंबर को भूल भुलैया 3 और 22 नवंबर को धड़क 2 रिलीज होगी। वह कार्तिक आर्यन के साथ अनुराग बसु की रोमांटिक फिल्म और शाहिद कपूर के साथ विशाल भारद्वाज की एक्शन ड्रामा में अभिनय करने के लिए भी तैयार हैं।

खतरों के खिलाड़ी 14 के विजेता बने करण वीर मेहरा

रोहित शेट्टी के जरिए होस्ट किए जाने वाले स्टंट बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 को उसका विजेता मिल गया है। विनर की चमचमाती ट्रॉफी करण वीर मेहरा ने उठाई है। कई हफ्तों के कठिन स्टंट और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद करण वीर ने कृष्णा श्रॉफ और गश्मीर महाजनी को मात देते हुए विजेता का ताज अपने सिर सजाया। साथ ही एक नई हुंडई क्रेटा घर ले गए। इतना ही नही प्राइज मनी के रूप में करण वीर को 20 लाख रुपये मिले। खतरों के खिलाड़ी 14 के टॉप 2 में करण वीर मेहरा और कृष्णा श्रॉफ थे, गश्मीर तीसरे स्थान पर रहे। पूरे सीजन में अपने शांत दृष्टिकोण और दृढ़ भावना के लिए जाने जाने वाले करण वीर ने लास्ट स्टंट में इतना बेहतरीन प्रदर्शन किया कि वह विजेता की ट्रॉफी अपने नाम करने में सफल हो गए। ट्रॉफी जीतने के बाद करण वीर मेहरा ने मीडिया से रूबरू होते हुए अपने विश का खुलासा किया। अभिनेता ने बताया कि उन्होंने विश मांगी थी कि अगर वह खतरों के खिलाड़ी 14 की ट्रॉफी जीत लेंगे तो घर आते ही अपने सारे बाल उड़ा देंगे। करण वीर ने यह भी कहा कि अगर आसिम रियाज होते तो वह शो जीत सकते थे, लेकिन अपनी बेवकूफी की वजह से उन्होंने सबकुछ खराब कर दिया। जानकारी हो कि करण वीर मेहरा जाने-माने टेलीविजन अभिनेता हैं। वह टीवी के कई टॉप शोज का हिस्सा रह चुके हैं।

बिजी शेड्यूल से समय निकालकर परिवार के संग रहना पसंद करती हैं कैटरीना

अभिनेत्री कैटरीना कैफ बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्रियों में से एक हैं। कैटरीना अक्सर कई मौकों पर अपने काम से जुड़े किस्सों, पति विक्की कौशल के साथ बिताए पलों और उनसे जुड़ी बातों को प्रशंसकों के साथ साझा करना पसंद करती हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वो अपने काम के बीच भी समय निकालकर अपने करीबियों और परिवार के साथ समय बिताना पसंद करती हैं। यही पल उन्हें फिर से एनर्जी के साथ काम करने की ताकत देते हैं। कैटरीना ने एक इंटरव्यू में अपने काम और परिवार के बीच समय बिताने को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, जब आप लगातार काम करते हैं, तो निजी कामों के लिए समय निकालना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसी परिस्थिति में काम के साथ परिवार के लिए समय बिताना भी उतना ही जरूरी हो जाता है। जरूरी है कि हम अपने लिए समय निकालें। उस समय में हम अपना पसंदीदा काम करें या आराम करें। ऐसे पल हमें एनर्जी देते हैं। कई बार लोग कुछ सामान्य से पलों को अनदेखा कर देते हैं जबकि वो हमारे जीवन के लिए बहुत ही अमूल्य साबित हो सकते हैं। मेरे लिए काम के साथ अपने लिए समय निकालना थोड़ा मुश्किल रहता है, लेकिन मैं कोशिश करती हूं कि कुछ समय अपने लिए जरूर निकाल पाऊं।

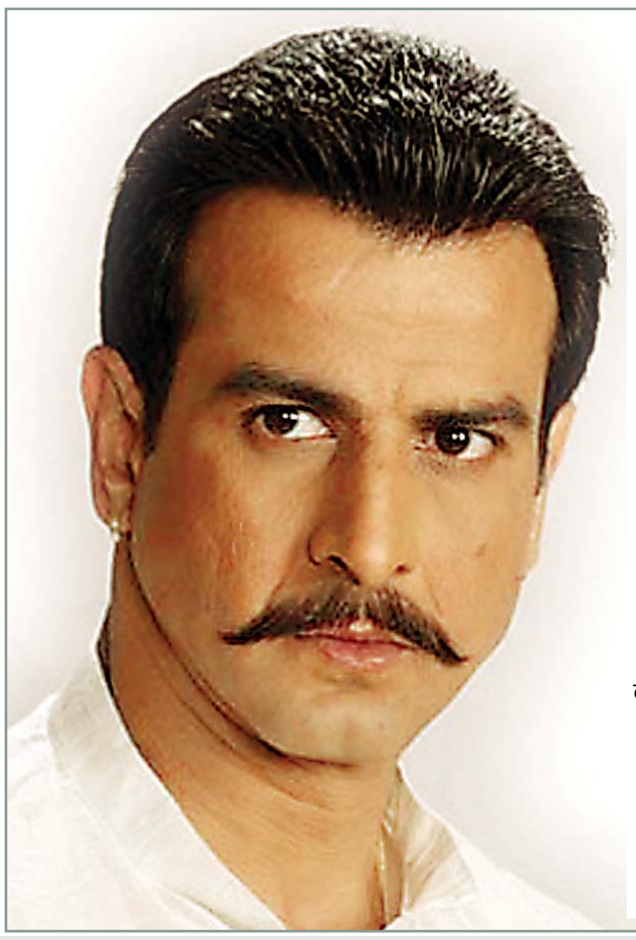

दर्दनाक रहा रोनित रॉय का 'बड़े मियां छोटे मियां' में काम करने का अनुभव, ये चीज बनी वजह

बॉलीवुड अभिनेता रोनित रॉय ने हाल ही में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अभिनीत 'बड़े मियां छोटे मियां' की फिल्म में काम करने के अनुभवों को साझा किया। रोनित रॉय ने फिल्म में काम करने के अनुभव को दर्दनाक बताया। इसके अलावा, अभिनेता ने पूजा एंटरटेनमेंट के वाशु भगनानी के साथ काम करने से इनकार करने की बात भी कही। हाल ही में जूम को दिए गए एक साक्षात्कार में अभिनेता ने साझा किया कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें अपने काम के लिए अभिनय शुल्क मिला। उन्होंने कहा कि जो भुगतान उन्हें वाशु भगनानी से मिलना था उसे मिलने में देर हुई। हालांकि, हिमांशु मेहरा, जो बीएमसीएम के निर्देशक अली अब्बास जफर के साथ काम करते हैं उनके हस्तक्षेप के बाद ही प्रक्रिया शुरू की गई। अभिनेता ने साक्षात्कार के दौरान कहा, 'और जब मुंबई में मेरे कर्मचारियों और सेट की सुरक्षा करने वाले सुरक्षा कंपनी के बकाया की बात आई, तो इसमें बहुत देरी हुई और हमें वह भी हिमांशु मेहरा की वजह से मिला।' इसके अलावा अभिनेता रोनित रॉय ने कहा कि हिमांशु के कहने पर उनके कर्मचारियों को दुबई सब्सिडी से भुगतान किया गया था। अभिनेता ने कहा, 'हिमांशु और जफर अब सिर्फ यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि कम से कम समय में ज्यादा से ज्यादा भुगतान हो जाए। रोनित ने कहा कि उनके काम करने का अनुभव दर्दनाक रहा। रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में, वाशु ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि अली ने बीएमसीएम प्रोडक्शन को हाईजैक कर लिया है। जवाब में, रॉय ने कहा, 'वाशु हर दिन सेट पर थे। वह एक अनुभवी कलाकार हैं। यह विश्वास करना मुश्किल है कि उन्हें सेट पर यह कैसे पता नहीं चला।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2 सितंबर, 2024 को बांद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई।

ओपन मैरिज में रहने को गलती मानती हैं कल्कि

अभिनेत्री कल्कि केकलां आजकल सिल्वर स्क्रीन पर बहुत कम नजर आती हैं। अभिनेत्री इन दिनों अपनी फिल्म गोल्ड फिश को लेकर काफी चर्चा में हैं। कल्कि हमेशा से ही अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियों में रही हैं। अब हाल ही में, कल्कि ने ओपन मैरिज पर अपनी राय साझा की हैं। कल्कि ने कहा कि एक समय में वह इन ऑप्शंस की खोज में रहती थी, लेकिन अब उस रास्ते पर नहीं जाना चाहती हैं। कल्कि ने कहा, वह मेरे जीवन का एक अलग दौर था, मुझे नहीं लगता कि अब मैं इसमें शामिल हो सकती हूं।

भारत का ऑलराउंड प्रदर्शन, बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट में हराकर किया क्लीन स्वीप

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला गया भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच भारतीय टीम ने 7 विकेट से अपने नाम किया। इसके साथ ही रोहित ब्रिगेड ने दो मैचों की सीरीज को 2-0 से अपने नाम किया है। कानपुर टेस्ट की जीत किसी करिश्माई जीत से कम नहीं थी, क्योंकि मैच के दो दिन का खेल बारिश के कारण बाधित रहा था और पहले दिन महज 35 ओवर का ही खेल हुआ था।

यशस्वी जायसवाल ने दोनों पारियों में बेहतरीन पारी खेकर अर्धशतक जड़े। दूसरे टेस्ट मैच के आखिरी दिन भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती ये थी कि बांग्लादेश के 8 विकेट गिराने हैं। ये काम भारत के लिए जसप्रीत बुमराह (3), रविंद्र जडेजा (3), अश्विन (3) और आकाशदीप (1) ने मिलकर कर दिया। दिन के पहले सेशन में बांग्लादेश को 146 पर ढेर कर दिया। इस तरह जीत के लिए 95 रनों का लक्ष्य भारत को मिला, जिसे रोहित एंड कंपनी ने 17.2 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। बांग्लादेश ने पहली पारी में 233 रन बनाए थे।

इसके जवाब में भारत ने 285/9 पर पारी घोषित कर दी थी। बांग्लादेश की दूसरी पारी को भारत ने 146 पर समेट दिया था। भारत ने आसानी से 95 रनों के लक्ष्य को चेज कर लिया। वहीं इस टेस्ट सीरीज को जीतने के बाद टीम इंडिया ने अपने नाम एक महारिकॉर्ड दर्ज कराया। रोहित ब्रिगेड ने वह कारनामा कर दिखाया जो आजतक दुनिया की कोई भी टीम नहीं कर पाई।

दरअसल, भारतीय टीम ने नवंबर 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज हारने के बाद अपने घर में एक बार भी हार नहीं झेली। बांग्लादेश के खिलाफ मिली टेस्ट सीरीज में जीत के बाद भारत ने ये रिकॉर्ड बरकरार रखा।

वहीं 12 साल से टीम इंडिया अपने घर में कोई भी टेस्ट सीरीज नहीं हारी है। भारत ने घर में पिछले 51 टेस्ट मैचों में सिर्फ 4 मैच गंवाए हैं। वहीं, टीम इंडिया ने साल 2012 से लेकर अभी तक अपने घर में 40 टेस्ट मैच जीते। इस दौरान 7 टेस्ट मैच ड्रॉ पर खत्म हुए।

अश्विन डब्लूटीसी के तीनों संस्करणों में 50 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने

कानपुर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ यहां खेले जा रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तीन विकेट लेने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अब अश्विन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) के तीनों की संस्करणों में 50 से ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये हैं। अश्विन ने बांग्लादेश की पहली पारी में शाकिब अल हसन का विकेट लेते ही अपने 50 विकेट पूरे किये। अश्विन ने इसके बाद बांग्लादेश की दूसरी पारी में भी 2 विकेट लिए।

अश्विन के नाम अब डब्ल्यूटीसी के इस सत्र में 52 विकेट हो गए हैं। उनसे ज्यादा विकेट किसी अन्य गेंदबाज ने नहीं लिए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड 51 विकेट के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं, इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के ही पैट कमिंस 48 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। अश्विन ने इससे पहले डब्ल्यूटीसी (2019-21) के पहले सत्र में 71 विकेट लिए थे। वे पहले सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर थे। इसके बाद उन्होंने दूसरे सत्र में कुल 61 विकेट लिए। इस प्रकार अश्विन ने डब्ल्यूटीसी के तीन सत्रों के 37 मैचों में कुल 182 विकेट लिए हैं। अब उन्हें नाथन लायन 187 का रिकार्ड तोड़ने के लिए छह विकेट की जरुरत है।.

मोर्कल ने जडेजा को मैच विजेता खिलाड़ी बताया

कानपुर (एजेंसी)। भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा की जमकर प्रशंसा करते हुए उसे एक संपूर्ण खिलाड़ी बताया है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर रहे मोर्कल ने कहा कि जडेजा एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं जो अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी के बल पर किसी भी मैच का रुख बदल सकते हैं। कोच ने कहा कि जिस प्रकार जडेजा ने 74 मैचों टेस्ट मैचों में ही 3000 रन और 300 विकेट हासिल किये उससे उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है। इससे पहले केवल इंग्लैंड के महान ऑलराउंडर इयान बॉथम ने 72 मैचों में 3000 टेस्ट रन और 300 विकेट लिए थे। जडेजा ने बांग्लादेश हसन महमूद को आउट कर अपने 300 विकेट पूरे किये। मोर्कल ने कहा कि मेरे लिए जडेजा एक ऐसा खिलाड़ी है जो किसी भी भूमिका चाहे वह बल्लेबाजी हो या गेंदबाज खरा उतरता है। हैवह मैदान पर ऐसा खिलाड़ी है जो जादू कर सकता है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसे आप हमेशा अपनी टीम में रखना चाहेंगे। वह पिछले कई वर्षों से भारत के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। मोर्कल के अनुसार 300 क्लब में शामिल होना एक बड़ी उपलब्धि है। वह किसी भी मैच में अपनी ओर से पूरे प्रयास करता है। जडेजा ने आर अश्विन के साथ मिलकर विरोधी टीम के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया है। मोर्कल ने कहा कि ये दोनो ही बल्लेबाज को कोई अवसर नहीं देते हैं। आपको इहमेशा रन बनाने के तरीके खोजने होंगे। दोनों गेंदबाज अगर एक साथ गेंदबाजी करते है तो बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

विराट कोहली ने शाकिब अल हसन को गिफ्ट किया बल्ला

कानपुर (एजेंसी)। भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने कानपुर में दूसरे टेस्ट मैच की समाप्ति के बाद बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन को उनके उल्लेखनीय टेस्ट करियर के लिए अपना क्रिकेट बल्ला उपहार में दिया। शाकिब ने घोषणा की है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी श्रृंखला घरेलू धरती पर उनकी आखिरी श्रृंखला होगी, बशर्ते उन्हें मौका दिया जाए। अन्यथा, भारत के खिलाफ श्रृंखला उनकी विदाई सीरीज के रूप में याद रखी जाएगी।

शाकिब ने कानपुर में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह मेरी आखिरी टेस्ट सीरीज हो सकती है। मैं दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के लिए उपलब्ध हूं, लेकिन चूंकि घर पर बहुत कुछ हो रहा है, स्वाभाविक रूप से, सब कुछ मुझ पर निर्भर नहीं करता है। मैंने बीसीबी के साथ टेस्ट क्रिकेट के लिए अपनी योजनाओं पर चर्चा की है। विशेष रूप से इस श्रृंखला और घरेलू श्रृंखला के बारे में। मैंने फारूक भाई (बीसीबी अध्यक्ष) और चयनकर्ताओं को बता दिया है। अगर मौका है और अगर मैं खेल सकता हूं, तो मेरा आखिरी टेस्ट मीरपुर में होगा। बोर्ड यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि मैं खेल सकूं और सुरक्षित महसूस कर सकूं, साथ ही मैं बिना किसी रोक-टोक के देश छोड़ सकता हूं। मैं बांग्लादेश का नागरिक हूं, इसलिए मुझे बांग्लादेश वापस जाने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। मेरे करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य चिंतित हैं। उम्मीद है कि चीजें बेहतर हो रही हैं। इसका कोई समाधान होना चाहिए।

बहरहाल, अक्टूबर में होने वाली सीरीज अभी अस्थायी है। क्योंकि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इस सप्ताह के शुरू में आयोजन स्थल के निरीक्षण के बाद अभी तक सुरक्षा मंजूरी नहीं दी है। ऐसा तब हुआ है जब शेख हसीना ने 5 अगस्त को बांग्लादेश के प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और देश में छात्रों के नेतृत्व में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर भाग गईं। तब शाकिब कनाडा में ग्लोबल टी20 लीग खेल रहे थे। टूर्नामेंट के समापन के बाद वह पाकिस्तान दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलने आए। पाकिस्तान में ऐतिहासिक सीरीज जीतकर बांग्लादेश की टीम भारत पहुंची थी। लेकिन वह यहां भारत से टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई।

बता दें कि इस सप्ताह की शुरुआत में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के क्रिकेट संचालन प्रभारी शहरयार नफीस ने कहा था कि जब शाकिब अवामी लीग सरकार के पतन के बाद पहली बार बांग्लादेश लौटेंगे तो उन्हें ÷गलत तरीके से परेशान÷ नहीं किया जाएगा। शाकिब पर पिछले महीने ढाका में एक हत्या के मामले में 147 लोगों के समेत मामला दर्ज किया गया था। 38 वर्षीय इस साल जनवरी में संसद सदस्य बने। इस मामले पर बांग्लादेश के कानून सलाहकार आसिफ नजरूल ने भी उम्मीद जताई थी कि मामले के सिलसिले में शाकिब को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

यह जादू नहीं, बांग्लादेश के खिलाफ जीत के बाद बोले जसप्रीत बुमराह

कानपुर । भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने स्वयं को जादूगर कहे जाने पर कानपुर टेस्ट जीतने के बाद कहा कि मैं विशेषण में विश्वास नहीं रखता यह परिस्थितियों के अनुसार अनुभव का उपयोग है। दूसरे टेस्ट मैच में कुल छह विकेट लेने वाले बुमराह ने (स्वयं को जादूगर कहे जाने पर) कहा कि मैं इस तरह के विशेषण में विश्वास नहीं रखता। यह टेस्ट जीत बेहद खास है। ऐसी स्थिति में आप अपने अनुभव का उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि चेन्नई की तुलना में यहां जीतना तुलनात्मक तौर पर अलग था। आकाश दीप बढ़िया गेंदबाजी कर रहे हैं और जिस तरह से वह लगातार बेहतर कर रहे हैं, उसे देखकर मैं बेहद खुश हूं। हमारा लंबा टेस्ट सत्र है इसलिए टी-20 विश्वकप के बाद से ब्रेक जरूरी था। अभ्यास भी उतना ही आवश्यक है और यह भी देखना जरूरी था कि इस टेस्ट सत्र के लिए हमारी तैयारी पूरी हो। बुमराह ने बांग्लादेश की पहली पारी में 18 ओवर में 50 रन देकर तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके थे। चौथे दिन के पहले सत्र की शुरुआत में जसप्रीत बुमराह ने बांग्लादेश के बल्लेबाज मुशिफकुर रहीम (11) को अपनी जादुई गेंद पर बोल्ड कर दिया था। इसके बाद बांग्लादेश की दूसरी पारी में भी उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार अपने अनुभव का उपयोग करते हुए 10 ओवर में मात्र 17 रन देकर तीन विकेट लिए।

भारतीय महिला टीम ने टी20 विश्वकप के लिए काफी अच्छी तैयारी की - लक्ष्मण

बेंगलुरू । राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के लिए काफी अच्छी तैयारी की है जिसका परिणाम टूर्नामेंट में मिलेगा। लक्ष्मण के अनुसार कप्तान हरमनप्रीत कौर की टीम ने सेंटर आफ एक्सीलैंस में लगाये गए शिविर में काफी अभ्यास करने के साथ ही मैच भी खेले हैं। भारतीय टीम चार अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। लक्ष्मण ने कहा, 'उन्होंने जिस प्रतिबद्धता, समर्पण और ऊर्जा के साथ तैयारी की है, वह सराहना के योग्या है। मुझे उनकी तैयारियों पर गर्व है। यह काफी अच्छा शिविर था और मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने इस तरीके से तैयार किया था कि पहले चरण में मानसिक और शारीरिक पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित किया गया। इसके बाद ब्रेक था और दूसरे चरण में कौशल तथा तकनीकी पहलू पर जोर दिया गया। इस दौरान टीम ने केवल नेट्स अभ्यास ही नहीं किया बल्कि मैच भी खेले। लक्ष्मण ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग के आने के बाद देश में महिला क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि महिला क्रिकेट का ग्राफ तेजी से ऊपर जा रहा है। युवा लड़कियों और अंतरराष्ट्रीय महिला खिलाड़ियों की तैयारी का स्तर पहले से अच्छा हुआ।

एलिस पेरी है विश्व की सबसे धनी महिला क्रिकेटर

मुम्बई । पिछले कुछ समय में महिला क्रिकेट भी काफी ऊपर गया है और इसमें भी पुरुष क्रिकेट की तरह ही लीग टूर्नामेंट शुरु हो गये है। इससे महिला क्रिकेटरों के प्रदर्शन के साथ ही उनकी कमाई भी तेजी से बढ़ी है। आज ऑस्ट्रेलिया और भारत की कई महिला क्रिकेटर करोडों की कमाई कर रही हैं। ये महिलाएं अब अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के अलावा अलग-अलग देशों में लीग क्रिकेट भी खेलती है। विश्व की सबसे धनी महिला क्रिकेटर हैं ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एलिस पेरी हैं। 33 साल की पेरी की कुल नेट वर्थ 14 मिलियन डॉलर तकरीबन 117 करोड़ से ज्यादा भारतीय रुपये है। पेरी क्रिकेट के अलावा विज्ञापनों से भी मोटी कमाई करती हैं। इसके अलावा वह महिला आईपीएल और ऑस्ट्रेलिया की महिला बिग बैश लीग के अलावा कई अन्य टी20 लीग भी खेलती हैं। वहीं कमाई में दूसरे नंबर पर भी ऑस्ट्रेलिया की ही पूर्व कप्तान मेग लैनिंग हैं। लैनिंग की कुल संपत्ति 9 मिलियन डॉलर तकरीबन 75 करोड़ से रुपये हैं। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज तीसरे नंबर पर है। मिताली की नेट वर्थ तकरीबन 42 करोड़ रुपये है। वहीं भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज ओपनर स्मृति की नेट वर्थ लगभग 34 करोड़ के आसपास है। इसके अलावा भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की नेट वर्थ लगभग 26 करोड़ है। इंग्लैंड की दिग्गज विकेटकीपर सारा टेलर की कुल संपत्ति लगभग 17 करोड़ है। ऑस्ट्रेलिया की ही एक अन्य ऑलराउंडर हॉली फरलिंग की नेट वर्थ लगभग 13 करोड़ है।

डब्ल्यूटीसी के इतिहास की सबसे सफल कप्तान बने रोहित शर्मा, विराट कोहली और बेन स्टोक्स को पछाड़ा

कानपुर (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया ने बांग्लादेश टीम को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मात देकर 2-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। इसके साथ ही रोहित शर्मा आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप यानी डब्ल्यूटीसी के इतिहास के सबसे सफल कप्तान बन गए। रोहित शर्मा विनिंग पर्सेंटेज के हिसाब से डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान बन गए हैं। इस मामले में रोहित शर्मा अपने ही देश के पूर्व कप्तान विराट कोहली और इंग्लैंड की टीम के मौजूदा कप्तान बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ दिया है। इतना ही नहीं, रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट की भी बराबरी डब्ल्यूटीसी टेस्ट मैच जीतने के मामले में कर ली है।

भारत की टीम के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा का जीत प्रतिशत डब्ल्यूटीसी के इतिहास में 66.70 हो गया है, जबकि विराट कोहली ने 63.6 प्रतिशत के हिसाब से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में मैच जीते थे। लिस्ट में तीसरे नंबर बेन स्टोक्स हैं, जिनका जीत प्रतिशत इंग्लैंड के लिए 62.5 है। हालांकि, सबसे ज्यादा टेस्ट मैच पैट कमिंस ने 17 टेस्ट मैच डब्ल्यूटीसी के इतिहास में जीते हैं। बेन स्टोक्स 15 टेस्ट मैचों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। विराट कोहली ने 14 टेस्ट डब्ल्यूटीसी में जीते हैं और रोहित शर्मा के साथ जो रूट ने 12-12 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की है।

बता दें कि, रोहित शर्मा ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से कप्तानी संभाली थी। इसके बाद से वे एक भी सीरीज हारे नहीं हैं। एक सीरीज ड्रॉ जरुर रही है, लेकिन वे हर एक सीरीज को जीते हैं। हालांकि, एक अपवाद ये भी है कि वे डब्ल्यूटीसी का फाइनल भी हारे हैं।

रोनाल्डो के गोल से अल नस्र ने चैंपियन्स लीग में अल रेयान को हराया

रियाद । क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल से सऊदी अरब के अल नस्र ने सोमवार को एएफसी चैंपियन्स लीग एलीट ग्रुप चरण के मैच में कतर के अल रेयान को 2-1 से हराया। पांच बार के बेलोन डिओर पुरस्कार विजेता रोनाल्डो वायरल संक्रमण के कारण इराक के अल शोर्ता के खिलाफ दो हफ्ते पहले 1-1 से ड्रॉ रहे टीम के पहले मैच में नहीं खेल पाए थे। उनका एक गोल ऑफ साइड हो गया लेकिन मैच खत्म होने से 14 मिनट पहले उन्होंने एक और गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। लीवरपूल के पूर्व फारवर्ड सादियो माने ने मध्यांतर से ठीक पहले अल नस्र को बढ़त दिलाई जबकि रोनाल्डो ने टीम की बढ़त को 2-0 किया। मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले रोजर गुएडेस ने अल रेयान के लिए गोल दागा लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाए। अन्य मुकाबलों में सऊदी अरब के अल अहली ने यूएई के अल वासल को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की जबकि कतर के अल साद ने ईरान के एस्टेघलाल को इसी अंतर से हराया। ईरान के पर्सेपोलिस और उज्बेकिस्तान के पाख्ताकोर का मुकाबला 1-1 से बराबर रहा।

जर्मनी के खिलाफ घरेलू हॉकी सीरीज की तैयारी के लिये शिविर में 40 संभावित

कानपुर (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने विश्व चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस महीने के आखिर में यहां होने वाली दो मैचों की श्रृंखला की तैयारी के लिये बेंगलुरू में सीनियर पुरूष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में 40 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया है। जर्मनी के खिलाफ 23 और 24 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर दो मैच खेले जायेंगे। शिविर एक से 19 अक्टूबर तक चलेगा।

भारतीय टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता और चीन में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में खिताब बरकरार रखा। शिविर में फोकस खिलाड़ियों के कौशल को निखारने और मैचों के दौरान की रणनीति पर होगा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा ,'' विश्व चैम्पियन के खिलाफ खेलना बेहतरीन मौका है जिसमें हम अपनी क्षमता दिखा सकते हैं। संभावित खिलाड़ियों में शामिल हर एक के पास विभिन्न स्तर पर अनुभव है और हम एक टीम के रूप में अच्छे प्रदर्शन की कोशिश करेंगे।''

संभावित खिलाड़ी

गोलकीपर - कृशन बहादुर पाठक, पवन, सूरज करकेरा, मोहित

डिफेंडर - जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, अमनदीप लाकड़ा, नीलम संजीप सेस, वरूण कुमार, यशदीप सिवाच, दिप्सन टिर्की, मनदीप मोर

मिडफील्डर - राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलाकांता शर्मा, एम रबिचंद्र सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, विष्णुकांत सिंह , राजिंदर सिंह, पूवन्ना सीबी

फॉरवर्ड - अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह, अंगद बीर सिंह, आदित्य लालागे, बॉबी सिंह धामी, सुदीप चिरमाको, एस कार्ति, मनिंदर सिंह, शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह।

मैच फिक्सिंग के आरोपों से दबाव में रहती थी पाकिस्तानी टीम : मुदस्सर नजर

लाहौर । पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर मुदस्सर नजर ने कहा है कि जब मैच फिक्सिंग के मामले लगातार सामने आ रहे थे तब हमारी मुश्किलें काफी बढ़ गयीं थी क्योंकि अगर हम भारतीय टीम से हारते तो हमपर फिक्सिंग के आरोप लग जाते थे। ऐसे में टीम के ड्रेसिंग रुम का माहौल बेहद तनावपूर्ण रहता था। इसका एक कारण ये भी था कि पाक के कई क्रिकेटरों पर फिक्सिंग के आरोप हैं। इसी कारण मोहम्मद आमिर, मोहम्मद आसिफ, सलमान बट, शरजील खान और खालिद लतीफ जैसे खिलाड़ियों पर प्रतिबंध भी लगाया गया था। इस पूर्व पाक क्रिकेटर ने कहा कि अगर आप 90 के दशक में हमारी टीम को देखें, तो वह ऑस्ट्रेलिया जितनी ही अच्छी थीं पर इसके बाद भी हमें मैच फिक्सिंग के कारण मैच हारने का डर बना रहता था। इसी कारण पाक टीम बेहद दबाव में रहती थी। वे कोई गेम हारते थे, तो लोग सोचते थे कि मैच फिक्स था। कोई भी यह मानने के लिए तैयार नहीं था कि वे असल में अपने से बेहतर टीम से हारे हैं। मैं भी उस टीम का हिस्सा था जिसे गेम हारने का डर था, और यह पूरी तरह से मैच फिक्सिंग जैसे आरोपों को लेकर था। 1976 से 1989 तक पाकिस्तान के लिए खेल इस क्रिकेटर नजर का यह भी मानना ??है कि मैच फिक्सिंग के इस विवाद ने टीम के प्रदर्शन पर विपरीत प्रभाव डाला। इसी कारण पिछले डेढ़ साल में सभी प्रारूपों में उसका प्रदर्शन नीचे आया है। साथ ही कहा कि कोई भी पाकिस्तानी जानबूझकर भारतीय टीम ने मैच नहीं हारना चाहता था। हमने इसे शारजाह में देखा है और इसीलिए यह इतना बड़ा आयोजन था। क्रिकेट के मामले में ऐसा नहीं था, लेकिन शायद आम जनता के दिमाग में जो बात भर गयी थी उसे हम निकाल नहीं पाये।

मैं यह मैच जीतना चाहता था, बांग्लादेश के खिलाफ जीत में महत्वपूर्ण योगदान देकर बोले जायसवाल

कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टेस्ट जीतने के बाद भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने कहा कि मैं यह मैच जीतना चाहता था। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ कानपुर में खेले गए दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में 7 विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज 2-0 से अपने नाम की। यशस्वी जायसवाल ने दोनों पारियों में अर्धशतक लगाए और टीम की जीत में महत्वपूर्व योगदान दिया। उन्होंने पहली पारी में 72 जबकि दूसरी इनिंग में 51 रन बनाए जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

मैच के बाद जायसवाल ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं बस यही सोच रहा था कि मैं अपनी टीम के लिए क्या कर सकता हूं। चेन्नई में परिस्थितियां अलग थीं और यहां भी अलग। हर पारी महत्वपूर्ण है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता हूं और उसी तरीके से तैयारी करता हूं। मुझे कहा गया कि मैं जिस तरह से खेलना चाहता हूं, खेलूं। मैं यह मैच जीतना चाहता था।' गौर हो कि भारत ने 95 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी जायसवाल (51) के अर्धशतक और विराट कोहली की 29 रन की शानदार पारी की बदौलत 7 विकेट से जीत अपने नाम की। इससे पहले गेंदबाजों के दम पर बांग्लादेश की टीम भारत के खिलाफ दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पांचवें दिन 26/2 के आगे खेलते हुए 146 रन पर ढेर हो गई। रविचंद्रन अश्विन, सप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा ने शानदार गेंदबाजी का नमूना पेश करते हुए 3-3 विकेट अपने नाम किए जबकि आकाशदीप ने एक विकेट झटका। बांग्लादेश की तरफ से दूसरी पारी में शादमान इस्लाम (50) के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चला। पहली पारी में शतक लगाने वाले मोमिनुल हक भी मात्र 2 रन ही बना पाए। इससे पहले भारत ने पहले टेस्ट में चौथे दिन मैच जीतकर विजय के साथ सीरीज की शुरूआत की थी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आतंकवादियों ने पंजाब के 7 मजदूरों की हत्या की

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में संदिग्ध आतंकवादियों ने रविवार को पंजाब के कम से कम सात मजदूरों की हत्या कर दी। बलूचिस्तान में लक्षित हत्या की यह नवीनतम घटना है। पुलिस ने बताया कि पंजगुर कस्बे के खुदा-ए-अबादान इलाके में ये मजदूर एक मकान के निर्माण कार्य में लगे थे। उसने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों ने यह हमला उस समय किया जब सभी मजदूर दिनभर काम करने के बाद एक ही छत के नीचे सो रहे थे। पुलिस ने बताया कि सभी पंजाब के मुल्तान जिले के रहने वाले थे। पुलिस महानिरीक्षक मोअज्जम जाह अंसारी ने समाचार पत्र 'डॉन को बताया, ''गोलीबारी में सात मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान साजिद, शफीक, फैयाज, इफ्तिखार, सलमान, खालिद और अल्लाह वासिया के रूप में हुई है। किसी भी आतंकवादी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। पंजगुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फाजिल शाह बुखारी ने कहा कि यह एक आतंकवादी हमला है और जांच शुरू कर दी गई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले की निंदा की।

लेबनान दौरे पर पहुंचे फ्रांस के विदेश मंत्री

बेरूत, एजेंसी। इस्राइल लगातार लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हवाई हमले कर रहा है। इन हमलों के बीच रविवार को फ्रांस के विदेश मंत्री जीन नोएल बैरट लेबनान पहुंचे हैं। इस्राइल के हमलों के बाद फ्रांस ने तुरंत हमले रोकने की मांग की थी। फ्रांस की तरफ से लेबनान को मानवीय मदद भी पहुंचाई गई है। इस्राइल-हिजबुल्ला की लड़ाई के पूरे पश्चिम एशिया में फैलने का डर है।

अमेरिका का सीरिया में बड़ा हवाई हमला, 37 आतंकी ढेर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने रविवार को सीरिया में आतंकियों के ठिकानों पर चुन-चुन कर हमले किए. इन हमलों में आईएसआईएस के बड़े नेताओं सहित 37 आतंकवादियों को मार गिराया गया. एक बयान में अमेरिका के सेंट्रल कमांड ने कहा कि सुरक्षा बलों ने सीरिया में टारगेटेट अटैक किए. इस दौरान आईएसआईएस और अलकायदा से जुड़े हुर्र अल-दीन के आतंकवादी संगठनों के कई बड़े नेताओं समेत 37 आतंकवादियों को मार गिराया गया. बयान में आगे कहा गया कि हवाई हमले क्षेत्र के साझेदारों के साथ मिलकर किए गए. इसमें सहयोगियों ने हमलों की योजना बनाने, उन्हें संगठित करने, आतंकवादियों के प्रयासों को बाधित करने और उन्हें कमजोर करने में मदद की. बता दें कि इससे पहले 24 सितंबर को अमेरिकी सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिम सीरिया में एक टारगेटेड अटैक किया था. इसमें नौ आतंकवादी मारे गए थे, जिनमें सीरिया से सैन्य अभियानों की देखरेख के लिए जिम्मेदार हुर्रस अल-दीन का एक वरिष्ठ नेता मारवान बासम अब्द-अल-रऊफ भी शामिल था. हुर्रस अल-दीन सीरिया में अलकायदा से संबद्ध संगठन है. इसका उद्देश्य अमेरिका और पश्चिमी हितों को निशाना बनाना है. मारवान बासम अब्द-अल-रऊफ के खिलाफ सफल हमला हुर्रस अल-दीन के एक अन्य वरिष्ठ नेता अबू-अब्द अल-रहमान अल मक्की की हत्या के एक महीने बाद हुआ है. अमेरिकी सुरक्षा बलों ने अपने बयान में 16 सितंबर को आईएसआईएस के एक प्रशिक्षण शिविर पर किए गए हमले की भी जानकारी दी. इस हमले में 28 आईएसआईएस आतंकी मारे गए. इसके साथ ही 16 सितंबर की सुबह भी मध्य सीरिया में एक सुदूर आईएसआईएस ट्रेनिंग सेंटर पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए गए. इस हमले में कम से कम चार बड़े नेताओं सहित कम से कम 28 आईएसआईएस मारे गए।

इजराइली नेता से बात करेंगे, पश्चिम एशिया में पूर्ण युद्ध टाला जाना चाहिए : बाइडन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रशासन ने सावधानी से कदम उठाने की कोशिश की है, क्योंकि उसने हमास के साथ इजराइल के युद्ध को रोकने की कोशिश की है, जो हिज्बुल्ला की तरह ईरान द्वारा समर्थित है, ताकि यह एक व्यापक युद्ध में न तब्दील हो। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को कहा कि वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करेंगे और उनका मानना है कि पश्चिम एशिया में पूर्ण युद्ध से बचा जाना चाहिए। वाशिंगटन के लिए एयरफोर्स वन विमान में सवार होते समय बाइडन ने संवाददाताओं से कहा, ''ऐसा होना ही चाहिए। हमें वास्तव में इसे रोकना है।'' राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रविवार को लेबनान में इजराइल के हवाई हमलों में दर्जनों लोग मारे गए। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह नेतन्याहू से कब बात करेंगे। इजराइल ने चरपंथी समूह हिज्बुल्ला के कमान पर कई हमले किए हैं और ऐसे ही हमले में उसका अध्यक्ष हसन नसरल्ला भी मारा गया है। अमेरिका नसरल्ला की मौत को हिज्बुल्ला के लिए एक बड़ा झटका मानता है। साथ ही, अमेरिकी प्रशासन ने सावधानी से कदम उठाने की कोशिश की है।

डोनाल्ड ट्रंप की फिर फिसली जुबान, कमला हैरिस पर आपत्तिजनक टिप्पणी, कहा– वो मानसिक रूप से विकलांग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, उम्मीदवारों के एक-दूसरे पर निजी हमले बढ़ गए हैं। एक दिन पहले नेवाडा में कमला हैरिस की रैली से पहले लास वेगास में डोनाल्ड ट्रंप की 43 फीट ऊंची नग्न प्रतिमा की प्रदर्शनी लगाई गई। लास वेगास नेवाडा जिले में सबसे अधिक आबादी वाला शहर है। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने कमला हैरिस पर एक बार फिर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। उन्होंने एक रैली में उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस को मानसिक रूप से विकलांग कहा। ट्रंप ने मांग की कि चुनाव जीतने के लिए विदेशी अपराधियों के लिए अमेरिका के द्वार खोलने के कारण कमला हैरिस को अयोग्य घोषित कर देना चाहिए। ट्रंप का अवैध डेमोक्रेटिक सरकार पर अवैध प्रवासियों को अमेरिका में रहने की परमिशन देने का आरोप है।

डोनाल्ड ट्रंप ने विस्कॉन्सिन में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अवैध रूप से सीमा पार करने वाले आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को अमेरिका में आने देने वाली डेमोक्रेटिक सरकार की आलोचना की जानी चाहिए। उन्होंने ऐसे अप्रवासियों के खिलाफ कठोर शब्दों का प्रयोग किया और आरोप लगाया कि ये लोग महिलाओं के खिलाफ अपराध में सबसे ज्यादा शामिल हैं। ट्रंप ने इसके लिए डेमोक्रेटिक सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कमला हैरिस को मानसिक रूप से विक्षिप्त कहा और आरोप लगाया कि वे चुनाव जीतने के लिए ऐसे अपराधियों को देश के भीतर आने दे रही हैं।

दरअसल, कमला हैरिस ने बीते शुक्रवार को अमेरिका-मैक्सिको सीमा का दौरा किया था, जहां अधिकतर अप्रवासी लोग रह रहे हैं। जनसभा के दौरान ट्रंप का फोकस अप्रवासियों पर केंद्रित था। उन्होंने अप्रवासियों के लिए राक्षस, पत्थर दिल जैसे शब्दों का प्रयोग किया और आरोप लगाया कि हैरिस और मौजूदा जो बाइडेन सरकार इस तरह के अपराधियों को अमेरिका में पनाह देकर देश के साथ धोखा कर रहे हैं। कुछ दिन पहले ट्रंप ने कमला हैरिस का एक वीडियो भी शेयर किया था। जिसमें हैरिस ने समर्थकों के साथ अवैध अप्रवासियों के समर्थन में नारे लगाए थे।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है। इससे पहले ट्रंप ने पहले हैरिस को पागल, और पत्थर कहा था। गौरतलब है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 5 नवंबर को होना है। जनमत सर्वेक्षणों में कमला हैरिस और ट्रंप के बीच जोरदार टक्कर है, लेकिन कई जगहों पर हैरिस ट्रंप पर भारी पड़ रही हैं। ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी ने बाइडेन सरकार पर अवैध अप्रवासियों को अमेरिका में घुसने और बसने की परमिशन देने के आरोप लगाए हैं।

नेपाल में बाढ़-भूस्खलन- 4 दिन में 170 लोगों की मौत:50 से ज्यादा लापता, 300 से ज्यादा घर डूबे, 16 पुल भी टूटे

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भारी बारिश के चलते आई बाढ़ और भूस्खलन के चलते अब तक 170 लोगों की मौत हो चुकी है। यहां गुरुवार से लगातार पानी गिर रहा है। इसकी वजह से पूर्वी और मध्य नेपाल के कई इलाके जलमग्न हो चुके हैं। कुछ इलाकों में अचानक बाढ़ भी आई है।

अकेले काठमांडू घाटी में 40 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। न्यूज एजेंसी क्क्षञ्ज्ठ्ठ के मुताबिक बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की वजह से 55 से ज्यादा लोग लापता हैं और 100 से अधिक घायल हुए है। साथ ही कम से कम 322 घर और 16 पुल अब तक क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। सड़कों पर फंसे हुए हैं लोग भारी बारिश और बाढ़ की वजह से सड़कों पर भूस्खलन और जलभराव हुआ है। इसके चलते सैकड़ों लोग सड़कों पर फंसे हुए हैं। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य के लिए 20 हजार से ज्यादा सुरक्षा कर्मियों को लगाया हुआ है। अब तक करीब 3600 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। भूस्खलन के बाद सड़के क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके चलते सैकड़ों लोग सड़कों पर फंसे हुए हैं। भूस्खलन के बाद सड़के क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके चलते सैकड़ों लोग सड़कों पर फंसे हुए हैं। बिहार में भी बाढ़ की संभावना नेपाल में बारिश के कारण 56 साल बाद कोसी नदी रिकॉर्ड तोड़ने वाली है।

गले मिले और खिल उठे चेहरे, सुनीता विलियम्स को लाने पहुंचे एस्ट्रोनॉट्स का आईएसएस में हुआ स्वागत

वाशिंगटन, एजेंसी। सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष से वापस लाने गया स्पेसएक्स कैप्सूल फाल्कन 9 इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में पार्क हो गया है। इस स्पेसयान से दो अंतरिक्ष यात्री भी वहां पहुंचे हैं। इन दोनों यात्रियों का स्पेस स्टेशन पर जोरदार स्वागत हुआ। मिशन की लाइव स्ट्रीमिंग में यह नजारा दिखाया गया है। इसमें नजर आ रहा है कि स्पेस स्टेशन पर मौजूद अंतरिक्ष यात्री निक हेग और एजेक्जेंडर गोर्बुनॉव से गले मिले। क्रू 9 आईएसएस में कुल 200 वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम देगा। फाल्कन 9 रॉकेट ने शनिवार को 1 बजकर 17 मिनट पर फ्लोरिडा के केप केनेवराल से उड़ान भरी थी। यह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रविवार को शाम 5 बजकर 30 मिनट पर पहुंच गया। इसके बाद करीब 7 बजे नासा के एस्ट्रोनॉट निक हेग और रूसी कॉस्मोनॉट एलेक्जेंडर गोर्बुनॉव इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में दाखिल हुए। यहां पर यह दोनों वहां पहले से मौजूद एस्ट्रोनॉट्स से गले मिले। इन दोनों को देखकर वहां मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों के चेहरे भी खिल उठे। नासा के डिप्टी एडिमिनिस्ट्रेटर पाम मेलरॉय ने कहाकि यह एक बहुत ही शानदार दिन है। हेग और गोर्बुनॉव जब फरवरी में वापस धरती पर लौटेंगे तो वह अपने साथ बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को भी लेकर आएंगे। यह दोनों इसी साल करीब आठ दिन की यात्रा पर अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे थे। लेकिन इनके स्पेसयान में खराबी आने के चलते दोनों अब वहां पर फंस गए हैं। इन दोनों की वापसी अब फरवरी 2025 में होने वाली है। सुनीता और विल्मोर को लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गया स्टारलाइनर वापसी के लिए फिट नहीं पाया गया था। इसके बाद यह स्पेसयान बिना क्रू मेंबर के ही धरती पर लौट आया था।

ब्रिटेन में 12 साल की बच्ची को निर्वस्त्र करके पीटने वाला पुलिस अधिकारी बर्खास्त

लंदन, एजेंसी। अगर रक्षा करने वाला ही हद पार कर दे तो आमजन किससे अपनी सुरक्षा की आस लगाएंगे। ब्रिटेन से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक मेट्रोपॉलिटन पुलिस अधिकारी को 12 साल की बच्ची से छेड़छाड़ करने के लिए बर्खास्त किया गया है। कदाचार पैनल ने पाया कि अधिकारी ने कई बार मासूम बच्ची को नंगा करके पीटा था। 2018 में बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप पुलिस ने बताया कि पैनल इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि रॉस बेन्सन पर अप्रैल और अगस्त 2018 के बीच बच्ची को मारने का आरोप लगाया गया था। बच्ची बेन्सन को जानती थी और जब वह ड्यूटी पर नहीं था, तब ये घटनाएं घटीं। उसने बच्ची के साथ छेड़छाड़ की थी। सुनवाई के बाद बेन्सन को बिना किसी नोटिस के बर्खास्त कर दिया गया और पुलिसिंग कॉलेज की प्रतिबंधित सूची में रखा गया है। कदाचार की जांच हुई थी शुरू बेन्सन ने लंदन में नॉर्थ वेस्ट बेसिक कमांड यूनिट में काम किया था। साल 2020 की नवंबर में बेडफोर्डशायर पुलिस ने बेन्सन को यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया था। मगर, सितंबर 2021 में जानकारी दी गई कि आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसके बाद बेडफोर्डशायर पुलिस ने मामले को मेट के व्यावसायिक मानकों के निदेशालय को भेज दिया।

पाकिस्तान में ऐसा संकट कि 6 मंत्रालय ही बंद और डेढ़ लाख नौकरियां खत्म, पर मुसीबत जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान ऐसे आर्थिक संकट में घिर गया है कि अब उसने डेढ़ लाख सरकारी नौकरियां समाप्त कर दी हैं। इसके अलावा 6 मंत्रालयों को ही भंग कर दिया है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि सरकारी खर्च को रोका जा सके। यही नहीं दो मंत्रालयों का अन्य विभागों के साथ विलय कर दिया गया है। आईएमएफ से 7 अरब डॉलर की लोन डील के तहत पाकिस्तान सरकार ने ये कदम उठाए हैं। पाकिस्तान लगातार संकट के दौर से गुजर रहा है और आईएमएफ से लोन की एक किस्त मिलने के बाद भी उसका संकट समाप्त नहीं हुआ है। अब वह एक और राउंड का लोन लेने के लिए जुगत भिड़ा रहा है।

आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए मंजूर लोन की पहली किस्त 26 सितंबर को जारी की थी। इसके तहत 1 अरब डॉलर का पैकेज घोषित किया गया है। आईएमएफ ने इसके साथ ही पाकिस्तान सरकार को आदेश दिया है कि वह अपने खर्च घटाएं, टैक्स में इजाफा करे, कृषि और रियल एस्टेट जैसे सेक्टरों में पर भी टैक्स लगाया जाए। इसके अलावा सब्सिडी खत्म की जाए और कुछ योजनाओं को भी सीमित किया जाए। अमेरिका से लौटे पाकिस्तानी वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने कहा कि आईएमएफ के साथ डील हो गई है। यह हमारी आखिरी डील होगी।

हमें इसके तहत कुछ नीतियों को लागू करना होगा। उन्होंने कहा कि इसी के तहत हम सरकारी खर्चों में भी कटौती कर रहे हैं। 6 मंत्रालयों को बंद किया जाएगा और दो का विलय किया जाएगा। इसके अलावा अलग-अलग मंत्रालयों के डेढ़ लाख सरकारी पदों को समाप्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम टैक्स में भी इजाफे के प्रयास करेंगे। बीते साल 3 लाख अतिरिक्त टैक्सपेयर जुड़े हैं।

इस साल अब तक 7 लाख से ज्यादा नए टैक्सपेयर जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि टैक्स के नियमों को सख्त किया जाएगा। जो लोग टैक्स नहीं भरेंगे, उन्हें संपत्ति और वाहन खरीदने की परमिशन नहीं होगी। औरंगजेब ने कहा कि पाकिस्तान को यदि जी-20 का हिस्सा बनना है तो फिर अर्थव्यवस्था को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि अब तो हमारा एक्सपोर्ट भी बढ़ रहा है।

यूएई ने सूडान में यूएई के राजदूत के आवास को निशाना बनाकर किए गए हमले की निंदा की

आबुधाबी, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात ने सूडानी सेना के विमान द्वारा खार्तूम में यूएई मिशन के प्रमुख के आवास को निशाना बनाकर किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। साथ ही यूएई ने सेना से इस कायरतापूर्ण हमले की पूरी जिम्मेदारी लेने की अपील भी की है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने इस बारे में बताया कि वह सूडानी सशस्त्र बलों के इस हमले के खिलाफ अरब राज्यों की लीग, अफ्रीकी संघ और संयुक्त राष्ट्र को एक पत्र प्रस्तुत करेगा।

इजराइल के लेबनान पर हमले जारी

तेल अवीव, एजेंसी। हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर सैयद हसन नसरल्लाह को मार गिराने के बाद पूरी इस्लामिक दुनिया में इजरायल को लेकर गुस्सा देखा जा रहा है। यहां तक कि पाकिस्तान, तुर्की के अलावा भारत जैसे देश में भी विरोध प्रदर्शन हुए हैं। वहीं ईरान ने इजरायल को धमकी देते हुए कहा है कि वह इसका अंजाम भुगतेगा। अमेरिका ने इजरायल को नसीहत दी है कि वह ऑल आउट वॉर से बचे। फिर भी इजरायल ने हमले नहीं रोके हैं। रविवार को उसने फिर से लेबनान के अंदर कई एयरस्ट्राइक्स कीं। एक तरफ हिजबुल्लाह गम में डूबा था तो वहीं इजरायल के ताबड़तोड़ हमलों में 105 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद सोमवार को फिर से दिन की शुरुआत इजरायली हमलों में से हुई। इजरायल ने सुबह ही बेरूत के अंदर हमला किया, जिसमें 4 लोग मारे गए। रविवार को लेबनान में 105 लोगों की मौत हो गई, जबकि 359 लोग जख्मी हुए हैं। इसके साथ ही इजरायली हमलों में लेबनान में हाल के दिनों में मरने वालों की संख्या 1000 से ज्यादा हो गई है। इसके अलावा 6000 से ज्यादा जख्मी हुए हैं। इजरायल की ओर से सोमवार को जो हमला किया गया, वह लेबनान के लिए और चिंता का सबब है। पहली बार इजरायल ने इस तरह बेरूत के अंदर घुसकर अटैक किया है। वहीं रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार हिजबुल्लाह ने हसन नसरल्लाह का शव बरामद कर लिया है। हैरान करने वाला तथ्य यह है कि नसरल्लाह के शव पर जख्म को कोई निशान नहीं है। ऐसे में इसे लेकर हैरानी जताई जा रही है कि नसरल्लाह की मौत कैसे हुई होगी। एक अनुमान है कि शायद नसरल्लाह की मौत उस इमारत पर हुए हमले में दहशत के चलते हो गई होगी। इस हमले में 20 अन्य लोग मारे गए हैं। वहीं इससे पहले इजरायल ने हिजबुल्लाह के लीडर फुआद शुकर और इब्राहिम अकील को भी मार डाला था। नेतन्याहू बोले- अब हमले तो नहीं रुकेंगे, पर एक डेडलाइन भी दी इस बीच बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि इजरायल की ओर से हमले जारी रहेंगे। नेतन्याहू ने कहा कि हम अपनी उत्तरी सीमा को सुरक्षित रखना चाहते हैं। उस हिजबुल्लाह को ही खत्म कर देंगे, जिसके हमलों की वजह से हमारे लोगों को पलायन करना पड़ गया। अब हिजबुल्लाह को खत्म करके ही हमले रोकेंगे ताकि दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो।

खुद से शादी करने वाली टिकटॉक स्टार कुबरा अयकुट की मौत; पांचवी मंजिल से गिरीं, सुसाइड नोट भी बरामद

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्किये की टिकटॉक इनफ्लुएंसर कुबरा अयकुट की महज 26 साल की उम्र में मौत हो गई। कुबरा अपने वेडिंग विदाउट ए ग्रूम (खुद से शादी करने) वाले वीडियो के लिए बहुत मशहूर हुई थीं। तुर्किये की मीडिया के अनुसार, टिकटॉक इनफ्लुएंसर की मौत सोमवार को इस्तांबुल के सुल्तानबेली जिले में एक लक्जरी अपार्टमेंट इमारत की पांचवीं मंजिल से गिरने से हुई। स्थानीय अधिकारियों को उनके शव के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

फैंस ने बताया कि मृत्यु से पहले सोशल मीडिया पर अयकुट ने चिंताजनक पोस्ट डाला था। मृत्यु से ठीक पहले उन्होंने अपने वजन बढ़ने के अनुभव के बारे में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक दुख भरा संदेश लिखा था। उन्होंने कहा, मैंने अपनी ऊर्जा जमा कर ली है, लेकिन मेरा वजन नहीं बढ़ रहा है। रोजाना कुछ किलोग्राम से वजन घट रहा है। मुझे नहीं मालूम क्या करूं? मुझे तत्काल वजन बढ़ाने की जरूरत है।

विशेष रूप से 2023 में उन्होंने अपनी अपरंपरागत वेडिंग विदाउट ए ग्रूम सीरिज से पहचान हासिल की थी। उन्होंने सुंदर सफेद रंग का गाउन और माथे पर टियारा पहनकर खुद से ही शादी की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था, मुझे अपने लिए कोई योग्य वर नहीं मिल रहा है। एक अन्य वीडियो क्लिप में उन्हें शादी की पोशाक में बर्गर का आनंद लेते हुए भी देखा गया था। अयकुट की मौत की खबर से सोशल मीडिया पर शोक की लहर दौड़ गई। उनके फॉलोअर्स हैरान रह गए। कई फैंन और फॉलोअर्स ने उनकी मौत पर शोक व्यक्त करने के लिए विभिन्न फ्लेटफॉर्म का सहारा लिया। उन्होंने अयकुट को एक खूबसूरत दिल वाली परी कहकर पुकारा। तुर्किये के अधिकारियों ने अयकुट के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। अयकुट के गृहनगर में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस दौरान कई टिकटॉकर और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर के शामिल होने की संभावना है।

अमेरिका में 38 लाख छात्रों को पड़े खाने के लाले ! भूखे पेट नहीं हो रही पढ़ाई, मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा प्रभाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार की एक संस्था के अनुसार देश में ऐसे लाखों कॉलेज छात्र हैं जिन्हें भरपेट खाना नसीब नहीं है। गवर्नमेंट अकाउंटेबिलिटी ऑफिस (जीएओ) की एक स्टडी के मुताबिक 2020 में 38 लाख छात्रों ने भोजन की कमी होने की जानकारी है। इनमें आधे से अधिक छात्रों का कहना था कि पैसा नहीं होने की वजह से वे खाना नहीं खा सके। कई दशकों से कॉलेज छात्रों को पर्याप्त भोजन न मिलने की शिकायत है। अब यह बड़ा संकट बन चुका है। कॉलेजों में कम आमदनी वाले परिवारों के ज्यादा छात्र दाखिला ले रहे हैं। एडमिशन फीस, हाउसिंग और जीवन-यापन के अन्य खर्च बढ़े हैं। रिसर्च से पता लगा है खाने की कमी से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। छात्रों के कॉलेज पास करने की दर कम हुई है। हालांकि, सरकार के सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन एसिस्टेंस प्रोग्राम (स्नैप) के तहत कम आय वालों को भोजन के लिए मदद दी जाती है।

80 प्रतिशत परिवारों को मदद मिलनी थी, 30त्न को मिली : कुछ शर्तें पूरी न करने के कारण लाखों कॉलेज छात्रों को मदद नहीं मिलती है। स्नैप की मदद के लिए 45 लाख छात्र आय मापदंड के दायरे में आए। लेकिन 33 लाख छात्र सिर्फ शर्त पूरी कर पाए। फिर भी, इनमें से दो तिहाई छात्रों ने बताया कि उन्हें पात्रता के बावजूद स्नैप की मदद नहीं मिली है। स्नैप से औसतन 80त्न पात्र परिवारों को मदद मिलती है। लेकिन, 30त्न छात्र उसकी मदद हासिल कर पाते हैं।

भूखे पेट नहीं हो रही पढ़ाई, मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा प्रभाव : खाने की कमी का छात्रों की शिक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। भूख के कारण छात्रों का ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित नहीं हो पाता, जिससे उनकी शैक्षणिक प्रदर्शन

प्रभावित होता है। भोजन की कमी से कई छात्र कॉलेज छोड़ने का निर्णय लेते हैं, जिससे उनकी भविष्य की संभावनाएँ कम हो जाती हैं। भोजन की कमी और आर्थिक समस्याएँ छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं, जिससे चिंता, अवसाद और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। जब छात्रों को अपने साथियों के सामने भोजन की कमी का सामना करना पड़ता है, तो इससे उनकी आत्म-सम्मान में कमी आती है। बेशक कई कॉलेज अब भोजन सहायता कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं, जैसे फूड पैंट्रीज़, जहाँ छात्रों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जाता है। लेकिन अमेरिका सरकार को स्न्नक्क कार्यक्रम को और अधिक सुलभ बनाने और उन छात्रों के लिए विशेष योजनाएँ विकसित करने की आवश्यकता है जो इस कार्यक्रम से वंचित रह जाते हैं।

बड़ी चूक रेलवे प्रशासन की... टूटे हुए ट्रैक पर दौड़ गई केरल एक्सप्रेस

झांसी । रेलवे को लेकर एक चौंकाने और हैरान करने वाली घटना सामने आई है। दरअसल, केरल एक्सप्रेस मंगलवार को ललितपुर में टूटे हुए ट्रैक पर दौड़ गई। हालांकि, सौभाग्य से ट्रेन एक बड़ी दुर्घटना से बाल-बाल बच गई। जानकारी के मुताबिक, ललितपुर में रेलवे प्रशासन की गलती के कारण ट्रेन क्षतिग्रस्त ट्रैक पर दौड़ गई। जब ट्रेन आ रही थी, तब रेलवे स्टाफ ट्रैक पर काम कर रहा था। उन्होंने लाल झंडी दिखाई लेकिन जब तक लोको पायलट ने आपातकालीन ब्रेक लगाए, तब तक तीन डिब्बे ट्रैक के क्षतिग्रस्त हिस्से से गुजर चुके थे। बड़ा हादसा टल गया और घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। हालांकि, जब ट्रेन झांसी पहुंची, तब यात्री ट्रेन से उतरे और हंगामा करने लगे। हाल के सप्ताहों में ट्रेनों को पटरी से उतारने और दुर्घटनाओं को अंजाम देने की कोशिशें तेजी से बढ़ी हैं। सिर्फ यूपी में इसतरह के कई मामले सामने आए हैं। 28 सितंबर को महोबा जिले के मानिकपुर रेलवे लाइन के बांदा-महोबा रेलवे ट्रैक पर टूटे हुए खंभे का एक टुकड़ा रख दिया गया था। सतर्क लोको पायलट द्वारा समय पर आपातकालीन ब्रेक लगाने के कारण दुर्घटना टल गई। वहीं बलिया में रेलवे ट्रैक पर कुछ शरारती तत्वों ने एक बड़ा पत्थर रख दिया था, जिसे देखकर लोको पायलट ने ब्रेक लगाया लेकिन इंजन उस पत्थर से टकरा गया। इससे पहले 22 सितंबर को उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले में रेलवे ट्रैक पर गैस सिलेंडर मिला था। घटना सुबह 6.09 बजे दिल्ली-हावड़ा रेल रूट पर महाराजपुर के प्रेमपुर स्टेशन के पास हुई. मालगाड़ी के लोको पायलट द्वारा रास्ते में रखी वस्तु को देखकर ब्रेक लगाने से एक बड़ा रेल हादसा टल गया।

पेजर ब्लास्ट इजरायल का मास्टरस्ट्रोक.... सेना प्रमुख

नई दिल्ली । लेबनान में हुए पेजर ब्लास्ट पर अब भारतीय सेना प्रमुख ने प्रतिक्रिया दी है। सेना प्रमुख ने पेजर सप्लाई करने के तरीके को इजरायल का मास्टरस्ट्रोक बताया है। इजरायल और हिजबुल्ला के बीच संघर्ष जारी है। सितंबर के अंत में लेबनान में दो दिन में लगातार पेजर और वॉकी टॉकी ब्लास्ट की घटनाएं हुई थीं, जिसमें 30 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। आरोप थे कि इन हमलों के पीछे इजरायल का हाथ है। सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी से पेजर को बम बनाने को लेकर सवाल हुआ तब उन्होंने कहा, ...जिस पेजर की आप बात कर रहे हैं, वह एक ताइवान कंपनी है, इस पेजर को हंगरी की कंपनी को सप्लाई किया जा रहा है। इसके बाद हंगरी की कंपनी उन्हें दे रही है। तैयार की गई शेल की कंपनी इजरायल की ओर से एक मास्टरस्ट्रोक जैसा था। उन्होंने कहा, और इसके लिए आपको सालों की तैयारी की जरूरत होती है। इससे पता लगता है कि वह इसके लिए तैयार थे। युद्ध तब शुरू नहीं होता, जब आप लड़ना शुरू करते हैं। युद्ध तब शुरू होता, जब आप प्लानिंग करना शुरू कर देते हैं। और यह सबसे ज्यादा जरूरी है...। जनरल द्विवेदी से पूछा गया कि भारत इसतरह की चीजों से निपटने के लिए क्या कर रहा है। उन्होंने कहा, ...हमारी बात पर आते हैं। सप्लाई चेन में रुकावट, अवरोध आना ऐसी चीजें हैं, जिनके लिए हमें बहुत सतर्क रहना होगा। हमें अलग-अलग स्तरों पर निरीक्षण करना ही होगा।

तेंदुए ने पुजारी का किया शिकार, 11 दिनों में 07 की ले ली जान

उदयपुर। उदयपुर में एक तेंदुए ने 11 दिन में सात लोगों का शिकार कर उन्हें मार डाला। विगत दिवस गोगुंदा इलाके में तेंदुए ने एक मंदिर के पुजारी विष्णु गिरी (65), को अपना शिकार बनाया। पुजारी का शव मंदिर से 150 मीटर दूर जंगल में मिला, जिसमें एक हाथ, गर्दन और छाती के हिस्सा गायब था। बड़गांव की मदार पंचायत के राठौड़ों का गुड़ा गांव में हनुमान मंदिर है, जहां पुजारी पूजा-अर्चना करता था। सोमवार सुबह जब लोग मंदिर के पास पानी भरने पहुंचे, तो उन्होंने खून के निशान देखे। रास्ते में खून के निशान देखकर लोगों को अनहोनी का एहसास हो गया। जब पुजारी नजर नहीं आया, तो लोगों ने उनको तलाशना शुरु किया। जंगल में खोजने पर, पुजारी का शव मिला, जो बहुत ही बुरी स्थिति में था। पुलिस और वन विभाग की टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची, जहां डीएफओ भी टीम के साथ पहुंचे। वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा दिया है। बता दें पिछले दिनों में हुए हमलों के बाद से चार तेंदुए पकड़े जा चुके हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि हमले एक ही तेंदुए ने किए हैं या अलग-अलग ने। लगातार हो रहे इन हमलों ने वन विभाग और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीण डर हुए हैं और सुरक्षा के लिए उपायों की मांग कर रहे हैं। अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

जलवायु कार्यकर्ता को हिरासत में लेने पर भड़के केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल मंगलवार को सुबह सुबह आग बबूला हो गए। उनकी नाराजगी का कारण जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को हिरासत में लेना था। उन्होंने कहा कि देश में ये कौन सा तमाशा चल रहा है, कभी किसानों को दिल्ली आने से रोका जाता है तो कभी लद्दाख के लोगों को। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने सवाल करते हुए कहा कि क्या दिल्ली किसी एक शख्स की बपौती है?लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर पैदल दिल्ली की सीमा तक आए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने सोमवार रात हिरासत में ले लिया। सिंघु बॉर्डर पर वांगचुक समेत करीब 120 लोगों को हिरासत में लिया गया। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार हिरासत में लिए गए लोगों को अलीपुर और शहर की सीमा से लगे अन्य पुलिस थानों में ले जाया गया। दिल्ली के कई इलाकों में छह दिन के लिए बीएनएस की धारा 163 लागू है। हिरासत में लिए जाने की सूचना देते हुए सोनम वांगचुक के एक पोस्ट को शेयर करते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गलत है। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए लिखा, दिल्ली में आने से कभी किसानों को रोकते हैं, कभी लद्दाख के लोगों को रोकते हैं।

तीसरे और आखिरी चरण के साथ ही जम्मू-कश्मीर में खत्म हुआ मतदान का दौर, अब आठ अक्टूबर को आएंगे नतीजे

श्रीनगर (एजेंसी)। तीसरे और आखिरी चरण के मतदान के साथ ही जम्मू-कश्मीर में वोटिंग की प्रक्रिया खत्म हो चुकी है। जम्मू-कश्मीर चुनाव के नतीजे आठ अक्टूबर को आएंगे। तीसरे एवं अंतिम चरण के तहत मंगलवार को शाम पांच बजे तक 65.48 प्रतिशत मतदान हुआ। उधमपुर जिले में सबसे अधिक 72.91 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद सांबा (72.41 प्रतिशत), कठुआ (70.53 प्रतिशत), जम्मू (66.79 प्रतिशत), बांदीपुरा (63.33प्रतिशत), कुपवाड़ा (62.76 प्रतिशत) और बारामूला (55.73 प्रतिशत) का स्थान रहा। अधिकारियों ने बताया कि सभी क्षेत्रों में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से चला और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

चुनाव के इस चरण में प्रमुख उम्मीदवारों में रमन भल्ला (आरएस पुरा), उस्मान माजिद (बांदीपुरा), नजीर अहमद खान (गुरेज), ताज मोहिउद्दीन (उरी), बशारत बुखारी (वागूरा-क्रीरी), इमरान अंसारी (पट्टन), गुलाम हसन मीर (गुलमर्ग), चौधरी लाल सिंह (बसोहली), राजीव जसरोटिया (जसरोटा), मनोहर लाल शर्मा (बिलावर), श्याम लाल शर्मा और अजय कुमार सधोत्रा ??(जम्मू उत्तर) शामिल हैं। चुनाव के पहले चरण में 18 सितंबर को 61.38 प्रतिशत और 25 सितंबर को दूसरे चरण में 57.31 प्रतिशत मतदान हुआ था। वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव हो रहा था।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के तीसरे एवं आखिरी चरण में मंगलवार को जम्मू एवं सांबा जिलों में कई पूर्व मंत्रियों एवं उम्मीदवारों ने विभिन्न मतदान केंद्रों पर अपने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इनमें से कई ने कहा कि चुनाव में उल्लेखनीय मतदान प्रतिशत जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर लोकतंत्र की जीत है। पूर्व मंत्री एवं जम्मू उत्तर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार श्यामलाल शर्मा ने यहां वोट डालने के बाद कहा, ''जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की जीत हुई है। लोगों ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को हराया है।'' उन्होंने कहा, ''हम लोग सरकार बनाएंगे और हमारी जीत लोगों के समर्थन का प्रमाण होगी। लोग जम्मू-कश्मीर में निरंतर विकास के लिए मतदान कर रहे हैं।''

वरिष्ठ भाजपा नेता और नगरोटा विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार देवेंद्र सिंह राणा ने भविष्यवाणी की कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा सरकार सत्ता में आएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई विकासात्मक पहलों को मतदाताओं के समर्थन के लिए महत्वपूर्ण बताया। भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख रवींद्र रैना ने कहा, ''जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र फल-फूल रहा है, जहां लोगों ने पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद को दृढ़ता से खारिज किया है। उन्होंने कहा, ''लोग शांति, विकास, प्रगति और समृद्धि के लिए मतदान कर रहे हैं। उनका वोट लोकतंत्र के लिए है, आतंकवाद के लिए नहीं।''

पेट दर्द के चलते सुपरस्टार रजनीकांत अस्पताल में भर्ती, फैंस ने मांगी जल्द ठीक होने की दुआ

चेन्नई। पेट दर्द के चलते दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत को सोमवार देर रात चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने जानकारी दी कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर है और वह डॉक्टर्स की निगरानी में हैं। बताया जा रहा है कि सुपरस्टार का मंगलवार को एक पूर्व निर्धारित उपचार ('इलेक्टिव प्रोसीजर') होना है। हालांकि, उनके परिवार या अस्पताल प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन प्रशंसकों के बीच चिंता का माहौल है। सोशल मीडिया पर उनके लाखों फैंस उनकी अच्छी सेहत और जल्द स्वस्थ होने के लिए दुआएं कर रहे हैं। कुछ साल पहले, सुपरस्टार ने सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट कराया था। इसके बाद से वह स्वास्थ्य कारणों को लेकर कई बार चर्चा में रहे हैं। हाल ही में, रजनीकांत ने अपने स्वास्थ्य के कारण राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की थी, जिससे उनके समर्थकों को झटका लगा था। सिनेमा के थलाइवा के नाम से मशहूर रजनीकांत ने अपने चार दशक लंबे करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं और भारतीय सिनेमा में एक अद्वितीय स्थान हासिल किया है। उनकी फिल्में न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलताएं रही हैं, बल्कि उनकी अभिनय शैली और चार्म ने उन्हें एक पंथनायक बना दिया है। फैंस उन्हें भगवान की तरह पूजते हैं, और उनकी हर फिल्म को एक महोत्सव के रूप में मनाया जाता है।रजनीकांत की आगामी फिल्म वेट्टैयान 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह रजनीकांत की 170वीं फिल्म है, जिसके लिए फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का टाइटल और टीजर रजनीकांत के 73वें जन्मदिन पर जारी किया गया था, जिसे फैंस ने खूब सराहा था।

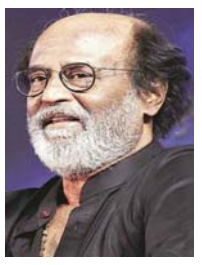

भारत दौरे पर आने वाले जमैका के पहले पीएम होलनेस... पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हैदराबाद हाउस में जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस के साथ चर्चा की। पीएम होलनेस की नई दिल्ली यात्रा का ऐतिहासिक महत्व है। वे भारत दौरे पर आने वाले जमैका के पहले पीएम हैं। उनकी चार दिवसीय यात्रा 3 अक्टूबर तक जारी रहेगी। इसके पहले दिन में होलनेस ने राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। विदेश मंत्रालय ने तस्वीरें साझा कर लिखा, राष्ट्रपिता का सम्मान! जमैका के पीएम एंड्रयू होलनेस ने मंगलवार को राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। जमैका के प्रधानमंत्री राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों और व्यापारिक नेताओं से भी मुलाकात करने वाले है। होलनेस के भारत दौरे पर कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, जिससे द्विपक्षीय सहयोग और मजबूत होगा। दोनों देशों का औपनिवेशिक अतीत साझा है, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता और क्रिकेट के प्रति जुनूनू दोनों

देशों में देखने को मिलता है। यात्रा से भारत-जमैका के बीच कूटनीतिक संबंधों के मजबूत होने की उम्मीद है। आबादी का एक छोटा हिस्सा होने के बावजूद भारतीयों ने अपने जमैका पर सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है। 1995 में, जमैका सरकार ने देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में भारतीयों के योगदान को मान्यता देकर 10 मई को भारतीय विरासत दिवस घोषित किया। 1 मार्च, 1998 को जमैका में भारतीय संस्कृति के लिए राष्ट्रीय परिषद का गठन किया गया। यह भारतीय संघों का छात्र संगठन है जिसका मिशन भारतीय संस्कृति को संरक्षित और बढ़ावा देना है।

क्या नाराज है मोदी के हनुमान? आखिर चिराग पासवान ने क्यों की मंत्री पद छोड़ने की बात? बिहार में चर्चा तेज

पटना (एजेंसी)। बिहार में सियासत जबरदस्त तरीके से जारी है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल अपने-अपने दांव साधने की तैयारी में है। वहीं, दूसरी ओर खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हनुमान बताने वाले चिराग पासवान अलग ही मोड में नजर आ रहे हैं। केंद्र में मंत्री बनने के बाद लगातार अपनी ही सरकार के कई फैसलों पर सवाल खड़े करने वाले चिराग पासवान ने अब मंत्री पद छोड़ने की भी बात कह दी है। यहां स्पष्ट कर दें कि वह मंत्री पद से इस्तीफा देने नहीं जा रहे हैं।

चिराग पासवान ने एसके मेमोरियल हॉल में पार्टी के एससी-एसटी प्रकोष्ठ की बैठक में अपने संबोधन के दौरान कहा कि मैं चाहूं किसी भी गठबंधन में रहूं, जिस दिन मुझे लगेगा कि संविधान और आरक्षण से खिलवाड़ हो रहा है, मैं उसी वक्त मंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा। इसके आगे उन्होंने कहा कि जैसा मेरे पिता ने 1 मिनट में मंत्री पद त्याग दिया था, उसी तरह मैं भी मंत्री पद त्याग दूंगा। हालांकि, चिराग पासवान के इस बयान को लेकर चर्चा तेज हो गई है। दावा किया जा रहा है

कि चिराग पासवान एनडीए से नाराज चल रहे हैं।

हालांकि, चिराग पासवान इससे साफ तौर पर इंकार कर रहे हैं। दूसरी ओर राजनीतिक विश्लेषक इसके अलग मायने निकाल रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का दावा है कि चिराग पासवान भाजपा पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि झारखंड चुनाव में भी गठबंधन के तहत सीट उन्हें मिल सके। दूसरी ओर जिस तरीके से हाल के दिनों में उनके चाचा पशुपति पारस से भाजपा के नजदीकियां बढ़ी है, वह भी चिराग पासवान को परेशान कर रहा है। साथ ही साथ चिराग पासवान बिहार विधानसभा चुनाव तक अपनी ताकत बरकरार रखना चाहते हैं ताकि भाजपा से सीट समझौते के दौरान अच्छे से डील किया जा सके।

चिराग पासवान ने यह भी कहा कि जब तक नरेन्द्र मोदी मेरे प्रधानमंत्री हैं, तब तक हम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में रहेंगे। उनकी टिप्पणी कि मैं अपने पिता की तरह मंत्री पद छोड़ने में संकोच नहीं करूंगा' के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए चिराग ने दावा किया कि वह कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के बारे में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मेरे पिता भी संप्रग सरकार में मंत्री थे। और उस समय बहुत सी ऐसी चीजें हुईं जो दलितों के हितों में नहीं थी। यहां तक ??कि बाबा साहब आंबेडकर की तस्वीरें भी सार्वजनिक कार्यक्रमों में नहीं लगाई जाती थीं। इसलिए हमने अपने रास्ते अलग कर लिए। चिराग पासवान के बारे में माना जाता है कि उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले अपने पिता को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राजग के साथ फिर से गठबंधन करने के लिए सहमत कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए पासवान ने कहा कि मौजूदा सरकार दलितों के बारे में उनकी चिंताओं के प्रति संवेदनशील रही है और उन्होंने अपनी बात को पुष्ट करने के लिए नौकरशाही में 'क्रीमी लेयर' और 'लेटरल एंट्री' (सीधी भर्ती) पर केंद्र के रुख का उदाहरण दिया। हालांकि, राजग और 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के सूत्रों का मानना है कि पासवान के भाषण में बाद में दिए गए उनके स्पष्टीकरण से कहीं अधिक बयानबाजी थी।

सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती ने 'मुडा' को सरेंडर किए 14 प्लॉट, सीएम बोले- वह नफरत की राजनीति का शिकार हुई हैं

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि उनकी पत्नी बीएम पार्वती, जिन्होंने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) से प्राप्त 14 प्रतिपूरक भूमि स्थलों को वापस करने का फैसला किया, वह उनके खिलाफ नफरत की राजनीति का शिकार थीं। उन्होंने कहा कि उनका आश्चर्यजनक कदम प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मुडा घोटाला मामले में उनके और अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज करने के मद्देनजर उन्हें शर्मिंदगी से बचाने के लिए था। सिद्धारमैया ने कहा कि यह (जमीन) मेरी पत्नी के भाई ने उसे उपहार में दी थी। इस पर मुडा ने अतिक्रमण कर लिया और इसके लिए उसने वैकल्पिक जगह मांगी। उन्होंने विजयनगर नहीं मांगा लेकिन उन्होंने दे दिया। ये अब बड़ी राजनीति बन गई है। बीजेपी-जेडीएस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें जो करना है करने दीजिए। मनी लॉन्ड्रिंग यहां तस्वीर में नहीं आती है। मेरी भूमिका क्या है? मेरी पत्नी को लगा कि यह राजनीति का कारण बन गया है इसलिए उन्होंने पत्र लिखा क्योंकि वह कोई विवाद नहीं चाहती थीं। सिद्धारमैया ने दावा किया कि बीएस येदियुरप्पा का मामला और मेरा मामला अलग है। उन्होंने जमीन का डिनोटिफिकेशन किया और मैं इसमें शामिल नहीं हूं। मैं आत्म-साक्षी के रूप में अपना इस्तीफा नहीं दूंगा।

चाहे ईडी हो या कुछ और, मैं कानूनी तौर पर लड़ूंगा।सिद्धरमैया ने कहा, ''मेरी पत्नी ने चार दशक के मेरे राजनीतिक जीवन में कभी हस्तक्षेप नहीं किया और अपने परिवार तक ही सीमित रहीं, लेकिन आज वह मेरे खिलाफ नफरत की राजनीति का शिकार हो गईं और मानसिक यातना झेल रही हैं। मैं दुखी हूं। हालांकि, मैं अपनी पत्नी के जमीन वापस करने के फैसले का सम्मान करता हूं।'' पार्वती सार्वजनिक रूप से बहुत कम सामने आती हैं। उन्होंने सोमवार को एमयूडीए को पत्र लिखकर अपनी 3.16 एकड़ जमीन के बदले में उन्हें आवंटित 14 भूखंडों को वापस करने की इच्छा जताई, जिसका उपयोग एमयूडीए द्वारा किया गया था। इससे कुछ घंटे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लोकायुक्त पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर संज्ञान लेते हुए एमयूडीए की ओर से उनकी पत्नी को 14 स्थलों के आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की, जो पुलिस की प्राथमिकी के समान होती है।

बिहार में अगले विधानसभा चुनाव में नीतीश सीएम कुर्सी से हो जाएंगे बेदखल: प्रशांत

– जन सुराज की 2 अक्टूबर को विजन और पार्टी अध्यक्ष के नाम की होगी घोषणा

पटना (एजेंसी)। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर लगातार हमले बोल रहे हैं। प्रशांत ने दावा किया है कि नीतीश कुमार अगले विधानसभा चुनाव में सीएम कुर्सी से बेदखल हो जाएंगे और इसके प्रशांत ने तीन मुख्य कारण भी बताए हैं। पीके कहना है कि नीतीश की हार की वजह बनेंगे शराबबंदी नीति की विफलता, भ्रष्टाचार से ग्रस्त भूमि सर्वेक्षण और जबरन प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाना।

पीके ने सीएम नीतीश के शासन को चुनौती देते हुए कहा कि सीएम मुट्ठी भर सेवानिवृत्त नौकरशाहों के जरिए सरकार चला रहे हैं। उन्होंने यकीन से कहा कि 2025 के विधानसभा चुनावों में उनकी जन सुराज पार्टी सत्ता में आएगी और पार्टी के गठन के 15 मिनट के अंदर ही शराब प्रतिबंध हटा दिया जाएगा। उन्होंने 2 अक्टूबर को अपने विजन और पार्टी अध्यक्ष के नाम की घोषणा करने की बात भी कही।

प्रशांत ने साफ किया कि उनकी जन सुराज पार्टी सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से समान दूरी बनाए रखते हुए बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि अगर हमें 130 सीटें भी मिलती हैं तो मैं इसे अपनी व्यक्तिगत हार मानूंगा। उनका मानना है कि अकेले सरकार बनाना पर्याप्त नहीं है। दो-तिहाई बहुमत के समर्थन की जरुरत है ताकि प्रमुख नीतियों को लागू किया जा सके।

उन्होंने नीतीश कुमार की नीतियों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ट्रिपल एस शराबबंदी, भूमि सर्वेक्षण और स्मार्ट मीटर लगाना नीतीश सरकार के ताबूत में आखिरी तीन कीलें साबित होंगी। प्रशांत किशोर ने अपनी पैदल यात्रा के दौरान बिहार के 60फीसदी हिस्से को कवर करने की जानकारी दी और उन्होंने कहा कि पार्टी के गठन के बाद भी यह यात्रा जारी रहेगी।

पीके का यह दावा बिहार की राजनीति में नया मोड़ लाने की संभावना को दर्शाता है और वे चुनावी रणनीति के तहत नीतीश कुमार की नीतियों को चुनौती देते हुए चुनावी मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं।

खाने-पीने के पैकेटों में पाए गए 200 प्रकार के केमिकल्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ताजा अध्ययन के अनुसार, खाने-पीने के पैकेटों में लगभग 200 प्रकार के केमिकल्स पाए गए हैं, जिनमें से 76 केमिकल्स को कैंसरकारक के रूप में पहचाना गया है। ये केमिकल्स कागज और पॉलीथिन पैकेजिंग में मिलते हैं, और जब गर्म भोजन को इन पैकेजिंग में रखा जाता है, तो ये खतरनाक तत्व भोजन में मिल जाते हैं। अध्ययन के अनुसार, पैकेज्ड फूड्स का सेवन ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को बढ़ा सकता है। प्लास्टिक पैकेजिंग न केवल होटलों या स्ट्रीट फूड्स में आम है, बल्कि यह हमारे रोजमर्रा के जीवन में भी मौजूद है। जब लोग गर्म भोजन को प्लास्टिक के टिफिन में रखते हैं, तो यह धीरे-धीरे हानिकारक केमिकल्स को भोजन में छोड़ सकता है। रिसर्च में यह भी पाया गया है कि इन केमिकल्स का सेवन कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकता है।

फूड कॉन्टेक्ट मैटीरियल के तहत आने वाली हानिकारक सामग्रियां जैसे प्लास्टिक के बर्तन और कागज की पैकेजिंग आइटम्स स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकती हैं। यह जरूरी है कि लोग अपने भोजन को सुरक्षित रखने के लिए कुछ सावधानियों का पालन करें। जैसे कि बाहर से खाना लाते समय अपने घर के डिब्बे का उपयोग करें, मेटल के टिफिन का प्रयोग करें, और गर्म खाने को तुरंत पैक न करें। ब्रेस्ट कैंसर के मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, पैकेज्ड फूड्स में खतरनाक केमिकल्स पर ध्यान देना अनिवार्य हो गया है।

सुरक्षित खाने की आदतों को अपनाकर हम अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं और कैंसर के जोखिम को कम कर सकते हैं। अपनी और अपने परिवार की सेहत के प्रति जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है, ताकि हम इस गंभीर समस्या से बच सकें और एक स्वस्थ जीवन जी सकें। बता दें कि ब्रेस्ट कैंसर एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो मुख्यतः महिलाओं को प्रभावित करती है। इस बीमारी के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। हाल ही में एक अध्ययन ने पैकेज्ड फूड्स में मौजूद खतरनाक केमिकल्स को इस बीमारी के संभावित कारणों में शामिल किया है।